नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 05

सोमवार, 16 से 22 मार्च 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एमसीडी में 'स्वदेशी हाट' कार्यक्रम का आयोजन 03

धूप दिखाने लगी अपना असर, दिल्ली में रात का तापमान... 08

# NCR समाचार

संजू ने टी20 विश्व कप फाइनल में रख इतिहास 10

नारी कदम प्रगति पथ पर अग्रसर 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

एक्टिंग डेब्यू के सवाल पर अमृता फडणवीस 12

# दिल्ली आर्थिक सर्वे 2026 पेश

## विकास दर 9.42% का अनुमान; प्रति व्यक्ति आय 5.31 लाख पहुंचने की उम्मीद

**नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विधानसभा में वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। सर्वेक्षण में राजधानी की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताते हुए 9.42 प्रतिशत विकास दर का अनुमान जताया गया है। साथ ही प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 5,31,610 रुपये होने की संभावना व्यक्त की गई है, जो राष्ट्रीय औसत से करीब ढाई गुना अधिक है।

**आर्थिक मजबूती और राजस्व अधिशेष**

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2025-26 में दिल्ली का सकल राज्य घरेलू उत्पाद लगभग 13,27,055 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 9.42 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है। इसके साथ ही 9,661.31 करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया गया है, जो जीएसडीपी का 0.73 प्रतिशत है। कर संग्रह में भी 15.54 प्रतिशत की वृद्धि संभावित है।

**सेवा क्षेत्र का वर्चस्व कायम**

दिल्ली की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक 86.32 प्रतिशत बनी हुई है। सरकार का लक्ष्य राजधानी को विश्वस्तरीय, समावेशी और रहने योग्य शहर के रूप में विकसित करना है। यह सर्वेक्षण का 17वां संस्करण है, जो आर्थिक दिशा और प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है।

**पर्यावरण और जल प्रबंधन में सुधार**

दिल्ली में ह्यअच्छे वायु गुणवत्ता वाले दिनोंह्व की संख्या 2018 के 159 दिनों से बढ़कर 2025 में 200 दिन हो गई है। जल आपूर्ति और स्वच्छता के क्षेत्र में 93.5 प्रतिशत घरों तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाया जा रहा है। लगभग 1000 एमजीडी जल आपूर्ति, 15,700 किलोमीटर पाइपलाइन और 11,040 किलोमीटर सीवर नेटवर्क के जरिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है।

**शिक्षा और स्वास्थ्य में प्रगति**

राजधानी में 1270 सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालय संचालित हैं, जहां 10वीं में 97.7 प्रतिशत और 12वीं में 98.3 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 40 बहु-विशेषज्ञ अस्पताल, 370 आरोग्य केंद्र और 98 डिस्पेंसरी कार्यरत हैं। अस्पतालों में बेड की संख्या भी बढ़कर 15,659 हो गई है।

**सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से राहत**

सरकार की सामाजिक योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिल रहा है। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। वर्ष 2025-26 में 4.40 लाख वरिष्ठ नागरिक, 4.09 लाख महिलाएं और 1.40 लाख दिव्यांगजन इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।

**जन वितरण और आवास सुविधाएं**

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 1953 उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से 72.21 लाख लाभार्थियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। अन्न योजना के तहत पात्र परिवारों को मुफ्त राशन और चीनी वितरित की जा रही है। इसके अलावा 73 अटल कैंटीन संचालित हैं और 20 किलोलीटर तक मुफ्त पानी योजना से लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

**विकास की स्पष्ट दिशा**

आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि राजधानी में बुनियादी ढांचे, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास को संतुलित रूप से आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। आने वाले वर्षों में दिल्ली को अधिक सक्षम और समावेशी महानगर बनाने की दिशा में यह सर्वेक्षण महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित होगा।

### बजट में बढ़ा आवंटन, योजनाओं पर जोर

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जिसमें से 59,300 करोड़ रुपये विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 20,300 करोड़ रुपये अधिक है। बजट में परिवहन को 20 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा को 17 प्रतिशत, जल और स्वच्छता को 15 प्रतिशत, शिक्षा को 13 प्रतिशत और स्वास्थ्य को 12 प्रतिशत हिस्सा दिया गया है।

### परिवहन और ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार

राजधानी में सार्वजनिक परिवहन के साधनों को मजबूत किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 2150 से बढ़कर 4338 हो गई है। वहीं दिल्ली मेट्रो की औसत दैनिक सवारी लगभग 67 लाख तक पहुंच गई है। बिजली की अधिकतम मांग भी बढ़कर 8442 मेगावाट हो गई है, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 509 मेगावाट दर्ज की गई है।

# नितिन नवीन 24 और 25 मार्च को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 24 और 25 मार्च को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। इस दौरान वह कोलकाता में संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे। वे राज्य के कोर ग्रुप के नेताओं के साथ भी बैठक करेंगे, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा होगी।

इससे पहले 2 मार्च को भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पश्चिम बंगाल का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने सिलीगुड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा था। घुसपैठ के मुद्दे को लेकर नितिन नवीन ने कहा था कि जिस तरह से बंगाल बांग्लादेशियों के देश में घुसने का रास्ता बन गया है, उससे हमारे डेमोग्राफिक बैलेंस के बिगड़ने का खतरा है। नितिन नवीन ने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में व्यापार, वाणिज्य और व्यवसाय क्षेत्रों के दिग्गजों से बात करते हुए कहा, बंगाल पहले सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र था, लेकिन इसमें तेजी से गिरावट हो रही है, और इसकी जिम्मेदार राज्य सरकार है, क्योंकि जिस प्रकार से इसको महत्व देना था, इस इलाके को यहां की राज्य सरकार ने महत्व ही नहीं दिया। भारत की अर्थव्यवस्था में पहले बंगाल का 10 प्रतिशत योगदान होता था, जो आज घटकर 5 प्रतिशत पर आ गया है। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यहां की राज्य सरकार की मानसिकता क्या है।

उन्होंने आगे कहा, ममता सरकार में बंगाल आज भ्रष्टाचार और हिंसा का गढ़ बन गया है। जो पश्चिम बंगाल की पहचान थी, ममता सरकार ने उसे मिटाने का काम किया है।

इसी बीच, भाजपा अध्यक्ष ने घुसपैठियों का मुद्दा उठाते हुए कहा, राज्य सरकार बंगाल के लोगों को पलायन करने के लिए मजबूर कर रही है, जबकि बांग्लादेश से आए घुसपैठियों को यहां बसने दे रही है। मतदाता सूची से 50 लाख से ज्यादा नाम हटा दिए गए हैं। यह साफ है कि उन्हें बसाने में किसने मदद की और उन्हें अधिकार दिए।

बता दें कि पश्चिम बंगाल में मतदान 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को दो चरणों में होगा। इसके बाद सभी राज्यों की विधानसभा सीटों पर मतगणना 4 मई को होगी।

# केसी त्यागी रालोद में शामिल

## कहा-अभी भी करते हैं नीतीश का सम्मान

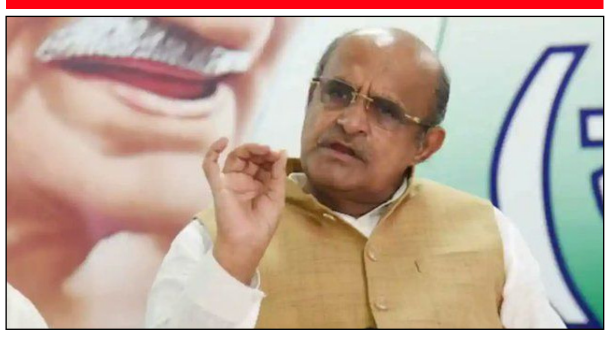

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जनता दल (यूनाइटेड) से हाल ही में त्यागपत्र देने वाले वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में शामिल हो गए। केन्द्रीय मंत्री व रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया।

केसी त्यागी ने साल 2003 में समता पार्टी से होते हुए जद (यू) में कई वरिष्ठ पदों की जिम्मेदारी संभाली थी। वे जद (यू) के मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार रहे। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार के बिहार के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देकर राज्यसभा सदस्य के रूप में केन्द्र में शामिल होने के चलते उन्होंने जद (यू) से किनारा किया। हालांकि उन्होंने जद (यू) छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया।

रालोद में शामिल होने के बाद भी उन्होंने जद (यू) के प्रति कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि वे नीतीश कुमार का पूरा सम्मान करते हैं। जद (यू) और रालोद में समानता है। दोनों ही दल चौधरी चरण सिंह, कपूर्री ठाकुर और राममनोहर लोहिया के विचारों से प्रभावित हैं और उनके आदर्श हैं।

# पश्चिम एशिया के कारण उपजे संकट का मिलकर करना है मुकाबला : मोदी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट को गम्भीर चिंता का विषय बताते हुए सोमवार को कहा कि कच्चे तेल एवं गैस की जरुरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है इसलिए भारत पर इसका असर स्वभाविक है लेकिन इस चुनौती का मिलकर और एकजुटता के साथ मुकाबला करने की जरूरत है।

श्री मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर वक्तव्य देते हुए कहा कि इस संकट के कारण भारत की चिंताएं स्वाभाविक है लेकिन भारत को एकजुट रहकर चुनौतियों का मुकाबला करना आता है। कोरोना संकट के समय की इसी तरह की चुनौती का हमने एकजुट रहकर सामना किया था और अब इस चुनौती का मुकाबला भी उसी तरह एकजुटता से करना होगा।

पश्चिमी एशिया के देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा, इन देशों में हमारे मिशन भारतीयों की मदद में जुटे हैं। प्रभावित देशों में हमारे मिशन लगातार भारतीयों की मदद में लगे हुए हैं। चाहे वहां काम करने वाले भारतीय हों या वहां गए पर्यटक, सभी को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। भारतीय मिशन नियमित रूप से इसको लेकर सलाह जारी कर रहे हैं। भारत और अन्य प्रभावित देशों में 24/7 सहायता कक्ष और आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की गई हैं। इनके माध्यम से सभी प्रभावित लोगों को नवीनतम जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा संकट के समय में भारत और विदेश में भारतीयों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस युद्ध की शुरूआत से ही प्रभावित देशों में रहने वाले प्रत्येक भारतीय को सहायता प्रदान की गई है। मैंने पश्चिम एशियाई देशों के अधिकांश राष्ट्राध्यक्षों से दो बार फोन पर बात की है। सभी ने भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। यह दुखद स्थिति है कि संघर्ष के दौरान कुछ लोगों ने अपनी जान गंवाई है और कुछ घायल हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने युद्धग्रस्त और संघर्ष से प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक व्यापारिक संबंध का जिक्र करते हुए कहा , ह्व जिस क्षेत्र में संघर्ष चल रहा है, वह विश्व के अन्य देशों के साथ हमारे व्यापार का एक महत्वपूर्ण मार्ग भी है। यह क्षेत्र विशेष रूप से कच्चे तेल और गैस की जरुरतों के लिए हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा यह क्षेत्र हमारे लिए इस कारण से भी महत्वपूर्ण है कि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय काम करते हैं। वहां वाणिज्यिक जहाज चलते हैं। भारतीय चालक दल के सदस्यों की संख्या भी बहुत अधिक है। इन विभिन्न कारणों से, भारत की चिंताएं स्वाभाविक रूप से अधिक हैं। इन सब स्थितियों को देखते हुए आवश्यक है कि संसद से इस संकट को लेकर हमारी एक आवाज और आम सहमति दुनिया तक पहुंचे। श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार पश्चिम एशिया की चिंताजनक स्थिति को लेकर लगातार संसद को अवगत करा रही है।

### संसद में पीएम मोदी के बयान पर प्रियंका गांधी ने उठाई चर्चा की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में पीएम मोदी के बयान पर एआईसीसी महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने आज ताजा हालात को लेकर देश को अवगत कराया है। उन्होंने ज्यादा नई बातें नहीं कही हैं। हमने चर्चा के लिए जो नोटिस किया है, उस पर चर्चा होनी चाहिए। सबके पक्ष सामने आने चाहिए। संसद में पीएम मोदी के बयान पर कांग्रेस सांसद प्रणिती शिंदे ने कहा कि हमने चर्चा की मांग की थी। रूलिंग पार्टी हमें चर्चा का अवसर नहीं दे रही है। प्रधानमंत्री ने पढ़कर बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बयान जमीनी स्तर से काफी डिस्कनेक्ट था। एलपीजी की कमी है। एलपीजी को लेकर कैसे डील करने वाले हैं, उसके बारे में नहीं बताया। किसानों के हजारों टन फल होर्मुज स्ट्रेट में अटके हुए हैं। किसान बड़े संकट में हैं। संसद में पीएम मोदी के बयान को लेकर राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि प्रधानमंत्री को इतना वक्त लग गया। कितनी चीजों पर पदार्दारी होगी? ईरान के स्कूल पर हमला किया गया। इस पर हमने कुछ नहीं बोला। नाम तक लेना उचित नहीं समझा। पैनिक के लिए विपक्ष को दोष दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आज तो आप स्वीकार कर रहे हैं। ये पहले होना चाहिए था। पीएम मोदी के संसद में बयान पर भाजपा सांसद एसपी सिंह बघेल ने कहा कि पश्चिम एशिया के संकट को लेकर हरदीप पुरी और विदेश मंत्री जयशंकर ने समय-समय पर वक्तव्य रखे थे। आज पीएम मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया संकट पर भारत की भूमिका और समसामयिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। पीएम मोदी ने उर्जा संकट को दूर करने के लिए विकल्प की तलाश की। लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा कि जहां तक डिप्लोमेसी की बात है भारत की भूमिका स्पष्ट है।

# पश्चिम एशिया में गतिरोध की ओर बढ़ रहा है युद्ध

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ईरान युद्ध अब चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और इसके तत्काल समाप्त होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है।

अब तक के मौजूदा आकलन एवं रिपोर्टों से पता चलता है कि युद्ध वास्तव में एक लंबे और जटिल गतिरोध में बदल गया है, जिसमें सामरिक सफलताओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक गलत आंकलन भी शामिल हैं, विशेष रूप से अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरानी सैन्य क्षमताओं एवं सामर्थ्य के संदर्भ गलत अनुमान लगाया गया था।

अमेरिका और इजरायल दोनों को शायद यह भ्रम था कि अयातुल्ला अली खामेनेई और अन्य ईरानी नेताओं की लक्षित हत्याओं से युद्ध समाप्त हो जाएगा और ईरान जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा, जैसा कि 2025 में ईरानी परमाणु सुविधाओं पर हमले या 2020 में इराक में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के समय हुआ था। हर बार ईरान ने इस तरह की जवाबी कार्रवाई नहीं की, जैसी वह अब कर रहा है।

इसके अलावा, वेनेजुएला में कुछ घंटों तक चले और बिना किसी प्रतिरोध के सफल अभियान के बाद अमेरिका आत्मसंतुष्ट हो गया था। लेकिन इस बार ईरान ने अमेरिका को गलत साबित कर दिया। यही अमेरिका की सबसे बड़ी गलती थी।

हालांकि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ गहन सैन्य अभियान चलाए हैं लेकिन कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिका और इजरायल अति आत्मविश्वास से भरे हुए थे और लापरवाह हो गए। खबरों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्वीकार किया है कि ईरान द्वारा एक साथ कई अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर किए गए हमले ने उन्हें चौंका दिया।

ईरान से 4000 किलोमीटर दूर हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित डिएगो गार्सिया पर ईरान द्वारा किए गए मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल हमले ने युद्ध को एक नया आयाम दिया क्योंकि इससे ईरानी मिसाइलों की लंबी दूरी की मारक क्षमता का पता चला। इसके अलावा, 22 मार्च को दक्षिण दिमोना शहर में इजरायल के परमाणु संयंत्रों पर ईरानी मिसाइल हमले ने इजरायली मिसाइल रक्षा प्रणाली की कमजोरी को उजागर किया। इजरायली अधिकारियों ने कहा कि वे इस बात की जांच करेंगे कि इजरायली इंटरसेप्टर आने वाली मिसाइलों को रोकने में क्यों विफल रहे। ईरानी नेताओं ने बार-बार कहा है कि अगर अमेरिका और इजरायल ईरान में जमीनी सेना भेजते हैं तो उन्हें अप्रत्याशित परिणामों का सामना करना पड़ेगा। जून 2025 और फिर फरवरी 2026 में परमाणु और सैन्य अवसंरचना पर बड़े हमलों के बावजूद, ईरान की सरकार नहीं गिरी जैसा कि कुछ लोगों को उम्मीद थी।

इसके बजाय, तेहरान का रुख और सख्त हो गया। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं का आकलन करने में विफल रहा। ह्यरोरिंग लायनह्व जैसे अभियानों के बाद भी ईरान ने पर्याप्त भंडार बनाकर रखा हुआ है और अमेरिकी ठिकानों और क्षेत्रीय लक्ष्यों पर जवाबी हमला कर रहा है।

सामरिक एवं सैन्य त्रुटियों के अलावा, आर्थिक त्रुटि निस्संदेह अमेरिका और इजरायल की सबसे बड़ी गलती साबित हुई है। ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने और अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले खाड़ी देशों पर हमलों ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को बुरी तरह प्रभावित किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उथल-पुथल मच गई है और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर चुकी है। ईरान के परमाणु संयंत्रों पर 2025 में हुए हमलों के बाद, अमेरिका को लगता था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम कम से कम दो साल पीछे चला गया है। हालांकि, अब रिपोर्टों से संकेत मिल रहा है कि ईरान ने अपने अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम भंडार को कहीं छिपाया हो सकता है। अमेरिकी ठिकानों वाले खाड़ी देशों पर ईरानी हमलों के साथ, युद्ध एक परोक्ष चरण में प्रवेश कर गया है और प्रत्यक्ष हमलों से आगे बढ़कर एक बहु-मोर्चे वाला अपरंपरागत युद्ध बन गया।

# एलपीजी की पैनिक बुकिंग में आई कमी, कालाबाजारी पर भी कसी नकेल : पेट्रोलियम मंत्रालय

**नई दिल्ली।** पिछले तीन सप्ताह में तीन लाख पचास हजार पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए या फिर नए दिए गए हैं। सोमवार को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने डेली मीडिया ब्रीफिंग में संतोष जताया कि एलपीजी की पैनिक बुकिंग कम हुई है और सरकार कालाबाजारी करने वालों की सख्त निगरानी कर रही है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि कच्चे तेल की आपूर्ति पर्याप्त बनी हुई है और रिफाइनरियां सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं, जिससे खुदरा उपलब्धता स्थिर बनी हुई है। पीएनजी और सीएनजी की आपूर्ति प्राथमिकता वाले उपभोक्ताओं के लिए जारी है, जबकि औद्योगिक मांग का लगभग 80 प्रतिशत पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त एलपीजी आवंटन और नीतिगत सहयोग के माध्यम से तीन सप्ताह में लगभग 3 लाख 50 हजार नए घरेलू और वाणिज्यिक पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए हैं।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

**कार्यालय :**
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

**फोन :** 9210761111

**एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में**

## आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

**अतः** भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

### जेवर एयरपोर्ट लोकार्पण की तैयारियों का सीएम योगी ने लिया जायजा

# 28 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन

**दीपक यादव**

**उत्तर प्रदेशः** भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आगामी 28 मार्च 2026 को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर एवं कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण तथा एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और संचालन) का शिलान्यास किया जाना प्रस्तावित है, कार्यक्रम को भव्य एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने नोएडा इण्टरनेशल एयरपोर्ट जेवर पहुंचकर लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियों का गहन स्थलीय निरीक्षण कर मा0 जनर्प्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान मा0 मुख्यमंत्री ने माननीय प्रधानमंत्री जी के अवलोकन के मार्ग और निरिक्षण स्थलों को देखा और साथ ही पैसेंजर टर्मिनल, कार्गो टर्मिनल, रैली स्थल, पार्किंग व्यवस्था, विभिन्न मार्गों, हेलीपैड सहित सभी प्रमुख स्थलों पर की गयी तैयारियों की जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के उपरांत मा0 मुख्यमंत्री ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट स्थित सभागार में मा0 जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में एयरपोर्ट, कार्गो लोकार्पण, एमआरओ शिलान्यास तथा संपूर्ण कार्यक्रम की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था एवं संचालन योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। मा0 मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुये अपने दायित्वों का निर्वहन करें और प्रत्येक कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में मा0 जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों, मीडिया, विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में जनसामान्य की उपस्थिति को देखते हुए व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं प्रभावी हों। कार्यक्रम को भव्य एवं विश्वस्तरीय स्वरूप प्रदान करने के लिए मा0 मुख्यमंत्री ने व्यापक स्तर पर ब्रांडिंग एवं प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक कार्यक्रम की जानकारी पहुंचें।

मा0 मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल से जुड़े सभी मार्गों की सुगमता, साफ-सफाई, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, परिवहन सुविधा, अग्नि सुरक्षा, चिकित्सा सेवाएं एवं साइनेज सहित सभी मूलभूत व्यवस्थाओं को समय से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विभिन्न जनपदों से आने वाले जनसमूहों की सुविधा हेतु पार्किंग में भी मोबाइल शौचालय, हेल्प डेस्क, पेयजल, चिकित्सा सुविधा आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मा0 मुख्यमंत्री जी ने यह भी निर्देशित किया कि जनसमूह के सहयोग हेतु कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए समस्त ब्लॉकों में प्रशासन एवं पुलिस के महिला एवं पुरुष कार्मिकों के साथ वॉलिंटियर्स की पर्याप्त तैनाती की जाए, ताकि किसी को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सभी की उपस्थिति समय से सुनिश्चित की जायें।

बैठक में मा0 मुख्यमंत्री जी ने प्रशासन एवं पुलिस से पॉवर प्रजेटेंशन के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, ट्रैफिक प्रबंधन एवं वैकल्पिक मार्गों की रूपरेखा की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था 04 स्तरीय सुनिश्चित की जायेगी। इस अवसर जनपद के मा0 प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, मा0 क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा सतेन्द्र सिसोदिया, मा0 जिलाध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष भाजपा महेश चैहान, मा0 सांसद डॉ महेश शर्मा, मा0 विधायक जेवर धीरेन्द्र सिंह, मा0 विधायक दादरी तेजपाल नागर, मा0 विधान परिषद सदस्य श्रीचन्द शर्मा, नरेन्द्र भाटी सहित अन्य जनपदों के मा0 जनप्रतिधिगण व अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन दीपक कुमार, सचिव मा0 मुख्यमंत्री अमित सिंह, मंडलायुक्त मेरठ मंडल, मेरठ भानु चंद्र गोस्वामी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना विकास प्राधिकरण राकेश कुमार सिंह, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मेधा रूपम, विशेष सचिव माननीय मुख्यमंत्री ईशान प्रताप सिंह , नॉएडा एयरपोर्ट के नोडल अफसर शैलेन्द्र भाटिया तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

# फरुर्खाबाद में भीषण हादसा ट्रॉली के पोल कार के आर-पार, 5 साल की बच्ची की मौत

**अमर दीप**

**उत्तर प्रदेशः** जिले के इटावा-बरेली हाईवे पर शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसे में एक 5 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी मां और दो बहनें गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह हादसा तब हुआ जब उनकी वैगनआर कार आगे चल रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई, जिस पर बिजली के पोल लदे हुए थे। टक्कर इतनी भयंकर थी कि पोल कार के आगे का शीशा तोड़ते हुए पीछे की डिग्गी से बाहर निकल गए। बिना इंडिकेटर दिए मोड़ा ट्रैक्टर, अंधेरे में हुआ हादसा जानकारी के अनुसार, शमशाबाद थाना क्षेत्र के रोशनाबाद निवासी निहाल खान (30) अपनी पत्नी शबनम (27) और तीन बेटियों - अनविया (5), इनाया (5) और अयात (2) के साथ कार से अपने ससुराल कमालगंज जा रहे थे। निहाल दिल्ली में पेशे से ड्राइवर हैं। उन्होंने बताया कि रात करीब 8 बजे कादरी गेट थाना क्षेत्र के अंतर्गत इटावा-बरेली हाईवे पर उनके आगे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चल रही थी। हाईवे पर काफी अंधेरा था। इसी बीच ट्रैक्टर चालक ने बिना इंडिकेटर दिए अचानक दूसरी सड़क की ओर कट मार दिया, जिससे पीछे से आ रही उनकी कार अनियंत्रित होकर ट्रॉली पर लदे बिजली के पोलों में जा घुसी।

बाल-बाल बचे पिता, ट्रैक्टर चालक फरार हादसे के तुरंत बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर दौड़े और पुलिस को सूचना दी। लोगों ने कार के दरवाजे खोलकर घायलों को बमुश्किल बाहर निकाला और तुरंत लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचाया। डॉक्टरों ने 5 वर्षीय इनाया को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में कार चला रहे पिता निहाल को खरोंच तक नहीं आई, लेकिन उनकी पत्नी शबनम और दोनों अन्य बेटियां बुरी तरह घायल हो गईं। घायल हायर सेंटर रेफर मामले की जानकारी मिलते ही सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय सहित अन्य पुलिस अधिकारी लोहिया अस्पताल पहुंचे। सीओ सिटी ने बताया कि घटना शनिवार रात 8 बजे की है। गंभीर रूप से घायल पत्नी और एक बच्ची की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

# अमृतपुर में तेल-गैस की खोज तेजः कई जगह ड्रिलिंग, सैंपल जांच को देहरादून भेजे गए

**अमर दीप**

**उत्तर प्रदेशः** फरुर्खाबाद जनपद स्थित अमृतपुर तहसील क्षेत्र में इन दिनों पेट्रोलियम पदार्थों की खोज का काम बड़े स्तर पर चल रहा है। केंद्र सरकार के अधीन ऑयल इंडिया प्रोजेक्ट की टीम यहाँ जनवरी महीने से ही सर्वेक्षण और ड्रिलिंग के कार्य में जुटी हुई है। अब तक एक दर्जन से अधिक स्थानों पर बोरिंग की जा चुकी है, जिससे क्षेत्र में कच्चे तेल और गैस मिलने की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। जांच की प्रक्रिया और तकनीक ऑयल इंडिया प्रोजेक्ट के पीआरओ विक्रम दिवाकर के अनुसार, यह एक बहु-चरणीय प्रक्रिया है सैटेलाइट सर्वेः सबसे पहले उपग्रह के माध्यम से संभावित क्षेत्रों की पहचान की जाती है।ग्राउंड सर्वे और ड्रिलिंगः इसके बाद जमीन पर 120 से 180 फीट तक गहरी बोरिंग की जाती है। ब्लास्ट और

वाइब्रेशनः बोरिंग के बाद नियंत्रित ब्लास्ट के जरिए जमीन के अंदर कंपन (Vibration) पैदा किया जाता है, जिससे भूगर्भीय संरचना की जानकारी मिलती है।

सैंपल कलेक्शनः विशेष कैमरों और उपकरणों की मदद से मिट्टी और पत्थरों के सैंपल लिए जाते हैं। नदियों के किनारे विशेष फोकस वर्तमान में यह कार्य विशेष रूप से गंगा और रामगंगा नदियों के तटीय क्षेत्रों में किया जा रहा है। सोमवार को तहसील क्षेत्र के ग्राम हरसिंहपुर गहरवार में बृजकांत दीक्षित के खेत में 120 फीट की बोरिंग कर सैंपल एकत्र किए गए। 44 जिलों का बड़ा प्रोजेक्टयह परियोजना बलिया जनपद में कच्चे तेल की संभावना मिलने के बाद शुरू की गई है। इस बड़े प्रोजेक्ट के दायरे में उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद और कन्नौज सहित करीब 44 जिले शामिल हैं। वर्तमान में अमृतपुर से लिए गए सभी सैंपलों को विस्तृत विश्लेषण के लिए देहरादून स्थित केंद्रीय प्रयोगशाला भेज दिया गया है। विभाग को अब लैब रिपोर्ट का इंतजार है, जिसके बाद ही क्षेत्र में तेल के भंडार की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

# चौकी विवाद में बवाल, पुलिसकर्मियों पर गेट तोड़ने व लूटपाट के आरोप, सस्पेंड की मांग

**छत्र पाल**

**उत्तर प्रदेशः** आज गरीब शक्ति दल के पदाधिकारी ने 16 मार्च को हुए पुलिस चौकी इंचार्ज रणवीर सिंह और दो सिपाही द्वारा संगठन और महिला अधिवक्ता का गेट तोड़ने के साथ-साथ लूटपाट करने के आरोप मे कार्रवाई न होने पर अपना शिकायती पत्र भारत के प्रधानमंत्री के नाम भेजते हुए तथा क्षेत्राधिकारी पुलिस किला के यहां से भी अभी तक कोई ठोस कार्रवाई पुलिस कर्मियों के खिलाफ नहीं होने को देखते हुए आज संगठन प्रमुख मनोज विकेट ने अपने लीगल एडवाइजर संजय सक्सेना एडवोकेट के द्वारा स्थलीय नहीं सरकारी अभिलेखों में चल रही अपने कमरे में पुलिस चौकी को देखते हुए ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट 1882 धारा 106 / 80 सीपीसी के तहत बरेली के एस एस पी, एसपी और थाना सुभाष नगर को नोटिस जारी किया है बताते

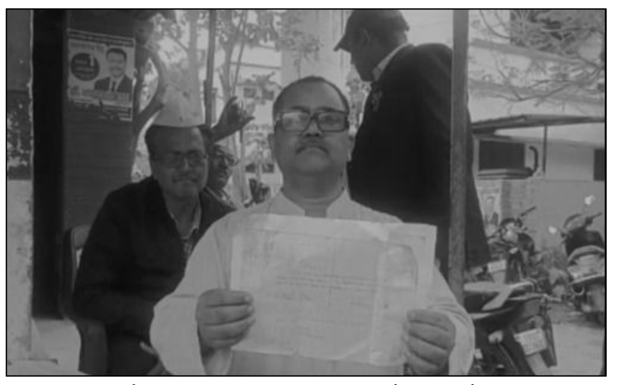

चलें पुलिस चौकी मणिनाथ 15 वर्षों से सड़क पार सरकारी चुंगी में चल रही है चौकी के लिए जो कमरा 1983 में दिया गया था उसका किराया नामा वर्ष 1986 में रद्द हो चुका है,

आखिर क्यों बढा यह विरोध क्या है पूरा मामला मनोज विकेट ने बताया 15 वर्षों से उपरोक्त कमरे की हालत जर्जर थी तो विगत दिनों में रहे चौकी इंचार्ज ने सामने नगर निगम की चुंगी को अपना पुलिस चौकी का चैंबर बनाकर इस कमरे को अपना व मोहल्ले बालों के लिए सदियाल बना दिया जर्जर कमरे का इस्तेमाल सिपाहियों और मोहल्ले वालों के लिए एक अयाशी के अड्डे और सुलभ बनाकर गंदगी फैलाई जा रही थी जिसका मकान मालिक द्वारा विरोध किया गया पुलिस वालों ने उपरोक्त कमरे को अपना प्यासी और गुपचुप तरीके से अवैध वसूली का अड्डा बना रखा था जिसका मकान मालिक द्वारा विरोध किया जा रहा था तथा जर्जर कमरा जो कभी भी सड़क पर गिरने की हालत में मौत को दावत दे रहा है।

जब मरम्मत करने के लिए बलिया लगवाई तो पुलिस चौकी इंचार्ज रणवीर, सिपाही विनय यादव पुलिस वर्दी में अपने दोस्तों के साथ 16 मार्च समय 3:00 बजे अचानक गेट तोड़ घर में घुसकर लूटपाट की तथा महिलाओ को गंदी गंदी गाली देकर झूठे मुकदमे में फंसने की धमकी देते हुए आतंकी हमला किया और फरार हो गए संगठन के पदाधिकारी में इस घटना मैं अभी तक कार्रवाई दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ न होने पर रोष जाते है संगठन के पदाधिकारीयों ने पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों को अपने शिकायती पत्र द्वारा घटना घटना में जल्द से जल्द कार्रवाई कर गेट लगवाने की गुजारिश की है।

# एलपीजी कालाबाजारी पर सख्तीः नोएडा में जांच अभियान, एजेंसियों पर सब कुछ सामान्य

**दीपक यादव**

**उत्तर प्रदेशः** जनपद में एलपीजी गैस के व्यावसायिक उपयोग, कालाबाजारी, अवैध रिफिलिंग एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार संबंधित उपजिलाधिकारी/नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में बांट माप विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों की संयुक्त टीमों का गठन किया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि इसी क्रम में विगत दिवस गठित टीमों द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर जांच की गई। जांच के दौरान नगर क्षेत्र नोएडा के अन्तर्गत संचालित गैस एजेंसी क्रमशः मै० मिथिला गैस

गोदाम, सेक्टर-54 नोएडा, मै० आराधिका भारत गैस गोदाम, सेक्टर-54 नोएडा, मै० गौरव इण्टर प्राईजेज गैस गोदाम, सेक्टर-54 नोएडा, नगर नोएडा स्थित मै० सांई विनय भारत गैस एजेंसी, ग्रेटर नोएडा मै० महालक्ष्मी एच०पी० गैस एजेंसी, ग्रेटर नोएडा एवं तहसील जेवर स्थित मै० जेवर इण्डेन गैस एजेंसी, जेवर की जांच की गयी।

जांच में उपरोक्त गैस एजेंसियों पर एल०पी०जी० गैस सिलेण्डर की उपलब्धता पर्याप्त संख्या में पायी गयी तथा एजेंसियों पर पैसो, वेट तथा मेजरमैन्ट आदि लाईसेंस अद्यतन पाये गये। उक्त के अतिरिक्त जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू गैस सिलेण्डरों की कालाबाजारी रोके जाने हेतु ऐतिहात के तौर पर दो परचून की दुकानों पर छापेमारी की गयी, छापेमारी के दौरान किसी भी दुकान पर घरेलू गैस सिलेण्डर रिफिलिंग से सम्बन्धित कोई सामग्री / छोटे या बडे किसी भी प्रकार के घरेलू गैस सिलेण्डर नहीं पाये गये। उक्त के सम्बन्ध मे सभी दुकानदारों को किसी भी दशा में गैस रिफिलिंग एवं घरेलू गैस सिलेण्डर के भण्डारण न किये जाने के सम्बन्ध में कठोर निर्देश दिये गये। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जनपद में उपरोक्तानुसार जांच अभियान निरंतर संचालित किया जाता रहेगा, ताकि एलपीजी एवं पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण में पारदर्शिता तथा नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

# बरेली में पुलिस चौकी विवाद गरमायाः चौकी इंचार्ज पर गंभीर आरोप, सस्पेंशन की मांग तेज

**छत्र पाल**

**उत्तर प्रदेशः** जनपद बरेली में पुलिस चौकी मणिनाथ को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। गरीब शक्ति दल के पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों ने चौकी इंचार्ज रणवीर सिंह व दो सिपाहियों पर गेट तोड़ने, लूटपाट करने और महिलाओं से अभद्रता करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले में अब तक कार्रवाई न होने पर संगठन ने विरोध तेज कर दिया है।

बताया जा रहा है कि 16 मार्च को हुई घटना के संबंध में संगठन और एक महिला अधिवक्ता ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायत दी थी, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज होकर संगठन प्रमुख मनोज विकेट ने अपने लीगल एडवाइजर संजय सक्सेना एडवोकेट के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री के नाम शिकायती पत्र भेजा है।

इसके साथ ही ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट 1882 की धारा 106 एवं 80 सीपीसी के तहत बरेली के एसएसपी, एसपी और थाना सुभाषनगर को नोटिस जारी किया गया है। किरायानामा रद्द, जर्जर कमरे पर विवाद।

संगठन का आरोप है कि पुलिस चौकी जिस कमरे में संचालित थी, उसका किरायानामा वर्ष 1986 में ही रद्द हो चुका है। यह कमरा करीब 15 वर्षों से जर्जर हालत में है और कभी भी गिर सकता है। आरोप है कि हाल के चौकी इंचार्ज ने सामने नगर निगम की चुंगी में नया चैंबर बना लिया और पुराने कमरे को संदिग्ध गतिविधियोंह्व का अड्डा बना दिया।

मकान मालिक द्वारा विरोध करने पर पुलिसकर्मियों ने कथित रूप से 16 मार्च को दोपहर करीब 3 बजे गेट तोड़कर घर में घुसकर लूटपाट की, महिलाओं से अभद्र भाषा का प्रयोग किया और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। आंदोलन की चेतावनी घटना में कार्रवाई न होने से नाराज संगठन के पदाधिकारियों ने जिला मुख्यालय बरेली पहुंचकर प्रदर्शन किया और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई व सस्पेंशन की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो दो दिन बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान संगठन महामंत्री गिरीश चंद्र सक्सेना, प्रदेश महासचिव संजय सक्सेना एडवोकेट, जिला अध्यक्ष मोहम्मद नासिर, मोहम्मद रफी, मेहंदी हसन, राबिया, चमेली देवी, उषा, सोमवती, यतीश सहाय समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे। फिलहाल पुलिस प्रशासन की ओर से मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

# संस्कार पाठशाला की गूंज हर गांव तकः बच्चों में शिक्षा संग संस्कार का संचार

**रमेश कुमार**

**हरियाणाः** सर्वत्र शिक्षा समिति द्वारा भारत सरकार के मिनिस्ट्री के सहयोग से निःशुल्क संस्कार पाठशालाओ का सफल संचालन किया जा रहा है। रमेश शाक्य ने बताया कि इन पाठशालायो का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और श्रेष्ठ संस्कारों से जोड़ना

है। रमेश शाक्य ने कहा कि इन संस्कार पाठशालाओ की देखरेख राष्ट्रीय काउंसलर धर्मवीर प्रताप सिंह द्वारा की जा रही है, जो निरंतर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

रमेश शाक्य ने कहा कि समिति का लक्ष्य पूरे भारत के प्रत्येक राज्य के हर गांव तक इस पहल को पहुंचाना है। वही साधु बरोका ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में इस पहल से अभिभावकों में भी खुशी का माहौल है, क्योंकि उनके बच्चे शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी ग्रहण कर रहे हैं। रमेश शाक्य ने कहा कि सर्वत्र शिक्षा समिति का यह प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। समिति का उद्देश्य संस्कार पाठशाला की गूंज गांव गांव तक हो।

# ‘खीर सेरेमनी’ के साथ बजट सत्र की शुरूआत

## मुख्यमंत्री ने ‘विकसित और हरित दिल्ली' के संकल्प को दोहराया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को ‘खीर सेरेमनी’ के साथ शुरू हुआ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ‘विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली’ के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह बजट राजधानी के लगभग 3 करोड़ दिल्लीवासियों के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि ‘खीर सेरेमनी’ न केवल बजट प्रक्रिया की पारंपरिक शुरूआत है, बल्कि यह समृद्धि, शुभता और जनकल्याण के संकल्प का प्रतीक भी है, जो आगामी बजट में दिखाई देगा।

‘खीर सेरेमनी’ में मुख्यमंत्री के साथ किसान, स्कूल के विद्यार्थी, शिक्षक, डॉक्टरों, किन्नर समाज के लोग, महिला ड्राइवर, मीडियाकर्मियों ने भाग लिया।

किसानों ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा सहित विधायक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का यह दूसरा बजट दिल्ली के विकास की गति को और तेज करने वाला होगा। यह बजट न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगा, बल्कि दिल्लीवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का माध्यम भी बनेगा। यह बजट एक ऐसे दिल्ली के निर्माण की दिशा में अग्रसर है, जहां नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, उत्कृष्ट शिक्षा, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और स्वच्छ एवं हरित वातावरण में जीवन यापन कर सकें। इस बजट में छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएं, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण और हरित परिवेश को प्राथमिकता दी जा रही है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि ‘विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली’ केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार का स्पष्ट विजन है, जिसके माध्यम से एक सकारात्मक, सुरक्षित और समृद्ध वातावरण तैयार किया जाएगा, जहां आमजन सुख और संतोष के साथ जीवन व्यतीत कर सकें। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद और विश्वास से ही सरकार निरंतर कार्य कर रही है। सरकार 247 जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और हर दिन दिल्ली को और बेहतर बनाने के लिए कार्य करती रहेगी।

## दिल्ली विधानसभा के बाहर आआपा विधायकों का प्रदर्शन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायकों ने सोमवार को विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पार्टी के विधायकों के निलंबन के विरोध में किया गया।

आआपा विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर एक प्रतीकात्मक मार्च निकाला और अपनी बात रखने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग की थी। इस पर आतिशी ने कहा कि जनता द्वारा चुने हुए विधायकों को विधानसभा तक जाने से रोका जा रहा है, सड़क पर बैरिकेड लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने आआपा के विधायकों के निलंबन को लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर हमला बताया।

आतिशी ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है, लेकिन विपक्ष की आवाज को कुचलने के लिए चुने हुए विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार बिजली, पानी अस्पतालों की बदहाली और हालिया अग्निकांड पर बात करने से भाग रही है।

उल्लेखनीय है कि जनवरी में शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में आआपा के चार विधायकों को निलंबित कर दिया गया था।

## जल संकट के समाधान के लिए हो जल आडिट : डा दिनेश शर्मा

### किसानों और नागरिकों पर पड रहे हैं जल संकट के दुष्प्रभाव

- जल संकट के समाधान के लिए दिए चार सुझाव
- जल संकट गंभीर मौसमी चुनौती ही नहीं बल्कि नीतिगत पर्यावरणीय एवं सामाजिक संकट
- टैंकर माफिया पर लगाम लगाने की जरूरत
- भूजल स्तर में सुधार के लिए वर्षा जल संचयन को अनिवार्य करना आवश्यक

**नई दिल्ली-लखनऊ ।** राज्यसभा सांसद एवं यूपी के पूर्व उपमुख्यमंत्री यूपी डा दिनेश शर्मा ने राज्यसभा में शून्य प्रहर के दौरान जल संकट को गंभीर चुनौती बताते हुए इसके समाधान के लिए जल आडिट कराने का सुझाव दिया है जिससे कि जल उपलब्धता , आवश्यकता और प्रबंधन का वैज्ञानिक आंकलन किया जा सके। उनका कहना था कि जल संकट अब केवल मौसमी चुनौती ही नहीं बल्कि एक गंभीर नीतिगत पर्यावरणीय और सामाजिक संकट का रूप ले चुका है। आने वाले समय में यह आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए भी चुनौती बन सकता है। गर्मी जैसे जैसे बढती है देश के अनेक भागों में जल संकट बढने लगता है। पानी की कमी का दुष्प्रभाव किसान पर्यावरण और नागरिकों पर साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने इसके निदान के लिए सरकार को चार महत्वपूर्ण सुझाव दिए है ।

सांसद का कहना था कि देश में भूजल के दोहन की बडी समस्या है और वर्तमान में भूजल दोहन की दर प्राकृतिक पुर्नभरण की क्षमता से अधिक हो चुकी है। ये स्थिति ठीक नहीं है और आने वाले समय में समस्या बडा रूप ले सकती है। हाल यह है कि आज के समय में किसान को सिंचाई के लिए गहरे बोरवेल खोदने के बाद भी सिंचाई के लिए समुचित जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

डा शर्मा ने कहा कि कवि रहीम जी ने कहा था कि "रहिमन पानी राखिये बिन पानी सब सून" और ये पंक्तियां वर्तमान परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करती है। देश के बडे शहरों में तो जल संकट विकराल रूप ले रहा है और गर्मियों में लोगों को पानी की व्यवस्था करने में काफी समय और पैसा भी खर्च करना पड रहा है। टैंकर माफिया तमाम स्थानों पर जल संकट की परिस्थिति का लाभ उठाकर लोगों का आर्थिक शोषण भी करते हैं।

उन्होंने इस संकट के समाधान के लिए चार महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि सबसे पहले पानी के वितरण की व्यवस्था का सुद्दढ नियमन करते हुए टैंकर माफिया पर लगाम लगाई जानी चाहिए। वर्षा जल संचयन की व्यवस्था को अनिवार्य और प्रभावी बनाया जाए जिससे कि भूजल स्तर फिर से समृद्ध हो सके। जिला स्तर पर जल आडिट प्रणाली लागू की जाए जिससे पानी की उपलब्धता , जरूरत और प्रबंधन का वैज्ञानिक आंकलन हो सके। उनका कहना था कि राज्यों के बीच के जल विवाद के समाधान के लिए केन्द्र सरकार की निकरानी में एक ऐसा तंत्र विकसित किया जाए जिससे समस्या का समयबद्ध समाधान हो जाए।

## दिल्ली आर्थिक सर्वेक्षण : सीखने में कमियों वाले साढ़े सात लाख छात्रों की पहचान की गई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में कक्षा एक से आठवीं तक के 7.5 लाख ऐसे छात्रों की पहचान की है, जिनके सीखने में कमियां हैं। सरकार की ओर से पेश आर्थिक सर्वेक्षण में इसव बारे में बताया गया है। सर्वे में बताया गया है कि सितंबर 2025 में किए गए बेसलाइन सर्वे में बुनियादी साक्षरता और अंक ज्ञान में कमियों की पहचान की गई, जो शैक्षणिक हस्तक्षेप का आधार बनीं। सर्वेक्षण के अनुसार छात्रों को शुरूआती, उभरते, प्रगतिशील और कुशल चार वर्गों में वगीर्कृत किया गया है। इसमें मध्य-सत्र परीक्षाओं के बाद कक्षा दूसरी से आठवीं के लिए एससीईआरटी द्वारा विकसित रेडीनेस मॉड्यूल का उपयोग करते हुए हस्तक्षेपों को लागू किया जा रहा है।

**लैंग्वेज लैब स्थापित होंगी**

सर्वेक्षण में बताया है कि 2333 विशेष दाखिला केंद्र स्थापित किए गए हैं। मौजूदा शैक्षणिक सत्र में 100 स्कूलों में डॉ. एपीजे

अब्दुल कलाम लैंग्वेज लैब स्थापित की जा रही हैं। इसमें अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत के अलावा जर्मन, फ्रेंच और स्पेनिश भी सिखाई जाएगी। स्कूली शिक्षा से बाहर रहे 286 बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ा गया है।

**प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग**

सर्वेक्षण के अनुसार महामना पंडित मदन मोहन मालवीय विद्या शक्ति मिशन के तहत प्रतिवर्ष 2,200 विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थित कोचिंग प्रदान की जाएगी, जिसमें 350 सीटें छात्राओं के लिए आरक्षित होंगी। लाल बहादुर शास्त्री छात्रवृत्ति योजना के तहत 34,880 मेधावी छात्रों को प्रति छात्र 2,500 रुपये वितरित किए गए।

**खिलाड़ियों को प्रोत्साहन**

मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं के लिए नगद पुरस्कारों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाकर सात करोड़ रुपये, पांच करोड़ रुपये और तीन करोड़ रुपये कर दी है। वहीं, एशियाई और पैरा-एशियाई खेलों के पदक विजेताओं के लिए प्रोत्साहन राशि बढ़ा दी गई है।

## शौचालय शिकायत पर प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई रद्द, उच्च न्यायालय ने जामिया प्रशासन को लगाई फटकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने जामिया मिलिया इस्लामिया के एक वरिष्ठ प्रोफेसर के खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई को रद्द करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि स्वच्छ शौचालय की मांग एक जायज चिंता है और इसे मौलिक अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए।

**नोटिस और आदेश किए निरस्त**

न्यायमूर्ति संजय नरूला की पीठ ने 1 अगस्त 2025 को जारी कारण बताओ नोटिस, इसके बाद गठित समिति और 2 जनवरी को जारी कार्यालय आदेश को रद्द कर दिया। इस आदेश के तहत प्रोफेसर सुजाता ऐश्वर्या को लिखित माफी मांगने का निर्देश दिया गया था, जिसे अदालत ने अनुचित ठहराया।

**महिला शौचालय की मांग से शुरू हुआ विवाद**

मामला सेंटर फॉर वेस्ट एशियन स्टडीज में अलग महिला शौचालय की मांग से जुड़ा है।

याचिकाकर्ता, जो दो दशकों से अधिक समय से सेवा दे रही वरिष्ठ प्रोफेसर हैं, ने स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला देते हुए यह मांग उठाई थी।

**शिकायत के बजाय कार्रवाई पर उठे सवाल**

अदालत ने पाया कि शिकायत का समाधान करने के बजाय विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी। उन पर अनुशासनहीनता और आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल के आरोप लगाए गए थे, जिसे न्यायालय ने असंगत माना।

**न्यायालय की सख्त टिप्पणी**

पीठ ने कहा कि कार्यस्थल पर स्वच्छता और सम्मान से जुड़ी चिंताएं पूरी तरह वैध हैं, विशेषकर जब कोई महिला कर्मचारी इस प्रकार का मुद्दा उठाती है। ऐसे मामलों में कार्रवाई करने के बजाय समाधान निकालना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

**संवेदनशीलता बरतने की सलाह**

न्यायालय ने विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों से अपेक्षा जताई कि वे इस प्रकार के मामलों में निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ काम करें। अदालत ने कहा कि प्रक्रियागत औपचारिकताओं के नाम पर मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी वास्तविक शिकायतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

**चार सप्ताह में निर्णय का निर्देश**

अदालत ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया है कि वह महिला प्रोफेसर की स्वच्छ शौचालय संबंधी मांग पर चार सप्ताह के भीतर निर्णय ले। न्यायालय ने इसे कर्मचारियों की बुनियादी आवश्यकता बताते हुए कहा कि ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

## विधानसभा में प्रधानमंत्री को दी गई लंबे कार्यकाल की बधाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश में सबसे लंबे समय (8931 दिन) तक सरकार प्रमुख रहने पर सोमवार को दिल्ली विधानसभा में प्रधानमंत्री को बधाई दी गई। बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, दूरदर्शिता और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और समर्पण जैसे मूल्यों को नई पहचान मिली है।

वहीं दिल्ली सरकार के कैबिनेय मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इतने बड़े कार्यकाल में उन पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है। हम चाहते हैं कि वह स्वस्थ रहें और देश की बागडोर संभालते रहे। सांसद रहते हुए मैंने अपने संसदीय क्षेत्र के लिए उनसे अस्पताल और सड़क की मांग की थी। उन्होंने पल भर में दोनों मांगों को पूरा करने के निर्देश जारी कर दिए थे। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता एवं अन्य विधायकों ने भी प्रधानमंत्री को उनके

लंबे कार्यकाल के लिए बधाई दी।

**पालम हादसे के मृतकों के लिए रखा मौन**

बजट सत्र शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने पालम हादसे में मारे गए 9 लोगों के हादसे पर शोक जताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है और भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो, इसके लिए प्रयास किए जाने चाहिए। सदन ने शोक जताते हुए दो मिनट का मौन भी रखा। सत्र के पहले दिन विपक्ष के साथियों ने सत्र का बायकॉट किया। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। जब हमारे विपक्ष के साथियों को पता लगा कि आज पीएसी की रिपोर्ट आ रही है, सीएजी की रिपोर्ट आ रही है और जो पिछले एक साल में सरकार द्वारा कार्य किए गए हैं दिल्ली में उनके बारे में बताया जाएगा और अगला एक साल कैसा रहेगा यह कल हमारा बजट पेश होगा। यह सब से घबरा कर और अपनी गलतियों का सामना नहीं कर पाना। जो उन्होंने चोरियां करी, जो उन्होंने लूट करी दिल्ली में। जब वो सारी रिपोर्ट आ रही है तो उससे बचकर भागना और विधानसभा के परिसर के बाहर में झूठ मूठ का प्रदर्शन करना। मैं मेरे साथियों से विपक्ष के साथियों से कहना चाहता हूं कि हमें दिल्ली में बहुत काम करना है। दिल्ली में बहुत काम करने के लिए बचा हुआ है। पिछले 11 साल में दिल्ली की हालत बहुत खराब हुई। पूरी दिल्ली सरकार, मुख्यमंत्री जी, हमारे सारे मंत्री सदस्य, सारे विधायक अपने अपने क्षेत्रों में अच्छा कार्य हो। हर विभाग द्वारा हर विधानसभा क्षेत्र को बहुत पैसा दिया जा रहा है ताकि अच्छे कार्य हो और अच्छे कार्य होना प्रारंभ हो। इन सब बातों से बचने के लिए आज वो। यहां से भाग कर जा रहे हैं, पीछा छुड़ा रहे हैं। 11 साल उन्होंने ही राज किया। जो हमारे आठ सदस्य होते थे, उनको रोज बाहर निकाल दिया करते थे और आज वो हमें पाठ पढ़ा रहे हैं नैतिकता का। मैं उनसे कहना चाहता हूं, मेरा उनसे विनम्र निवेदन है विपक्ष के साथियों से कि आप सदन की कार्यवाही में भाग लें, हिस्सा लें। अगर सरकार की कोई कमियां हैं तो उनको बताएं। दिल्ली की जनता को बताएं। मगर ऐसे भाग कर अपनी चोरियों को छिपाने के लिए यहां से भाग कर कहां जाएं। दिल्ली की जनता ने बहुत सारा पैसा खर्च होता है चुनाव में। दिल्ली की जनता ने उनको जीता कर भेजा। हमको जीता कर भेजा। यह हमारी जिम्मेदारी बनती है। यह हमारा कर्तव्य बनता है कि हमें दिल्ली की जनता के प्रति जवाबदेही। हमको उनको जवाब देना है कि हम क्या क्या कार्य करें और यह सारे जवाब देने के लिए विधानसभा सत्र से अच्छी जगह कोई और हो नहीं सकती। वैसे तो हम उनसे मिलते रहते हैं, वह हमसे बात भी करते रहते हैं, अपनी बातें भी बताते रहते हैं। हम उनके काम भी करते हैं। मगर जहां पर जनता के प्रति जवाबदेही देने की बात आती है, वहां पर वो उससे भागते हैं। तो अगर वह हमसे सवाल पूछेंगे तो सवाल हम भी पूछेंगे कि 11 साल में जो आपने किया है, उसके बारे में भी आपको उसका जवाब देना पड़ेगा। तो मैं एक बार पुनः उनसे कहना चाहता हूं कि कृपया सदन की कार्यवाही में हिस्सा लें। कल एक बार फिर से सरकार का दूसरा बजट आ रहा है। पहला बजट 1 लाख करोड़ रुपए का, जिसमें बहुत अभूतपूर्व काम हुए हैं और बहुत सारे कामों की नींव रखी गई है। कल एक बजट हमारा और आ रहा है। मुख्यमंत्री जी पेश करेंगी।

## एक नजर

### जहांगीरपुरी में सफाई व्यवस्था बदहाल, लोगों में नाराजगी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जहांगीरपुरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से वार्ड संख्या 18 के आई और जे ब्लॉक में गंदगी का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम एल भास्कर ने बताया कि इलाके में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं और नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण जलभराव तथा कीचड़ की समस्या बनी रहती है। इसके चलते लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है और उन्हें नारकीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गलियों में जमा गंदा पानी बदबू फैलाने के साथ-साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रहा है। वहीं, आवागमन में भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एम एल भास्कर ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित सफाई नहीं की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और क्षेत्रीय निगम पार्षद पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि क्षेत्र में तत्काल सफाई अभियान चलाकर नालियों की सफाई कराई जाए और कूड़े के ढेरों को हटाया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

### कांग्रेस का तंज- पिछले बजट की आधी राशि भी खर्च नहीं कर सकी रेखा सरकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बजट सत्र से पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कछुआ की चाल की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पिछले बजट में की गई घोषणाओं की वास्तविक स्थिति को सामने रखते हुए कहा कि दिल्ली के विकास के लिए योजनाओं, परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए निर्धारित 57,850 करोड़ रुपये के बजट में से आधे के बराबर लगभग 43 प्रतिशत राशि खर्च ही नहीं की जा सकी। उन्होंने कहा कि इससे रेखा गुप्ता सरकार की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक क्षमता पर गंभीर सवाल खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद, पिछले बजट भाषण में घोषित योजनाओं के लिए दिल्ली को केंद्र सरकार से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलना चिंताजनक रहा है। देवेंद्र यादव ने कहा की इस बार के बजट में भी बीजेपी की दिल्ली सरकार के द्वारा लोक लुहावने वायदे किए जाएँगे ताकि जनता इनकी पिछले एक वर्ष की नाकामियों को भूल जाएं। उन्होंने बताया कि अप्रैल, 2025 से फरवरी 2026 तक के सेक्टर-वार व्यय के अनुसार योजनाओं एवं परियोजनाओं पर केवल 33,234 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए, जो संशोधित बजट का मात्र 57.45 प्रतिशत है। इससे साफ हो गया है कि सरकार अपने ही घोषित बजट को धरातल पर लागू करने में चौतरफा विफल रही।

### आर्थिक सर्वेक्षण: सरकार 16 नए फुट ओवरब्रिज का निर्माण कराएगी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में तेजी से बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के बीच पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार वित्त वर्ष 2026-27 में 16 फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का निर्माण करेगी। आर्थिक सर्वेक्षण में इस बात पर जोर दिया गया कि पैदल यात्रियों के वाहनों की चपेट में आने से रोकने के लिए एफओबी का निर्माण अत्यंत जरूरी है। दावा किया है कि इनके बनने के बाद वाहनों व पैदल यात्रियों की आवाजाही सुगम व सुरक्षित होगी। इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। यहां पर होगा निर्माणफुट ओवरब्रिज का निर्माण हौज खास, श्री अरबिंदो मार्ग, गुरुद्वारा मजनू का टीला, रोड नंबर 45, मोनेस्ट्री मार्केट बुद्ध विहार, रिंग रोड, मंदिर गेट-आरआरआरसी से ट्रेनिंग एरिया, रिंग रोड, मोनेस्ट्री मजनू का टीला (पेट्रोल पंप के पास), रोड नंबर 45, आईटी पार्क, ईस्टर्न अप्रोच रोड, समयपुर बादली, रोहतक रोड पर उद्योग नगर मियावाली के पास, नंद नगरी बस डिपो के पास, आनंद विहार आईएसबीटी के पास चौधरी चरण सिंह मार्ग पर, रिंग रोड पर हनुमान मंदिर (मरघटवाले बाबा मंदिर) के पास, वेलकम में मेट्रो व द्वारकाधीश मंदिर के पास, उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन, पंखा रोड (मेट्रो पिलर 638), कीर्ति नगर में मोमेंट मॉल के सामने, कैप्टन गौर मार्ग पर ओखला सब्जी मंडी के पास, बिरला विद्या निकेतन क्रॉसिंग, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग (बीआरटी कॉरिडोर) पर किया जाएगा।

### जेएनयू से एमबीए में दाखिला लेने के लिए पंजीकरण 31 मार्च तक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के अटल बिहारी बाजपेयी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एबीवीएसएमई) द्वारा संचालित किए जाने वाले मास्टर ऑफ बिजनेस ऐडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) में इस साल (बैच 2026-28) दाखिले के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए जरूरी पंजीकरण हेतु आखिरी तारीख 31 मार्च है। एडमिशन कोऑर्डिनेटर डॉ ब्रजेश कुमार तिवारी ने बताया कि एबीवीएसएमई ने एमबीए का अपना पहला बैच 2019 में शुरू किया था और स्कूल के पांच पासआउट बैच के पूर्व छात्र कई बड़ी कंपनियों के साथ जुड़े हुए हैं और कुछ अपने स्वयं के उद्यम चला रहे हैं। जेएनयू एमबीए प्रवेश 2026 के लिए उम्मीदवारों का चयन कैट स्कोर (70 फीसद वेटेज), ग्रुप डिस्कशन (10 फीसद वेटेज) और पर्सनल इंटरव्यू (20 फीसद वेटेज) पर आधारित होगा।

### ‘ढाई आखर’ में सजेगा साहित्य, कला और विचारों का संगम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी के हिंदी भवन में 27 से 29 मार्च तक तीन दिवसीय साहित्य उत्सव ‘ढाई आखर’ का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन हिंदी भाषा, साहित्य, कला, संगीत और रंगमंच से जुड़े रचनाकारों को एक मंच पर लाएगा, जहां समकालीन मुद्दों पर संवाद और विचार-विमर्श होगा। इस कार्यक्रम के संयोजक कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज के हिंदी के प्राध्यापक रूपेश शुक्ला ने बताया कि इसका आयोजन हिंदी भवन व अन्य संस्थान मिलकर कर रहे हैं। इस उत्सव का उद्देश्य हिंदी की समृद्ध परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ना और विरासत से भविष्य तक संवाद स्थापित करना है। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देशभर के साहित्यकार, कवि, लेखक, पत्रकार, कलाकार और रंगकर्मी भाग लेंगे। यह मंच न केवल अभिव्यक्ति का अवसर देगा, बल्कि हिंदी साहित्य की वर्तमान दिशा और भविष्य पर भी गंभीर चर्चा का केंद्र बनेगा।इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और उत्सव का उद्घाटन करेंगे। वहीं प्रसून जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इसमें सिने जगत के सुधीर मिश्रा, चित्तरंजन त्रिपाठी सहित अन्य कई जाने माने लोग उपस्थित होंगे।उत्सव में अशोक वाजपेयी, नंदकिशोर आचार्य, अरुण कमल, उदय प्रकाश, ममता कालिया और अनामिका जैसे वरिष्ठ साहित्यकारों के साथ युवा रचनाकार भी अपनी भागीदारी दर्ज कराएंगे। इसके अलावा रंगमंच और संगीत की विशेष प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान दास्तानगोई, कबीर गायन और ‘बिदेसिया’ लोकनाट्य का मंचन भी किया जाएगा।

# सोशल मीडिया विज्ञापनों के जरिए ठगी के मामलों पर चेतावनी, कई राज्यों में फ्रेंचाइजी फ्रॉड सामने आए

**अरविंद कुमार दुबे**

**मध्य प्रदेशः** आजकल सोशल मीडिया और और अन्य विज्ञापनों के माध्यम से आकर्षक विज्ञापन बनाकर लोगों को आकर्षक निश्चित मासिक आय बताकर रोजगार और व्यापार का झांसा देकर कंपनियां कर रही है लोगों के साथ व्यापारिक ठगी। पहला मामला बिहार पटना से है, जिसमें एम. के.जी लॉजिस्टिक कंपनी के संचालक मनजीत कुमार ने सोशल मीडिया पर लॉजिस्टिक्स फ्रेंचाइजी का आकर्षक विज्ञापन डालते हुए. 50000 की निश्चित मासिक आय बताकर लॉजिस्टिक व्यापार एग्रीमेंट करके ?100000 की राशि जमा करने को कहा गया, जिसमें भारत के सभी राज्यों से लोगों ने अपने-

अपने पैसे फ्रेंचाइजी के लिए दिए और 3 सालों में अभी तक ना ही लोगों के पैसे लौटे और ना ही व्यापार शुरू हुआ। दूसरा मामला भोपाल से है इसमें ऐसे ही कुछ लुभावने विज्ञापन सोशल मीडिया पर डालकर अयान एक्सप्रेस लॉजिस्टिक इसके संचालक बख्तियार अहमद ने पूरे मध्य प्रदेश के सभी जिलों से फ्रेंचाइजी पार्टनर बनाए और उनसे डेढ़ लाख रुपए में फ्रेंचाइजी देकर. एग्रीमेंट किया पर इस कंपनी को भी 3 साल हो गए हैं अभी तक ना ही किसी के पैसे लौट आए और ना ही काम चालू हुआ।

तीसरा मामला उदयपुर राजस्थान से है जिसमें पिन कोड कार्ड कंपनी के संचालक नरेश सैनी द्वारा सोशल मीडिया पर लॉजिस्टिक्स फ्रेंचाइजी का विज्ञापन डाल गया.. इसमें भी भारत के सभी राज्यों के जिलों से सभी ने 100000 देकर फ्रेंचाइजी का एग्रीमेंट किया... और अब सभी फ्रेंचाइजी पार्टनर का कहना है। 6 माह से अभी तक कोई काम चालू नहीं हुआ है। हब का किराया एवं अन्य खर्च मिलाकर 6 माह में लगभग ढाई लाख रुपये अभी तक खर्च हो चुके हैं। और अभी भी काम चालू नहीं हुआ है। ऐसे और भी अन्य मामले हैं जिसमें लोगों ने आकर्षक विज्ञापन देखकर अपने पैसे गवा दिए। भारत में रोज लगभग साइबर क्राइम के 600 मामले सामने आते हैं। इसमें सबसे ज्यादा मामले व्यापारिक ठगी से है।

# प्रतापगढ़ में सनसनीखेज हत्याकांड लापता पूर्व प्रधान का शव नहर में मिला, अवैध संबंध बना है

**पवन तिवारी**

**उत्तर प्रदेशः** जिले में सनसनीखज वारदात सामने आई है, जहां पूर्व प्रधान गुलहसन उर्फ मुन्ना (50) की हत्या अवैध संबंधों के चलते कर दी गई। पांच दिन से लापता पूर्व प्रधान का शव रविवार सुबह शारदा सहायक नहर में बोरे में बंद मिला। पुलिस ने मामले में एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या का जुर्म कबूल कर लिया। बताया जा रहा है कि मिश्रपुर मुस्तरका मानधाता निवासी गुलहसन 18 मार्च को बाइक से घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। दो दिन तक कोई सुराग न मिलने पर परिजनों ने मानधाता थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। तीसरे दिन उनकी बाइक मऊआइमा क्षेत्र

के महरोड़ा के पास संदिग्ध हालत में मिली, जिस पर हेलमेट और चाबी भी रखी थी।

इसी बीच रविवार सुबह सुमेरपुर के पास शारदा सहायक नहर में एक बोरे में बंद शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान गुलहसन के रूप में की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उनकी हत्या किसी भारी वस्तु, संभवतः रॉड से पीटकर की गई है। जांच के दौरान पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड (उऊफ़) खंगाला, जिसमें एक महिला का नंबर सामने आया, जिससे मृतक की अंतिम समय में कई बार बातचीत हुई थी। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। महिला ने बताया कि पूर्व प्रधान के साथ उसके अवैध संबंध थे और वह उसे लगातार परेशान कर रहा था। इसी से तंग आकर उसने अपने भाई और एक अन्य साथी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव को नहर में फेंक दिया।

घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैली हुई है। मृतक की दो पत्नियों से कुल 18 बच्चे हैं, जिससे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। एएसपी पूर्वी शैलेंद्र लाल ने बताया कि गुमशुदगी के मामले को हत्या में परिवर्तित किया जा रहा है। मुख्य आरोपित महिला को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

# मां-बेटे की अंतिम यात्रा में उमड़ा दर्द, बेरहमी से हत्या के बाद गांव में मातम

**प्रशांत**

**उत्तर प्रदेशः** मां बेटे की अंतिम यात्रा, दो दिन पूर्व दरिंदो ने बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया था। अगल बगल लेटे यह मां बेटे पैदा होने से बड़ा होने तक कभी मां का साथ नहीं छोड़ा।

आज आखिरी सफर पर जब मां बेटे की अर्थी निकली तो करुण क्रंदन ने वहां मौजूद लोगों की आँखें नम कर दी। अंतू थाना क्षेत्र के पारा हमीदपुर गांव में बेरहमी से सर कुचलकर शिवपति और उसके बेटे औरभ मौर्य (13) की दरिंदो ने हत्या कर दी थी। काफी मान मनौव्वल के बाद परिजन शवों के अंतिम संस्कार को हुए राजी। पत्नी बेटे के शव से लिपट रोते हुए पति की मानो दुनियां ही उजड़ गई। शव यात्रा का दृश्य बेहद हृदय विदारक रहा। सभी ने एक स्वर में इस के घटना के दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की। मौके पर सीओ सिटी प्रशांत हुड्डा अंतू थाना प्रभारी अभिषेक सिरोही समेत भारी पुलिस बल मौजू। सदर विधायक राजेंद्र मौर्य के पुत्र आशीष मौर्य, विधायक प्रतिनिधि अरुण मौर्य कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी ने परिजनों को न्याय दिलाने के लिए किया आश्वस्त।

# सादगी में सजी शादी सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति का अनोखा विवाह चर्चा में

**पवन तिवारी**

**उत्तर प्रदेशः** बॉलीवुड अभिनेता Sushant Singh Rajput के परिवार से जुड़ी एक खास खबर इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है। उनकी बहन Shweta Singh Kirti की सादगी भरी शादी ने लोगों का ध्यान खींच लिया है। इस शादी में न तो ढोल-नगाड़ों का शोर था और न ही किसी खास मुहूर्त की चिंता। परिवार ने बेहद सादे और भावुक माहौल में यह समारोह आयोजित किया। बताया जा रहा है कि शादी को पारंपरिक तामझाम से दूर रखते हुए इसे सादगी और पारिवारिक माहौल में रखा गया। करीबी रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में यह रस्में पूरी की गईं। यही वजह है कि यह शादी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई।

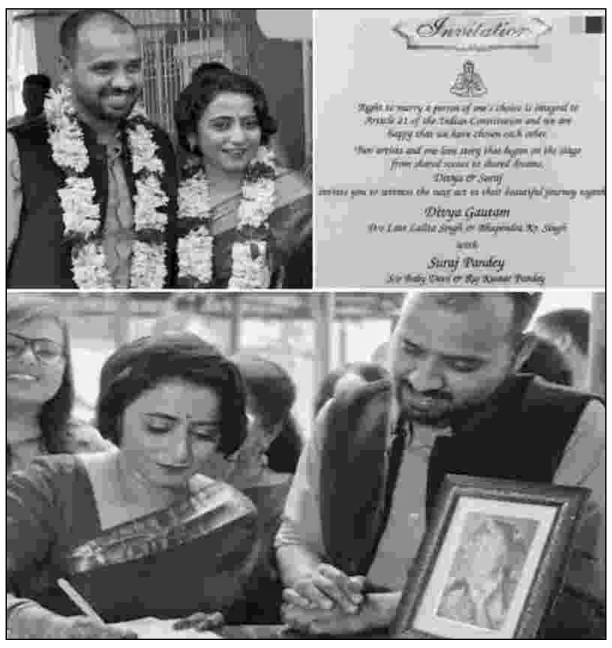


इस शादी की एक और खास बात इसका निमंत्रण कार्ड रहा। कार्ड को भी काफी अलग और सादगी भरे अंदाज में डिजाइन किया गया था। इसमें दिखावे के बजाय भावनाओं और परिवार की खुशियों को महत्व दिया गया। यही कारण है कि कार्ड की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गईं और लोगों ने इस अनोखे अंदाज की खूब तारीफ की। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने लिखा कि आज के दौर में जहां शादियों में करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, वहीं इस तरह की सरल और दिल से की गई शादी एक अलग मिसाल पेश करती है। दरअसल, Sushant Singh Rajput के परिवार को उनके फैंस हमेशा से काफी करीब मानते हैं। ऐसे में परिवार की हर छोटी-बड़ी खबर लोगों की दिलचस्पी का विषय बन जाती है। इस सादगी भरी शादी ने एक बार फिर लोगों का दिल जीत लिया है।

## एक नजर

### मुर्शिदाबाद के सामशेरगंज में पुलिस अधिकारियों का फ्लैग मार्च, शांतिपूर्ण मतदान की अपील

**सुभाष शर्मा/वेस्ट बंगालः** पश्चिम बंगाल के में चुनाव की घोषणा होने के बाद चुनाव पक्रिया में जुड़ गए हैं सारे नेता कर्मी। इधर सुरक्षा को लेकर इलाके में सेना के जवान दिन-रात गस्त लगाते रहते हैं ताकि किसी भी प्रकार की कोई गड़बड़ी ना हो सके। बंगाल में २३ अप्रैल और २९ अप्रैल दो दफा में चुनाव प्रक्रिया होनी है। इधर सामशेरगंज थाना प्रभारी सुब्रतो घोष और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सजल कांति विश्वास इलाके का दौर में निकाल गए हैं। धूलियान टाउन के हर गली हर मोहल्ला में यहां तक की पूरे इलाके में गस्त लगाते रहते हैं। बृहस्पतिवार इन्होंने इलाके का दौरा किया और लोगों से जाकर मिले उनके साथ बातचीत की उनकी समस्या को सुने और हर तरह का सहायता देने का आश्वासन दिया ताकि हर व्यक्ति शांतिपूर्वक मतदान दे सके।

### मुर्शिदाबादमें बाल्टी में मिले 20 से अधिक जिंदा बम, इलाके में मचा हड़कंप

**सुभाष शर्मा/वेस्ट बंगालः** सामशेरगंज पुलिस स्टेशन के अन्तर्गत लश्करपुर आम बगीचे के पास से ताजा बम बरामद किया गया। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, दोगाछी नोआपारा पंचायत के अंतर्गत लश्करपुर आम के बगीचे के पास सोमवार सुबह स्थानीय कुछ लोगों ने एक प्लास्टिक के बाल्टी को संदेहजनक हालत में देखा। नजदीक जाकर देखते ही पता चला की बाल्टी में बम रखा हुआ है। फौरन लोगों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन को खबर दिया। मौके पर पहुंचकर सामशेरगंज थाने के पुलिस ने बम को अपने कब्जे में लिया और बम निरोधक दस्ते को खबर दिया। चुनाव के पहले इतने सारे सक्रिय बम बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। लोगों का कहना है की, बाल्टी में २० से अधिक बम रखा हुआ था। इस घटना के बाद सामशेरगंज थाने के पुलिस सक्रिय होकर पूरी तरह से तहकीकात में जुट गई की, चुनाव के पहले इतने सारे बम किस कारण बस यहां मौजूद किया गया था।

# चंडिका देवी धाम में 501 कन्याओं का पूजन व विशाल कन्या भोज का आयोजन

**प्रशांत**

**उत्तर प्रदेशः** चंडिका देवी धाम में विशाल कन्या भोज के आयोजन में 501 कन्याओं को कराया गया भोजन नवरात्रि का पावन समय सिद्धपीठ मां चंडिका देवी धाम का दिव्य स्थान, कन्याओं के पूजन भोजन प्रसाद दान कार्यक्रम का विशाल आयोजन इस विशाल कार्यक्रम के आयोजनकर्ता ब्रह्मदेव जागरण मंच की तरफ से हुए इस दिव्य भव्य कार्यक्रम में आस्था भक्ति श्रद्धा की दिखाई पड़ी अनुपम छटा। कन्याओं का विधि विधान से पूजन कर भोजन पात्र दक्षिणा आदि का विधिवत दान कर उपस्थित जनसमूह ने लिया

कन्याओं का आशीर्वाद

ब्रह्मदेव जागरण मंच के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र नारायण तिवारी की अगुवाई में हुए इस कार्यक्रम में सांडवा चंडिका के ब्लॉक अध्यक्ष विजयराज ओझा, उपाध्यक्ष श्याम जी मिश्रा, आशीष मिश्रा ने निभाई सक्रिय भूमिका। कार्यक्रम में शिवप्रकाश मिश्रा सेनानी महेश मिश्र, अभिषेक त्रिपाठी, विष्णु तिवारी, विजय पाठक, महेंद्र मिश्रा, शिवशंकर त्रिपाठी, हरिशंकर मिश्र, चंद्रप्रकाश पांडे, नारद पाठक, संतोष पाठक समेत बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद।

# आयकर विभाग ने चंडीगढ़ में शहीदी दिवस का आयोजन किया

**चंडीगढ़।** प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, उत्तर-पश्चिम क्षेत्र, अशोक कुमार सरोहा के संरक्षण में आयकर विभाग द्वारा एनआईटीटीटीआर सभागार, सेक्टर-26, चंडीगढ़ में शहीदी दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया।इस अवसर पर विभाग द्वारा क्षेत्र के उन शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। मेजर अनुज राजपूत, कैप्टन सतीश चंद्र सहगल, कैप्टन रमेश चंदर शर्मा, लांस नायक हरचंद तथा लांस नायक विक्रम सिंह के अदम्य साहस एवं बलिदान को गहरी श्रद्धा एवं कृतज्ञता के साथ स्मरण किया गया।

कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें मुख्य आयकर आयुक्त, पंचकूला एवं शिमला, सुश्री विदिशा कालरा, आई.आर.एस.; महानिदेशक आयकर (अन्वेषण), सुश्री वत्सला झा, आई.आर.एस.; मुख्य आयकर आयुक्त, अमृतसर, डॉ. जी. एस. फणी किशोर, आई.आर.एस.; तथा मुख्य आयकर आयुक्त (ओएसडी), सुश्री कोमल जोगपाल, आई.आर.एस. शामिल थीं।

शहीदों के परिजनों को विभाग की ओर से सम्मान एवं कृतज्ञता के प्रतीक स्वरूप विशेष रूप से निर्मित स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सतलुज पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देशभक्ति गीतों की समूह एवं एकल प्रस्तुतियाँ दी गईं।

इसके अतिरिक्त, चंडीगढ़ के प्रख्यात नाट्य समूह "मंथन" द्वारा भगत सिंह एवं अन्य स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर को चिह्नित करते हुए, पूर्वाह्न में आयकर भवन, चंडीगढ़ एवं पंचकूला में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। ये शिविर पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (निफा), श्री राकेश कुमार सांगड़ के नेतृत्व में, तथा श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री पूनम राय, आई.आर.एस. द्वारा किया गया तथा इसमें विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

# आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़मूल से समाप्त करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

- देश की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सांझा दायित्व – मुख्यमंत्री

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़मूल से समाप्त करने की दिशा में निरन्तर आगे बढ़ रही है। दंतेवाड़ा जैसी घटनाएं हमें यह याद दिलाती हैं कि यह लड़ाई अभी जारी है, लेकिन हमारे बहादुर जवान हर चुनौती का सामना करने के लिए सदैव तैयार हैं। हरियाणा वीरों की भूमि है, यहां के युवाओं में देश सेवा का जज्बा कूट कूट कर भरा हुआ है।

मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में होम डेवलपर्स एसोसिएशन द्वारा छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ के शहीद जवानों के सम्मान में आयोजित शहीदी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने लेजरवली पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा लगाने की घोषणा की। उन्होंने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर हरियाणा के सैनिक एवं अर्द्ध सैनिक कल्याण, उद्योग, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, सोहना विधायक तेजपाल तंवर, मेयर राजरानी मल्होत्रा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सीआरपीएफ जवानों के कल्याण स्वरूप सीआरपीएफ के डीआईजी श्री परम् शिवम को 38.25 लाख रुपये की राशि का चैक प्रदान किया। गुरुग्राम होम डेवलपर्स द्वारा एकत्रित यह धनराशि सीआरपीएफ के शहीद जवानों के परिवारों के कल्याण में इस्तेमाल की जाएगी। कार्यक्रम में पहुँचने पर एसोसिएशन के प्रधान नरेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सच्चा देशभक्त वही है, जो राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दे। उन्होंने संगठन की सेवा के दौरान छत्तीसगढ़ से जुड़े अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि वे दंतेवाड़ा की सामाजिक व भौगोलिक परिस्थितियों से वाकिफ हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प लिया है कि वहां से आतंकवाद जड़ से खत्म करेंगे।

उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है तथा उनके बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

युवाओं का आह्वान, कि वे शहीदों के जीवन आदर्शों से लें प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्लराष्ट्र प्रथमह्व का मंत्र आज देश की दिशा तय कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत अपनी सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी मजबूत हुआ है। सुरक्षाबलों के मनोबल को बढ़ाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका सैनिकों को पूरा लाभ मिल रहा है ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम उन वीरांगनाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने जीवन का सबसे बड़ा सहारा खो दिया, लेकिन फिर भी साहस के साथ आगे बढ़ रही हैं। शहीदों का बलिदान हमें सिखाता है कि जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य ही राष्ट्र सेवा है।

# दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हो रहा समान विकास : डा. कृष्ण मिड्ढा

**जींद, एजेंसी।** हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा है कि वर्तमान केंद्र एवं प्रदेश सरकार दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रदेश में समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग को बिना किसी भेदभाव के लाभ मिल रहा है।

डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा रविवार को गांव झांज खुर्द की चैपाल में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसके साथ साथ उन्होंने झांज खुर्द, झांज कलां, बड़ौदी, बरसोला, दरियावाला, ढांडा खेड़ी, जाजवान, ईंटलखुर्द, ईंटल कलां, ईक्कस तथा जलालपुर खुर्द सहित कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को पांच अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जींद में प्रस्तावित रैली में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है ताकि हर नागरिक को चिकित्सा, शिक्षा एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं सहजता से मिल सकें। सामुहिक विकास के लिए मौजूदा राज्य सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है।

डिप्टी स्पीकर ने कहा कि जींद विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और प्रत्येक गांव में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। विकास कार्यों को राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठा कर प्राथमिकता दी गई है, जिससे हर वर्ग को समान अवसर मिल सके। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि गांवों में लंबित विकास कार्यों के अस्टीमेट शीघ्र तैयार कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जाएगा।

डा. मिड्ढा ने कहा कि गांवों का विकास भी शहरी तर्ज पर किया जा रहा है। गांवों में सड़कों, पेयजल, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

## नागरिकों व पावर प्लांटों पर हमले और होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर : मोदी

# अब 41 देशों से आ रहा तेल और गैस

- पहले 27 देशों से होता था आयात

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और इसके तत्काल समाप्त होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। ये युद्ध वास्तव में एक लंबे और जटिल गतिरोध में बदल गया है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में पहली बार इस पर सार्वजनिक रूप से बोलते हुए कहा कि तनाव खत्म होना चाहिए और बातचीत से समस्या का समाधान निकालने का आग्रह किया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध में नागरिकों और पावर प्लांट पर हमला मंजूर नहीं हैं और होमुर्ज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा।

पीएम मोदी ने तेल और गैस संकट पर देश को आश्वस्त करते हुए कहा कि देश में अब 27 की जगह 41 देशों से तेल और गैस आयात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। तेल-गैस संकट पर उन्होंने कहा कि अब देश में 65 लाख मीट्रिक टन की रिजर्व की व्यवस्था पर काम जारी है।

सरकार अलग-अलग देशों के आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क में है। प्रयास है जहां से संभव हो वहां से सप्लाई होती रहे। तेल, गैस, फर्टिलाइजर से जुड़े जहाज भारत तक सुरक्षित पहुंचे, इसके लिए सहयोगियों से संवाद जारी है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे पास पर्याप्त अन्न भंडार है। आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम हैं।

पीएम ने कहा कि कोस्ट सिक्योरिटी हो, बॉर्डर सिक्योरिटी हो, साइबर सिक्योरिटी और स्ट्रैटेजिक इंस्टॉलेशन हो, सबकी सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हमें एकजुट रहना होगा।

### अमेरिका-ईरान में शांति समझौते को लेकर बातचीत शुरू : डोनाल्ड ट्रंप

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** पश्चिम एशिया में सबसे बड़े संकट की वजह बने युद्ध को रोकने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत शुरू हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया। ट्रंप के मुताबिक, पिछले 2 दिन में ईरान और अमेरिका के अधिकारियों ने शांति समझौते को लेकर बातचीत की है। ट्रंप ने कहा कि इसी वजह से अगले 5 दिन तक वाशिंगटन ईरान के किसी भी ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करेगा। हम उम्मीद करते हैं कि इस सप्ताह के अंत तक समझौता हो जाएगा।

### अमेरिका ने ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए तो अंजाम भुगतना होगा : ईरान

- होर्मुज को बंद करने की बात नकारी

**तेहरान (एजेंसी)।** ईरान की मुख्य सैन्य कमान 'खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर' ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ईरान के पावर प्लांट्स पर हमला करता है, तो जिन देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं, वहां के पावर प्लांट्स भी निशाने पर लिए जाएंगे। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की पावर इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने की धमकी दी थी। बयान में कहा गया कि होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह बंद नहीं किया गया है और यह ईरान के 'स्मार्ट नियंत्रण' में है। यहां से सामान्य जहाजों की आवाजाही तय नियमों के तहत जारी है, ताकि देश की सुरक्षा और हित सुरक्षित रहें। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका अपनी धमकी पर अमल करता है, तो वह तुरंत कड़े कदम उठाएगा। इनमें सबसे बड़ा कदम होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह बंद करना होगा, जो तब तक बंद रहेगा जब तक ईरान की क्षतिग्रस्त फैसिलिटी का पुनर्निर्माण नहीं हो जाता। इसके अलावा ईरान ने कहा कि वह इजराइल की बिजली, ऊर्जा और संचार व्यवस्था पर बड़े स्तर पर हमले कर सकता है। साथ ही, उन क्षेत्रीय कंपनियों को भी निशाना बनाया जा सकता है जिनमें अमेरिकी पूंजी लगी है और उन देशों के पावर प्लांट्स पर भी हमले हो सकते हैं जहां अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं।

# शेयर बाजार धड़ाम

## सेंसेक्स 1,837 अंक गिरा

**मुंबई (एजेंसी)।** घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को एक बार फिर पश्चिम एशिया का संकट हावी रहा और बीएसई का सेंसेक्स 1,836.57 अंक (2.46 प्रतिशत) लुढ़ककर 21 महीने के निचले स्तर 72,696.39 अंक पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 601.85 अंक यानी 2.60 प्रतिशत को गोता लगाकर 11 महीने से ज्यादा के निचले स्तर 22,512.65 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स का यह 04 जून 2024 के बाद का और निफ्टी-50 का 07 अप्रैल 2025 के बाद का निचला स्तर है। सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन का शेयर छह प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गया। ट्रेंट और अल्ट्राटेक सीमेंट में पांच से छह प्रतिशत के बीच गिरावट रही। बीईएल, इंडिगो, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक और अडानी पोर्ट्स के शेयर चार से पांच प्रतिशत तक गिर गए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स और आईटीसी से शेयर तीन से चार प्रतिशत तक उतर गए।

### रुपया पहली बार 94 प्रति डॉलर पर

**मुंबई (एजेंसी)।** अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सोमवार को पहली बार 94 रुपये प्रति डॉलर से नीचे उतर गया। पिछले कुछ दिनों से लगातार नए निचले स्तर को छूने वाली भारतीय मुद्रा आज 31.25 पैसे लुढ़ककर 93.8475 रुपये प्रति डॉलर पर खुली। बीच कारोबार में यह 94.1125 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गई।

### सोना-चांदी सस्ती

**नई दिल्ली।** अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के बीच सोने चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 12,077 रुपए घटकर 1.35 लाख रुपए पर आ गया। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 30,864 रुपए घटकर 2.01 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.32 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 24 दिन में 23,956 और चांदी 65,200 सस्ती हुई।

### न्यूयॉर्क में एयरपोर्ट पर हुआ हादसा

## फायर ट्रक से टकराया विमान, 100 से ज्यादा लोग घायल

**न्यूयॉर्क (एजेंसी)।** न्यूयॉर्क के लागार्डिया एयरपोर्ट पर एयर कनाडा एक्सप्रेस का विमान फायर ट्रक से टकरा गया। हादसे में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। शुरूआती जानकारी और फ्लाइट-ट्रैकिंग डाटा के मुताबिक, एयर कनाडा एक्सप्रेस का मॉन्ट्रियल से आने वाला एयरक्राफ्ट सीआरजे-900 एयरक्राफ्ट रनवे 4 पर लैंडिंग के दौरान एक फायर ट्रक से टकरा गया। संघीय विमानन प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान और आपातकालीन वाहन के बीच टक्कर के बाद एयरपोर्ट बंद कर दिया गया है और सभी उड़ानों पर ग्राउंड स्टॉप आदेश लागू कर दिया गया है। घटना का ऑडियो और वीडियो वायरल हो रहा है। इसके अनुसार, एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने टक्कर होने से कुछ देर पहले फ्लाइट क्रू और ग्राउंड गाड़ी दोनों को बार-बार रुकने का निर्देश दिया था। न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट के हवाले से आई जानकारी के अनुसार, हादसे में पांच फायरफाइटर गंभीर रूप से घायल हो गए।

## असम के एयरफोर्स स्टेशन से पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

- 2023 से दे रहा था गुप्त जानकारी

**डिब्रूगढ़ (एजेंसी)।** वायुसेना और राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने असम के वायुसेना अड्डे पर तैनात एक कर्मचारी को पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान सुमित कुमार (36) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के लाहुरपार का निवासी है और एयरफोर्स स्टेशन में एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) के पद पर कार्यरत है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया विभाग) प्रफुल्ल कुमार के अनुसार सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां एकत्रित करता था और उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया है कि वह वर्ष 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय सूचनाएं साझा कर रहा था।

इस मामले की शुरूआत जनवरी 2026 में राजस्थान के जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ के दौरान सुमित कुमार का नाम सामने आया। इसके बाद राजस्थान इंटेलिजेंस ने वायुसेना खुफिया विभाग, नई दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को छबुआ से हिरासत में लिया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ने न केवल छबुआ एयरफोर्स स्टेशन बल्कि बीकानेर जिले के नाल एयरफोर्स स्टेशन सहित अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा कीं। इनमें लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं शामिल हैं।

### कोल्ड स्टोरेज भरभरा कर गिरा, चार मरे

**प्रयागराज (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के गंगानगर के फाफामऊ थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक कोल्ड स्टोरेज भरभरा कर गिर गया। कोल्ड स्टोरेज के ढहने से अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। इस हादसे में 4 मजदूरों की मौत हो गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए मृतक परिवारों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार-50 हजार रुपये देने का ऐलान किया।

## लालजीत भुल्लर गिरफ्तार, अमित शाह बोले, सीबीआई जांच के लिए तैयार

- गोबिंदगढ़ से किया गया लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार, भुल्लर ने किया सरेंडर का दावा

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** पूर्व ट्रांसपोर्ट और जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को पुलिस ने गोबिंदगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच अमृतसर ले जाया गया है, जहाँ मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा। वहीं गगनदीप सिंह रंधावा का अंतिम संस्कार करने से उनके परिवार ने साफ इनकार कर दिया है। रंधावा की पत्नी ने पहले सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की है, जिसके बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। यह मामला अब लोकसभा तक पहुंच गया है। लोकसभा में सांसदों ने इस मामले की जांच सीबीआई से करवाने की मांग उठाई है, जिस पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भरोसा दिलाया है कि यदि पंजाब के सांसद लिखित में मांग करते हैं तो वह इस मामले की जांच सीबीआई से करवाने के लिए तैयार हैं।

जानकारी के अनुसार, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अमृतसर जिले के डीएम गगनदीप सिंह रंधावा ने तीन दिन पहले ट्रांसपोर्ट और जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर पर गंभीर आरोप लगाते हुए आत्महत्या कर ली थी और बाद में उनकी मौत हो गई। उनकी मौत के बाद राजनीतिक विरोधी दलों ने आम आदमी पार्टी को निशाने पर लिया और भुल्लर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की तो वहीं गगनदीप सिंह रंधावा के परिवार ने इस मामले में आरोपियों को तुरंत सजा देने की मांग की है।

दूसरी ओर, लोकसभा में इस मामले की सीबीआई जांच की मांग पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यदि पंजाब के सांसद लिखित अनुरोध करते हैं, तो वह जांच के लिए तैयार हैं।

वहीं पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। वहीं दूसरी ओर गगनदीप सिंह रंधावा के परिवार ने पोस्टमार्टम करवाने से साफ इनकार कर दिया है। परिवार की ओर से पोस्टमार्टम पीजीआई या एम्स से करवाने की मांग की गई है। इस मांग को लेकर परिवार ने गगनदीप सिंह रंधावा के परिवार ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका भी दाखिल कर दी है, जिस पर कल सुनवाई होगी।

## आयुष्मान भारत योजना से जुड़े 36229 अस्पताल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) में बड़ा विस्तार हुआ। आधिकारिक जानकारी के अनुसार 28 फरवरी 2026 तक यह संख्या बढ़कर 36,229 हो गई है, जो योजना की शुरूआत के मुकाबले पांच गुना से अधिक है। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने लोकसभा में लिखित उत्तर में दी। योजना के तहत अब तक कुल 11.69 करोड़ लोग अस्पताल में भर्ती किए जा चुके हैं। इनमें से 6.74 करोड़ इलाज निजी अस्पतालों में हुआ है।

## यूपी में गेहूँ का एमएसपी 2585 रुपए

**लखनऊ (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक में 37 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जबकि दो प्रस्ताव को फिलहाल स्थगित कर दिया गया। बैठक के बाद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों को बड़ी राहत देते हुए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति कुंतल तय किया है। प्रदेश में गेहूं की खरीद 30 मार्च से 15 जून तक की जाएगी और इसके लिए 6500 क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसानों को उतराई, सफाई आदि के लिए 20 रुपये प्रति कुंतल अतिरिक्त भुगतान भी दिया जाएगा। इस बार 30 लाख टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है, जबकि 50 लाख टन तक खरीद का अनुमान है।

## कोलकाता मेट्रो के निर्माण में देरी पर प. बंगाल सरकार को लगी फटकार

- सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कोलकाता मेट्रो के निर्माण में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ अधिकारियों के अड़ियल रवैये को दिखाता है, जिसके तहत वे कोलकाता शहर में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में देरी करना और उसे रोकना चाहते हैं। सीजेआई ने कहा कि हर चीज का राजनीतिकरण न करें। यह विकास से जुड़ा मुद्दा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश में कोई कमी नहीं थी। हमें पूरा भरोसा है कि यह प्रोजेक्ट तय समय सीमा के भीतर ही पूरा किया जाएगा।

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने राज्य सरकार से कहा कि क्या आपके लिए विकास से ज्यादा त्योहार जरूरी हैं? ऐसा नहीं है कि आप अपनी मर्ज़ी से कर रहे हैं, आप अपने कर्तव्य से बंधे हैं। आपने हाई कोर्ट से कहा था कि आपको त्योहारों का इंतजाम करना है। परिवहन के लिए एक अहम सड़क बनाने से ज्यादा जरूरी त्योहार हैं। हमें लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार से यह उम्मीद नहीं है कि सरकार यह कहे कि इस काम को फिलहाल नजरअंदाज कर दिया जाए। कोर्ट ने कहा अगर चुनाव आयोग को चुनाव कराने में कोई दिक्कत नहीं है तो यह प्रोजेक्ट तो आचार संहिता लागू होने से पहले का है। ऐसे में हम राज्य सरकार को यह बहाना बनाकर विकास के काम को फिर से रोकने की इजाजत नहीं देंगे।

सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कोलकाता मेट्रो में देरी को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट के ट्रैफिक ब्लॉक किए जाने के आदेश के खिलाफ सरकार की अपील पर सुनवाई से इनकार कर दिया।

## टॉप आईईए अधिकारी फातिह बिरोल ने किया दावा

# प. एशिया युद्ध में 40 से ज्यादा तेल और गैस ठिकाने तबाह

- दुनिया का हर देश होगा प्रभावित
- संकट और बढ़ा तो वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने खड़ा होगा बड़ा खतरा
- पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक, सल्फर और हीलियम जैसे जरूरी उत्पादों पर भी पड़ेगा असर

**केनबरा (एजेंसी)।** पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण नौ देशों में स्थित 40 से ज्यादा तेल और गैस से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को 'गंभीर रूप से या बहुत गंभीर रूप से' नुकसान पहुंचा है और तेल व गैस आपूर्ति में व्यवधान संकट से कोई भी देश अछूता नहीं रहेगा। यह जानकारी अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी-आईईए) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर फातिह बिरोल ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा में दी। आईईए के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बिरोल ने कहा कि इस संकट का असर इतना बड़ा है कि इसकी तुलना 1970 के दशक के तेल संकट और 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद आए गैस संकट को मिलाकर की जा सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि 1970 के दशक के तेल संकट में करीब 1 करोड़ बैरल प्रतिदिन की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जबकि मौजूदा स्थिति में पहले ही करीब 1.1 करोड़ बैरल प्रतिदिन का नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा कि सिर्फ तेल और गैस ही नहीं, बल्कि पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक, सल्फर और हीलियम जैसे जरूरी उत्पादों का व्यापार भी प्रभावित हुआ है। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। इससे पहले, मार्च की शुरूआत में इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने अपने सदस्य देशों के आपातकालीन भंडार से रिकॉर्ड 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने का ऐलान किया था, ताकि सप्लाई में कमी को दूर किया जा सके और बढ़ती कीमतों को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह संकट और बढ़ता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने बड़ा खतरा खड़ा हो सकता है।

## कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) बिल लोकसभा में पेश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक पेश कर दिया। इस विधेयक का उद्देश्य सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करना है।

कंपनी अधिनियम निगमन, कॉर्पोरेट प्रशासन, प्रकटीकरण और विघटन को नियंत्रित करता है, जबकि एलएलपी अधिनियम साझेदारों के लिए सीमित देयता के साथ अधिक लचीला ढांचा प्रदान करता है। वित्त मंत्री ने कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक की आगे की विस्तृत जांच के लिए, इसे संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा से मंजूरी मिल गई।

इस दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 दो साल के गहन विचार-विमर्श के बाद अब यहां प्रस्तुत किया गया है। कंपनी विधि समिति (सीएलसी) की सिफारिशों और उसकी रिपोर्टों को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया गया है। सीएलसी में उद्योग मंडलों और पेशेवर संस्थानों के प्रतिनिधि, कानूनी और लेखा विशेषज्ञ शामिल थे। साथ ही बताया कि रिपोर्ट को सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए वेबसाइट पर भी रखा गया था, और टिप्पणियां प्राप्त होने के बाद उनकी जांच की गई।

## संपादकीय

### पत्रकारों के साथ अपराधियों जैसा सलूक

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार शाम समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) के 9 रफी मार्ग स्थित कार्यालय को कथित तौर पर भूमि आवंटन की शर्तों के उल्लंघन के आरोप में सील कर दिया। देश की सबसे पुरानी समाचार एजेंसी के साथ दिल्ली पुलिस ने जो सलूक किया, उस पर लोकतंत्र के पक्षधर नागरिक चिंता व्यक्त कर रहे हैं। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, एडिटर्स गिल्ड, वीमेंस प्रेस क्लब समेत कुछ पत्रकार संगठनों ने भी इसकी निंदा की है और अलग-अलग दलों के कुछ नेताओं ने पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए हैं। लेकिन इस खबर पर जो व्यापक हलचल मचनी चाहिए थी, वो कहीं नजर नहीं आ रही। इससे समझ आता है कि अब हम शायद जागरुक समाज नहीं रहे, और काफी हद तक संवेदनहीन, आत्मकेन्द्रित हो चुके हैं। तभी तो बड़ी से बड़ी घटनाएं भी हमें विचलित नहीं करतीं। अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, महिलाओं, बच्चों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की कई खबरें आती हैं और समाज उन्हें सरसरी निगाह से देखकर टाल देता है कि ये सब तो होता ही रहता है। अत्याचार तो पहले भी होते रहे हैं, तब पत्रकार इन्हें उजागर करना अपना दायित्व समझते थे।

क्योंकि जब तक समाज की बुराइयों को सामने नहीं लाया जाएगा, तब तक उनका खात्मा करने के तरीके भी नहीं तलाशे जा सकते। लेकिन अब मीडिया भी उन्हीं खबरों को तरजीह देता है, जो वायरल हों, जिनके कारण टीआरपी बढ़े या लाइक्स और कमेंट्स ज्यादा मिले। यही वजह है कि पहले कुंभ मेले में एक सुंदर युवती मोनालिसा चर्चा में आई, फिर उसके अभिनेत्री बनने की खबरें खूब चलीं और अब उसने विवाह कर लिया तो उस पर भी प्रेस कांफ्रेंस हो गई कि उसने जिस व्यक्ति से विवाह किया, उसका धर्म क्या है और यह सही है या नहीं। सोचिए मीडिया ने अपनी प्राथमिकताओं को किस गर्त में पहुंचा दिया है कि दो बालिग आपसी रजामंदी से विवाह करें तो वह उनकी हेडलाइन्स बन जाती है। इस माहौल में यूएनआई का दफ्तर सील करना और वहां मौजूद पत्रकारों से बदसलूकी आम खबर की तरह आई और चली भी गई। गौरतलब है कि दिल्ली में संसद भवन के पास 9 रफी मार्ग पर लगभग 5,289.52 वर्ग मीटर जमीन दशकों पहले यूएनआई को सरकार ने लीज पर दी थी। इस जमीन की अनुमानित कीमत मौजूदा दर 7.74 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से करीब 409 करोड़ रुपये आंकी गई है। सरकार ने यह जमीन संयुक्त कार्यालय परिसर विकसित करने के यूएनआई को दी थी, लेकिन कम से कम 40 साल बीतने के बाद भी वहां कोई निर्माण नहीं हुआ।

# युद्ध के दौर में खाद्यान्न भंडार की शक्ति

> हाल ही में 13 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9.3 करोड़ से अधिक किसानों को 18640 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि की पीएम-किसान सम्मान निधि की 22 वीं किस्त जारी करते हुए कहा कि किसान और कृषि परिवेश भारत की शक्ति बन गए हैं। यह उल्लेखनीय है कि इस समय पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच जहां भारत के रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद देश के आम आदमी के लिए राहत और अर्थव्यवस्था की ताकत बन गए हैं, वहीं 1 अप्रैल से लागू होने वाले वर्ष 2026-27 के आम बजट के तहत देश की कृषि को उन्नत और निर्यात उन्मुख बनाने की प्रभावी पहल की गई है।

**डा. जयंतीलाल भंडारी**

इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से कारगर क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाया जाए। उम्मीद करें कि सरकार और किसान कृषि को निर्यात उन्मुख बनाएंगे

हाल ही में 13 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9.3 करोड़ से अधिक किसानों को 18640 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि की पीएम- किसान सम्मान निधि की 22 वीं किस्त जारी करते हुए कहा कि किसान और कृषि परिवेश भारत की शक्ति बन गए हैं। यह उल्लेखनीय है कि इस समय पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच जहां भारत के रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद देश के आम आदमी के लिए राहत और अर्थव्यवस्था की ताकत बन गए हैं, वहीं 1 अप्रैल से लागू होने वाले वर्ष 2026-27 के आम बजट के तहत देश की कृषि को उन्नत और निर्यात उन्मुख बनाने की प्रभावी पहल की गई है। गौरतलब है कि दुनिया के तेजी से खुलते हुए कृषि बाजारों और खाद्यान्न की बढ़ती वैश्विक मांग के मद्देनजर भारत के द्वारा कृषि को निर्यात उन्मुख बनाए जाने से किसानों की आर्थिक सशक्तता के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था का नया अध्याय लिखा जा सकेगा। 21वीं सदी के इस दौर में कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा के साथ आगे ले जाना सरकार की प्राथमिकता है। बजट 2026-27 में कृषि क्षेत्र के लिए 162671 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है। सरकार तकनीक और कृषि हितप्रद नीति के माध्यम से किसानों को केवल ह्यअन्नदाताह्न ही नहीं, बल्कि ह्यनिर्यातकर्ताह्न बनाने की दिशा में काम कर रही है। खाद्य तेल और दलहन पर राष्ट्रीय मिशन और प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन सहित सभी कृषि क्षेत्रों को मजबूत किया जा रहा है।

ऐसे में उच्च मूल्य वाले कृषि क्षेत्र को बड़े पैमाने पर बढ़ाने से ही हम अपनी खेती को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदल सकते हैं और दुनिया में भारत से बड़े पैमाने पर कृषि निर्यात बढ़ा सकते हैं। इस समय भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा कृषि उत्पादों का निर्यातक देश है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि जहां देश का रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन देश के आम आदमी के लिए भोजन की गारंटी है, वहीं दुनिया के कई जरूरतमंद देशों के करोड़ों लोगों के लिए खाद्यान्न आपूर्ति का आधार भी है। पिछले वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है और इस वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास केंद्रीय पूल में अप्रैल 2026 तक लगभग 182 लाख टन गेहूं उपलब्ध हो जाने का अनुमान है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे और भारत ने जरूरतमंद देशों को खाद्यान्न का निर्यात भी किया। अब एक बार फिर इस समय जब ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध से दुनिया में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ रही हैं और खाद्यान्न आपूर्ति में व्यवधान है, तब भारत का रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद एक मजबूत हथियार दिखाई दे रहे हैं और भारत नए खाद्यान्न निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए तत्पर दिखाई दे रहा है। पिछले माह फरवरी 2026 में भारत ने 25 लाख टन गेहूं का निर्यात भी सुनिश्चित किया है। निःसंदेह कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार और देश के दीर्घकालिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

खासतौर से विगत कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र व छोटे किसानों की मजबूती के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। ह्यपीएम किसान सम्मान निधिह्न और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसे कई कार्यक्रमों से देश का कृषि क्षेत्र लगातार मजबूत हुआ है। अब तक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 2 लाख करोड़ रुपए के बीमा दावों का निपटारा किया गया है। संस्थागत ऋण कवरेज 75 प्रतिशत से अधिक हो गया है। देश के गांवों में अप्रैल 2020 से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। गांवों में बैंक शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33378 से बढकर दिसंबर 2024 तक 56579 हो गई। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था आदि प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय भारत दुनिया की नई खाद्य टोकरी और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के प्रतिबद्ध देश के रूप में रेखांकित हो रहा है। इस समय भारत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और सुरक्षा के वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। पिछले 10 वर्षों के दौरान, भारत ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए व्यापक सुधार शुरू किए हैं। भारत खाद्य प्रसंस्करण में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकरण, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना जैसी बहुआयामी पहलों के माध्यम से पौष्टिक दुनिया के निर्माण के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के तहत पिछले दस वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक का एफडीआई प्राप्त हुआ है और भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना से अधिक बढकर दो सौ लाख टन से अधिक हो गई है। देश के कुल कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13.7 से बढकर करीब 24 प्रतिशत हो गई है।

साथ ही भारत का खाद्य प्रसंस्करण बाजार आकार वर्ष 2025-26 में 535 अरब डॉलर की ऊंचाई तक पहुंचना अनुमानित है। निश्चित रूप से रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद भारत की नई आर्थिक शक्ति बन गए हैं। ऐसे में इन्हें निर्यात उन्मुख बनाकर भारत निर्यात की कमाई व वैश्विक खाद्य आपूर्ति में और प्रभावी भूमिका निभा सकता है। भारत के पास खाद्यान्न उत्पादन और खाद्य प्रसंस्करण वस्तुओं का उत्पादन और निर्यात बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। भारत जहां विश्व में चावल, दूध, जूट और मसाला उत्पादन में पहले क्रम पर है, वहीं गेहूं, कपास, गन्ना, मूंगफली, फल व सब्जियों के उत्पाद में दूसरे क्रम पर है। भारत के पास विविध जलवायु है और भारत कृषि-जलवायु क्षेत्रों के मामले में समृद्ध है। ऐसे में भारत को निर्यात आधारित खेती, फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा।

# डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे मिलेगी निजात

**सौरभ वार्ष्णेय**

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रुपए (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रुपए ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी तो विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है।

दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी, और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं, लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं, जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है।

यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है। दूसरा, देश की आर्थिक सुरक्षा पर इसका असर पड़ता है। तीसरा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता और संसाधनों पर भी प्रश्न उठते हैं।

समाधान के लिए बहुस्तरीय रणनीति आवश्यक है। सबसे पहले, साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से लैस करना होगा। दूसरे, बैंकों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों को अपनी सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना होगा। तीसरे, स्कूलों और सामाजिक मंचों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि लोग ठगी के नए-नए तरीकों से परिचित हो सकें। इसके अलावा, सरकार को सख्त कानून और त्वरित न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो। साथ ही, आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा– अनजान कॉल, लिंक या ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच करना जरूरी है।

हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त आयुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में ऑपरेशन साई-हॉक के तहत दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन कॉल सेंटरों और गिरोहों को नेस्तनाबूद करना था जो फर्जी केवाईसी, लॉटरी और निवेश के नाम पर लोगों को लूटते हैं। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराधों की दर में गिरावट दर्ज की गई। अब जांच टीम के विस्तार से इस पकड़ को और मजबूत किया जा सकेगा।

यह समझना होगा कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह ठगी का जाल और भी व्यापक रूप ले सकता है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विश्वास भी प्रभावित होगा।

यह आंकडे तो दिल्ली के है देश भर में यह ठगी का आंकडा बड़ा भी हो सकता है। लेकिन सतर्कता सावधानी जरूरी है।

डिजिटल ठगी से कैसे निजात पाएं

डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं ठगों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। आज मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ डिजिटल ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन आम लोग अपनी मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि डिजिटल ठगी से कैसे बचा जाए और इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण कैसे हो। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डिजिटल ठगी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम भी है। ठग अक्सर फर्जी कॉल, मैसेज, ईमेल या लिंक के माध्यम से लोगों को भ्रमित करते हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करें, लॉटरी लगी है – जैसे लालच और डर पैदा करने वाले संदेश लोगों को जल्दी फैसले लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा अपराधी उठाते हैं।इस समस्या से निजात पाने का पहला और सबसे प्रभावी उपाय है–जागरूकता। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन या मैसेज के जरिए पासवर्ड या नहीं मांगती। ऐसे किसी भी अनुरोध को तुरंत नजरअंदाज करना चाहिए। साथ ही, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना और केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करना जरूरी है।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है–तकनीकी सुरक्षा। मोबाइल और कंप्यूटर में अपडेटेड एंटीवायरस रखना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना और समय-समय पर पासवर्ड बदलना जरूरी है। दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग भी ठगी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।तीसरा, सरकार और संस्थाओं की भूमिका भी बेहद अहम है।

## दुनिया कौन चला रहा है?

**प्रेरणा**

क्या मतलब है 'इकानामिक हिटमैन' का? पर्किन्स बताते हैं कि दुनिया के सभी अमीर देश 'इकानामिक हिटमैन' पालते हैं जिनका काम ही है कि वे विकासशील देशों के नेताओं से नजदीकी रिश्ता बनाते हैं और फिर 'विकास या संपन्नता' या 'गरीबी हटाओ' जैसे लुभावने मंजर दिखाकर, उन्हें बड़े विदेशी ऋण लेने के लिए तैयार करते हैं। वे बताते हैं कि आपको ऋण के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं, वह हम लाकर देंगे!

इतिहास में कभी-कभी कुछ ऐसा घटता है कि दुनिया को कठपुतली बनाकर नचाने वालों का भांडा फूट जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ था 2004 में, जब जॉन पर्किन्स नाम के एक सज्जन ने 'कंफेशन्स ऑफ एन इकानामिक हिटमैन' (एक आर्थिक हत्यारे की स्वीकारोक्ति) किताब प्रकाशित की थी। इस पर बड़ा हंगामा हुआ था, लेकिन कोई उसे झुठला नहीं सका, क्योंकि पर्किन्स ने किताब की शुरूआत में ही बता दिया था कि वे खुद भी एक 'इकानामिक हिटमैन' रहे थे।

क्या मतलब है 'इकानामिक हिटमैन' का? पर्किन्स बताते हैं कि दुनिया के सभी अमीर देश 'इकानामिक हिटमैन' पालते हैं जिनका काम ही है कि वे विकासशील देशों के नेताओं से नजदीकी रिश्ता बनाते हैं और फिर 'विकास या संपन्नता' या 'गरीबी हटाओ' जैसे लुभावने मंजर दिखाकर, उन्हें बड़े विदेशी ऋण लेने के लिए तैयार करते हैं। वे बताते हैं कि आपको ऋण के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं, वह हम लाकर देंगे!

पर्किन्स लिखते हैं कि यह मछली फंसाने जैसा है। एक बार मछली फंसी तो अमेरिका-यूरोप की सरकारों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की चांदी हो जाती है। विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है, सो ऐसी परियोजनाओं के लाभ का लुभावना सब्जबाग ऐसा खड़ा किया जाता है कि विकासशील देशों की सरकारें बड़े-बड़े ऋण ले लेती हैं। ऋण का पैसा उनके हाथ आता भी नहीं है, क्योंकि उन्हीं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के एजेंट विकास परियोजनाओं का ठेका भी ले लेते हैं। जिसका पैसा था, उसी की जेब में वापस पहुंच जाता है, जबकि ऋण लेने वाले देश पर कर्ज लद जाता है।

एक बार देश कज में फंसा तो शुरू होता है महाशक्तियों का खेल! कर्ज माफी या कर्ज की शर्तों में ढील के नाम पर उस देश पर जबर्दस्त राजनीतिक, आर्थिक या सैन्य दबाव डाला जाता है, ताकि वह अपनी राष्ट्रीय नीतियों में उनके अनुकूल बदलाव करे तथा अपने प्राकृतिक संसाधनों को निजी कंपनियों के लिए खोल दे। कर्जदार देश घुटने टेक देता है और 'इकानामिक हिटमैन' अपना कमीशन लेकर आगे चल देता है - नया देश, नया शिकार खोजने।

पर्किन्स की किताब पढ़ते हुए मुझे 1991 का आर्थिक संकट याद आया। तब भारत का 'विदेशी मुद्रा भंडार' लगभग खत्म हो चुका था। बताया गया था कि मात्र 2-3 हफ्तों की जरूरत लायक डॉलर देश के पास बचे हैं। सरकार को 'अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष' (आईएमएफ) और 'विश्वबैंक' से आपातकालीन ऋण लेना पड़ा। ऋण तो मिला, लेकिन उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण उस ऋण के साथ आया।

आपको 'विकीलीक्स' याद है? एक अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट जो गुप्त सरकारी व कॉर्पोरेट दस्तावेजों की जासूसी कर, उन्हें सार्वजनिक करती है? इसकी स्थापना 2006 में जूलियन असांजे नामक युवा ने की थी। वह कहता था कि सरकारों, शक्तिशाली वित्तीय संस्थाओं आदि के गुप्त दस्तावेजों का खुलासा करना जरूरी है, ताकि लोग जान सकें कि उनके साथ कितना खतरनाक खेल हो रहा है। इससे सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता बढ़ेगी और 'दादा' देश जवाबदेही से काम करेंगे। इससे नाराज होकर सरकारों ने असांजे को जेल में डाला, देश-निकाला भी दे दिया। आज वह दर-दर की ठोकरें खा रहा है, पोशीदा जीवन जी रहा है।

'विकीलीक्सइ के खुलासों से 2008 के भारत-अमेरिका परमाणु समझौते और उससे जुड़े सांसदों को कथित रिश्वत दिए जाने के आरोप सामने आए। आज की देखें तो अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच भारत सरकार 'एटॉमिक एनर्जी एक्ट, 1962इ और 'सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट, 2010' में बदलाव ला रही है। बात सीधी है: टैरिफ में छूट चाहते हो तो परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी और विदेशी निवेश के लिए खोलना होगा।

सालों पहले जिस एपस्टीन की मौत हो चुकी है उसके सेक्स-कांड की परतें जिस तरह खुल रही हैं, उससे लगता है मानो वह कब्र से बोल रहा हो। दरअसल, एपस्टीन सिर्फ एक अमीर कारोबारी नहीं था; वह सत्ता के गलियारों में सक्रिय एक बेहद असरदार दलाल था।

# कायर कौन हैं नाटो देश या खाड़ी देश?

**शकील अख्तर**

राजशाही और शासकों की मनमानी नीतियों के खिलाफ अरब देशों में कई बार आवाजें उठ चुकी हैं। 15 साल पहले खाड़ी देशों में अरब स्प्रिंग के नाम से बड़ा जन आंदोलन हुआ था। लोग लोकतंत्र की मांग कर रहे थे। वह आवाजें फिर उठ सकती हैं। जनता की मर्जी के खिलाफ इजराइल अमेरिका को समर्थन देना अरब देशों को भारी पड़ सकता है। ईरान की जनता की बहादुरी मिसाल बन गई है।

कायर कौन? नाटो देश! जो युद्ध को रोकना चाहते हैं। हार्मुज स्ट्रेट पर हमला करके उसे और ज्यादा भड़काने से बचना चाहते हैं? या खाड़ी देश? जिन्होंने डर के मारे अपनी जमीन अमेरिका के सैन्य अड्डों के लिए दे रखी है। जो ईरान में मासूम बच्चों, वहां के नेताओं की टारगेट कीलिंग, गैस तेल क्षेत्रों पर हमले पर एक शब्द नहीं बोल पा रहे हैं?

ट्रंप फ्रस्टेशन में नाटो देशों को कायर कह रहे हैं मगर दुनिया अरब देशों को कायर बता रही है। जो गजा में इजराइल द्वारा किए नरसंहार के खिलाफ खड़े नहीं हो सके। और अब ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद ईरान के ही खिलाफ खड़े हो गए।

ईरान की गलती क्या है? ऐसे ही इराक रासायनिक हथियार बना रहा है कहकर अमेरिका ने उस पर हमला किया था और वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी। ईरान में भी वहां के टाप सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत तमाम बड़े लीडर मार दिए और अब पूरी तरह तबाह करने की धमकी दे रहा है।

कौन है वह? दुनिया का थानेदार? किसने बनाया? स्वघोषित! अमेरिका और इजराइल की भाषा क्या है? मार डालेंगे, तबाह कर देंगे, कुछ नहीं बचेगा! यह दुनिया के सबसे पुराना लोकतंत्र की भाषा है? या गुंडों बदमाशों की!

अरब देश इस्लामिक कंट्री के नाम पर संगठन बनाते हैं। लेकिन इस्लाम के सबसे पवित्र महीने रमजान में एक इस्लामिक देश पर हुए हमलों का समर्थन करते हैं? फिर वही सवाल कि आखिर हमला क्यों? जब संयुक्त राष्ट्र सहित अन्तरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (आईएईए) सब ईरान से बात कर रहे थे। वहां जाकर जांच हो रही थी। वहां के सुप्रीम लीडर ने परमाणु बम को मानवता के खिलाफ बताते हुए उसे बनाने से इनकार किया था फिर अचानक हमला करने और वह भी स्कूल पर जहां दो सौ के करीब बच्चियां मारी गईं का क्या मतलब?

इजराइल को सफाई देना पड़ रही है कि हमने अमेरिका को युद्ध में नहीं फंसाया। अमेरिका निकलने का रास्ता ढूंढ रहा है। लेकिन यह सब तो बाद में हुआ। ईरान के मजबूती से लड़ने के बाद। खासतौर से वहां की अवाम के पूरी हिम्मत से घरों से निकलकर सड़कों पर आ जाने के बाद।

ईरान में बंकर नहीं हैं। जैसे इजराइल ने बना रखे हैं। सायरन बजता है सब बंकरों में चले जाते हैं। इरान में बम गिरते हैं लोग सड़कों पर आ जाते हैं। यह जो जज्बा है उसने ही पूरी दुनिया में खासतौर से अमेरिका में हलचल मचा दी।

वियतनाम में यही हुआ था। अमेरिका वहां की बहादुर जनता से नहीं लड़ पाया और वापस हो गया। ट्रंप को यहां भी युद्ध खत्म करने की बात कहना पड़ रही है। वियतनाम में अमेरिका ने 1965 में हमला किया था। करीब 60 हजार सैनिक उसके मारे गए थे। जनता का भरोसा अपनी सरकार से उठ गया था। बड़े गहरे राजनीतिक और सामाजिक असर पड़े थे। अमेरिका की मीडिया और जनता ने साफ तौर कहा कि सरकार ने उन्हें गुमराह किया। जीत रहे हैं कि झूठे दावे किए गए। और सबसे बड़ा परिणाम यह हुआ था कि प्रेसिडेन्ट निक्सन को इस्तीफा देना पड़ा था।

ट्रंप को सब याद आ गया है। अमेरिका में फिर उसके सैनिकों के ताबूत लौटने लगे हैं। वियतनाम युद्ध में भी ऐसी ही शुरूआत हुई थी। अमेरिका की जनता किसी दूसरे के युद्ध में अपने सैनिकों को खोना क्यों पसंद करेगी? ईरान से अमेरिका को कोई खतरा नहीं था। वहां के राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी केन्द्र (एनसीटीसी) के निदेशक जो केंट ने अभी यही कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि अमेरिका को ईरान से कोई खतरा नहीं था। हम यह युद्ध इजराइल के लिए लड़ रहे हैं। पूरे अमेरिका में यह माहौल बन रहा है। दुनिया में तो है ही। मगर अरब देशों के शासकों की समझ में नहीं आ रहा है। वे आंख बंद करके अमेरिका और इजराइल का साथ दे रहे हैं। लेकिन क्या वहां की जनता भी अमेरिका और इजराइल के साथ है?

सबसे बड़ा सवाल यही है। राजशाही के कारण वहां की अवाम की कोई बात दुनिया के सामने नहीं आ पाती है। मीडिया पर पूरा कंट्रोल है। लेकिन जनता की आवाज कभी भी किसी भी समय दबाई नहीं जा सकी है। खबरें आती है कि वहां जब ईरान की मिसाइलें गिर रही हैं और नुकसान हो रहा है तो लोग पूछते हैं कि इजराइल का साथ देने की हमारी क्या मजबूरी है? अगर अमेरिका हमें बचा ही नहीं पा रहा तो उसे हमारी जमीन पर सैनिक अड्डे बनाने की छूट क्यों दी गई थी? और असली सवाल कि हमारा ईरान की अवाम से क्या झगड़ा है? जो हम वहां के स्कूल की बच्चियों को मार रहे हैं, दूसरे शहरियों को मार रहे हैं। गजा में भी इसी इजराइल ने किया मासूम बच्चों को मारा। और अब हमारी जमीन से वहां मिसाइलें और ड्रोन भेजकर मार रहे हैं। क्यों?

इस क्यों का जवाब अमेरिका और इजराइल नहीं देंगे। अरब देश के शासकों को देना होगा। शासन ईरान में राजशाही का था। अंतिम पहलवी वंश का। आज उनके वारिस अमेरिका में शरणार्थी बनकर रह रहे हैं। ईरान में सत्ता का पेटर्न बदल सकता है तो अरब देशों में क्यों नहीं?

डर कर जीने से कुछ नहीं होगा। ईरान ने बता दिया कि वह डरता नहीं है। दुनिया के दो सबसे ताकतवर देशों अमेरिका इजराइल के सामने अकेला डटा हुआ है। और सोचिए रूस और चीन कब तक चुप रहेंगे? जैसा कि ट्रंप ने धमकी दी है 48 घंटे में जबरदस्ती हार्मूज जलडमरूमध्य खोल देने की तो अगर वह ऐसा वह करता है और उस समय रूस चीन और अन्य शांति चाहने वाले देश नहीं बोले तो वर्ल्ड आर्डर पूरी तरह चेंज हो जाएगा।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार

प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

## आवश्यक सूचना

**एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें**

# अंतरराष्ट्रीय वन दिवस : 21 मार्च को मुख्यमंत्री करेंगे कार्यशाला का शुभारम्भ, जुटेंगे देश के वरिष्ठ वनाधिकारी

## विगत 9 वर्षों में 243 करोड़ से अधिक पौधे रोपित

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में विगत 09 वर्षों में व्यापक जन सहभागिता व अन्तर्विभागीय समन्वय से 243 करोड़ से अधिक पौधे रोपित किए गए हैं। वृहद स्तर पर वृक्षारोपण, वन सुरक्षा व वन विस्तार के परिणाम स्वरूप प्रदेश के वनावरण व वृक्षावरण में वृद्धि प्राकृतवास में सुधार तथा राष्ट्रीय पशु बाघ, राष्ट्रीय धरोहर हाथी, राष्ट्रीय/जलीय जीव डॉल्फिन, राज्य पक्षी सारस व गिद्धों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस 21 मार्च को उत्तर प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वन दिवस पर उत्तर प्रदेश कैम्प द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला अरण्य समागम राष्ट्रीय वानिकी संवाद का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री 21 मार्च को प्रातः दस बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में कार्यशाला का शुभारम्भ करेंगे। कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि प्रदेश के वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना तथा वन राज्यमंत्री के० पी० मलिक, प्रमुख सचिव पर्यावरण, वी. हेकाली झिमोमी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी हैं। एक दिवसीय कार्यशाला में सम्पूर्ण देश से आये वरिष्ठ वनाधिकारी प्रतिभाग कर रहे हैं।

वन एवं अर्थव्यवस्थाएं विषयवस्तु पर आधारित कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में देश के विभिन्न प्रदेशों में वानिकी के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों व अभिनव प्रयासों, वन प्रबन्ध का आधुनिकीकरण तथा डिजिटलीकरण, वन क्षेत्र के निकटवर्ती क्षेत्रों में मानव वन्यजीव संघर्ष नियंत्रित करने हेतु उपायों तथा वनीकरण व वन्यजीव संरक्षण के लिए कैम्पा से प्राप्त धनराशि का प्रभावी उपयोग विषयों पर विचार विमर्श किया जाएगा।

वन, वन्यप्राणी, वृक्ष, वेटलैण्ड्स सहित समस्त प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन के अभिन्न अंग है। हमारे वन न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है अपितु अर्थव्यवस्था तथा निर्धन, निर्बल व वंचित वर्गों के लिए आजीविका के साधन, ईंधन प्रकोष्ठ विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चा माल तथा ईको-पर्यटन गतिविधियों के प्रमुख केन्द्र भी हैं। इन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभों के कारण वन हमारी अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ आधार भी है। इस दृष्टि से अन्तरराष्ट्रीय वन दिवस 2026 की विषयवस्तु वन एवं अर्थव्यवस्थाएँ अत्यन्त प्रासंगिक है।

वन आधारित उद्योग प्रदेशवासियों को आजीविका व रोजगार के संसाधन उपलब्ध करवा रहे हैं। हमारी सरकार द्वारा वनाधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने हेतु नियमों का सरलीकरण, कानून व्यवस्था सुदृढ़ कर उद्यमियों को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध करवाने तथा वनाधारित उद्योगों को कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के परिणामस्वरूप विगत 09 वर्षों में प्रदेश में 2467 से अधिक वनाधारित उद्योग स्थापित हुए है।

प्रदेश में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस तथा वन महोत्सव के अवसर पर वृक्षारोपण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण रेन वाटर हारवेस्टिंग, प्लास्टिक मुक्त परिवेश आदि विषयों पर जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाता है।

प्रदेश में व्यापक नदी पुनरोद्धार हेतु नदियों के दोनों किनारों पर एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर तथा राष्ट्रीय राज्य राजमार्ग व अन्य मार्गों पर उपयुक्त प्रजाति के पौधरोपण को प्राथमिकता दी गयी। वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत विशिष्ट वनों यथा अटल वन एकलव्य वन, गोपाल वन, त्रिवेणी वन, ऑक्सी वन, शौर्य वन आदि की स्थापना की गयी। वृक्षारोपण अभियान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों नुक्कड़ नाटकों एवं संगोष्ठियों के माध्यम से पूरे प्रदेश में आम जन मानस को जोड़कर उत्सव के रूप में मनाते हुए एक जन-आन्दोलन का स्वरूप दिया जा रहा है।

कृषकों को वृक्षारोपण कार्यक्रमों से जोड़कर पौधरोपण व रोपित पौधों को संरक्षित कर वृक्ष का रूप धारण करने में सहयोग देने के लिए प्रेरित करने व कृषकों की आय में वृद्धि हेतु कार्बन फाइनेंस प्रोजेक्ट के माध्यम से अर्जित कार्बन क्रेडिट के लिए कृषकों को धनराशि वितरित की जा रही है। ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का प्रथम राज्य है।

इसलिए मनाया जाता है अंतरराष्ट्रीय वन दिवसविश्व के प्रदूषित वातावरण को शुद्ध करने में वनों के अद्वितीय एवं अप्रतिम योगदान के प्रति अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देने, वनों के संरक्षण व विकास तथा वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 1980 में लिए गए निर्णय के अनुसार प्रत्येक वर्ष 21 मार्च, विश्व वानिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 2013 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस दिवस को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया।

## बलिदान दिवस पर याद की गई रानी अवन्ती बाई

**फरुर्खाबाद, एजेंसी।** रानी अवंतीबाई लोधी के 169 वें बलिदान दिवस पर नगर के एक होटल में कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसकी अध्यक्षता परसोत्तम वर्मा जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा ने की । संचालन अरविन्द राजपूत ने किया। कार्यक्रम में तमाम लोगों ने अयोध्या में राममंदिर निर्माण की अहम भूमिका निभाने वाले बाबूजी कल्याण सिंह की प्रतिमा लगाने की एक स्वर में मांग की गई । भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष राजपूत ने रानी अवंतीबाई लोधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वाधीनता संग्राम में देश के आजादी की खातिर अपने प्राण न्यौछावर करने वाली प्रथम महिला शहीद रानी अवंतीबाई लोधी 20 मार्च 1858 में शहीद हुईं थीं । आज उनके 169 वें बलिदान दिवस पर जगह -जगह बलिदान दिवस समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। उनकी शहादत को इतिहासकारों ने उजागर नहीं किया। महामंत्री ईश्वरदयाल वर्मा ने कहा कि लोधी समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने, कृषि कर्म के साथ साथ फिजूलखर्ची न कर बच्चों की उच्च शिक्षा पर बल दिया, शराब नशा मुक्ति के लिए जागरूकता पैदा करें तभी विकास संभव हो सकता है। वरिष्ठ समाजसेवी लज्जाराम वर्मा ने कहा हमारे समाज में शराब और नशे ने बहुत से युवाओं की जिंदगी तबाह कर दी है । इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जागरूक करने का काम करना चाहिए। सुघर सिंह राजपूत , जनार्दन दत्त राजपूत एडवोकेट ने रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा किसी चौराहे पर लगाने की सांसद मुकेश राजपूत से मांग की । बालकराम वर्मा ने बताया कि वह अपने विद्यालय में बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देता है।

## प्रभारी मंत्री ने भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर किया विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन

**फरुर्खाबाद, एजेंसी।** उप्र के फरूर्खाबाद जिले के प्रभारी एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून-व्यवस्था, विकास कार्यों एवं सरकार की नीतियों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक समय से पहुंचना चाहिए।

प्रभारी मंत्री ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आमजन में सुरक्षा की भावना सर्वोपरि है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान मंत्री ने विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट का अवलोकन किया। उन्होंने अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा गुणवत्ता के साथ कार्य कराने के निर्देश दिए। साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक आरती सिंह सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रभारी मंत्री ने भाजपा के नौ साल पूरे होने पर ऑफिसर्स क्लब में लगाई गई नौ दिवसीय विकास प्रदर्शनी का फीता काट कर शुभारम्भ भी किया। इस दौरान सांसद मुकेश राजपूत, विधायक नागेंद्र सिंह राठौर, ज्ञानेंद्र सिंह छोटे, डीएस राठौर व भाजपा के बरिष्ट पदाधिकारी मौजूद रहे।

## आलू किसानों का संकट टला, शीतगृह संचालकों को अमोनिया गैस की आपूर्ति के आदेश

**लखनऊ, एजेंसी।** केन्द्र सरकार ने शीतगृहों को अमोनिया गैस की सप्लाई ठप होने से किसानों को आलू स्टोरेज में आ रही समस्या का निदान कर दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार के उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को गौतमपल्ली स्थित अपने आवास पर आलू के भंडारण व विपणन के संबंध में पत्रकारवार्ता कर बताया कि शीतगृहों को अमोनिया गैस की सप्लाई का आदेश जारी कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि विगत एक सप्ताह से उत्तर प्रदेश के आलू किसानों के ऊपर संकट के बादल छाए थे। राज्य के किसानों ने अपनी उपज का लगभग 70 प्रतिशत आलू (लगभग 150 लाख मीट्रिक टन) शीतगृहों में भण्डारित भी कर दिया था। इसी बीच कुछ कारणों से राज्य के शीतगृहों को उर्वरक कंपनियों ने अमोनिया गैस की सप्लाई रोक दी। इससे भण्डारित और भण्डारण से शेष राज्य के आलू किसानों और शीतगृह संचालकों के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया। आलू अतिशीघ्र खराब होने वाली उपज है। यदि दो चार दिन भी शीतगृह की कूलिंग प्रभावित हो जाये तो आलू सड़ने लगता है। दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि अमोनिया गैस का कोई विकल्प न होने के कारण संकट का हल संभव नहीं हो सका।

इसके बाद केन्द्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के समक्ष आलू किसानों की समस्या रखी गयी। दोनों विभागों के समन्वय से मात्र दो कार्यदिवस में राज्य के शीतगृह संचालकों को आवश्यक अमोनिया गैस की आपूर्ति निर्बाध रूप से करने के आदेश निर्गत किए। कृषि विपणन राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने इसके लिए केन्द्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का आभार जताया है।

राज्य मंत्री ने बताया कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश में आलू की फसल विगत वर्षों की तुलना में काफी अच्छी हुई है। राज्य सरकार फसल तैयार होने से पूर्व आलू के विपणन और भण्डारण की सारी तैयारी पूरी कर चुकी थी। देश के भीतर अन्य राज्यों में भी प्रदेश के सरप्लस आलू के विपणन की भी व्यवस्था पूर्ण हो चुकी थी लेकिन गैस के संकट ने किसानों को चिंता में डाल दिया था। केन्द्र के सहयोग से संकट दूर हो सका।

## लखनऊ में पति-पत्नी और बेटे ने जहर खाया, मां-बेटे की मौत

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दंपति और बेटे ने शुक्रवार को जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने मां-बेटे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस और फोरेंसिक की टीम को जांच के दौरान मृतक बेटे की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है।

बंथरा थाना क्षेत्र के ग्राम नीवा निवासी रूप नारायण होटल चाय का होटल चलाकर पत्नी तारावती (50), बेटा संदीप और कुलदीप का जीवन यापन करता है। होटल के पास में ही पान की दुकान रखकर घर खर्च चलाने में संदीप पिता की मदद करता था। शुक्रवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि रूप नारायण उनकी पत्नी तारावती और बेटे संदीप ने जहरीला पदार्थ खा लिया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने संदीप और उसकी मां तारावती को मृत घोषित कर दिया। रूपनारायण का इलाज किया जा रहा है।

थाना प्रभारी ने बताया कि संदीप की जेब से सुसाइड नोट मिला है, जिस पर लिखा कि वे लोग सुसाइड कर रहे हैं इसमें कोई भी दोषी नहीं है। फिलहाल शवों को पोस्टमार्टम भेजकर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई।

# लखनऊ में यूपी की पहली सौर ऊर्जा संचालित आधुनिक 'प्रेरणा कैंटीन' का उद्घाटन

**लखनऊ, एजेंसी।** राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित 'प्रगति महिला स्वयं सहायता समूह' से संचालित लखनऊ के विकास भवन परिसर में शुक्रवार को आधुनिक एवं सौर ऊर्जा संचालित 'प्रेरणा कैंटीन' का भव्य उद्घाटन किया गया। यह उत्तर प्रदेश की पहली सौर ऊर्जा संचालित आधुनिक 'प्रेरणा कैंटीन' है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अजय जैन, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस से चैनल मैनेजर सुधांशु राय एवं सीएसएम वज्रिका नाथ,अनुरागिनी संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कैंटीन का शुभारंभ किया।

इस 'प्रेरणा कैंटीन' का जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण अनुरागिनी संस्था की ओर से पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी.एस.आर) पहल 'शी-सर्व्स परियोजना के अंतर्गत किया गया है। इस परियोजना के माध्यम से कैंटीन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के साथ-साथ सौर ऊर्जा से भी जोड़ा गया है, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल और सतत विकास का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है।

सीडीओ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की परियोजनाएं न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान को भी मजबूत करती हैं। सौर ऊर्जा का उपयोग इस पहल को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सराहनीय कदम बनाता है।

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के चैनल मैनेजर सुधांशु राय एवं सीएसएम वज्रिका नाथ ने कहा कि शी-सर्व्स परियोजना का उद्देश्य महिलाओं के जीवन में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन लाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कैंटीन मॉडल सिद्ध होगी।

अनुरागिनी संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि यह केवल एक कैंटीन का नवीनीकरण नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में एक सशक्त पहल है। अनुरागिनी संस्था पिछले लगभग 30 वर्षों से प्रदेश के विभिन्न जिलों में महिला सशक्तीकरण, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है और यह परियोजना उसी यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

उन्होंने आगे कहा कि 'हमारा उद्देश्य केवल रोजगार प्रदान करना नहीं, बल्कि महिलाओं को इतना सशक्त बनाना है कि वे आत्मविश्वास के साथ अपने निर्णय स्वयं ले सकें और समाज में नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकें।

## एक नजर

### पारिवारिक कलह के चलते युवक ने फांसी लगाकर दी जान

**उरई, एजेंसी।** कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम विजबाहा में पारिवारिक कलह के चलते एक युवक ने गुरुवार रात अपने ही खेत में बबूल के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार की सुबह घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुट गई। थाना प्रभारी जगदंबा प्रसाद दुबे ने बताया कि परिवार से पता चला है कि ग्राम विजबाहा निवासी अर्जुन (25) की शादी को पांच वर्ष हो चुके थे। उसकी एक छोटी बेटी भी है। अर्जुन का अपनी पत्नी से अक्सर शराब पीने को लेकर झगड़ा होता था। गुरुवार रात को भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। अर्जुन गुस्से में घर से निकल गया। उसके रात तक घर नहीं लौटने पर सुबह उसकी खोजबीन शुरू हुई। परिजनों ने खेत में स्थित बबूल के पेड़ पर रस्सी के फंदे से अर्जुन का शव लटका देखा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि पारिवारिक कलह के चलते युवक ने फांसी लगाकर जान दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### बेमौसम बरसात से फसलों को क्षति, ठंड फिर लोटी

**फरुर्खाबाद, एजेंसी।** जिले में सुबह से बदले मौसम के मिजाज ने किसानों की चिन्ता बढ़ा दी है शुक्रवार को बेमौसम वर्षा संग हवा चलने से सरसों व गेहूं की फसलें प्रभावित हुई हैं। जिसे लेकर किसान परेशान हैं। ।जनपद में हुई बेमौसम बारिश और तेज हवा ने फसलो को प्रभावित किया है। जिससे किसानो की चिंता बड़ गयी है,पकी हुई फसलें जमीन पर गिरने से उत्पादन में भारी गिरावट और गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है। प्रगतिशील किसान नारद सिंह का कहना है कि बारिश के साथ तेज हवा चलने से खेतों में पकी खड़ी सरसों झड़ गई है। वहीं दूसरी तरफ गेहूं की फसल भी गिर गई है, जिससे पैदावार कम होना तय हो गया है। वहीं दूसरी तरफ अचानक हुई बारिश से ठंड फिर लौट आई है, जिससे लोग गर्म कपड़े निकालने को मजबूर हो गए हैं। समाचार लिखे जाने तक आसमान में बादल छाए हुए हैं और तेज हवाएं चल रही है। जिला कृषि अधिकारी बीके सिंह ने बताया कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जिले में और वर्षा हो सकती है तथा 40 किलोमीटर की गति से आंधी आ सकती है। ऐसे में लोग यदि घर से बाहर न निकलें तो ज्यादा अच्छा होगा। मौसम लगातार 7 दिन तक बिगड़ने की जानकारी मौसम विभाग के अधिकारी दे रहे हैं।

### जयंत चौधरी को धमकी, जेड प्लस सुरक्षा की मांग

**बागपत, एजेंसी।** केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी मिली है। पश्चिम बंगाल के एक युवक द्वारा दी गई इस धमकी के बाद छपरौली विधायक अजय कुमार ने कड़ी नाराजगी जताते हुए केंद्रीय मंत्री की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने सरकार से जयंत चौधरी को जेड श्रेणी की सुरक्षा उपलब्ध कराने और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को धमकी मिलने के बाद बागपत छपरौली विधायक अजय कुमार ने उनकी सुरक्षा की मांग की है। छपरौली विधायक उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कलेक्ट्रेट बागपत में आयोजित प्रेस वार्ता में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस प्रकार की धमकियां न केवल जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करती हैं, बल्कि कानून-व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। मामले में दी गई तहरीर के अनुसार, 18 मार्च 2026 को सुबह करीब 11 बजे एक अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को मंत्री जयंत चौधरी से जुड़ा बताते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी। फोन कॉल के दौरान आरोपी ने एमपी-5 जैसे हथियारों का जिक्र किया और धमकी भरे संदेश व्हाट्सएप पर भी भेजे। इन संदेशों में मंत्री के सरकारी कार्यक्रम का जिक्र करते हुए स्पष्ट रूप से 'गोली मार दो' जैसी बातें लिखी गई थीं। तहरीर में यह भी उल्लेख है कि आरोपी द्वारा लगातार वॉइस मैसेज और लोकेशन शेयर कर धमकी दी जाती रही। जब दोबारा संपर्क कर जानकारी ली गई, तो आरोपी ने कहा कि उसे यह 'ऊपर से भेजा गया' है। घटना के बाद तुरंत तुगलक रोड थाने को सूचित कर मोबाइल पर प्राप्त सभी साक्ष्य पुलिस को सौंप दिए गए। इसके अलावा, तहरीर में एक और गंभीर पहलू सामने आया है, जिसमें बताया गया कि एक अज्ञात व्यक्ति आवास के पिछले गेट की रेकी करता देखा गया। वहीं, कुछ दिन पहले रात में एक संदिग्ध स्विफ्ट कार भी लंबे समय तक कोठी के पास खड़ी रही, जिसमें सवार लोग निगरानी करते नजर आए। वही बागपत की छपरौली सीट से विधायक अजय कुमार ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। डॉ. अजय कुमार तोमर ने केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के लिए जेड प्लस सुरक्षा की मांग की है।

### लखनऊ में 'विश्व शांति एवं स्थिरता' पर विशेष आयोजन 22 मार्च से शुरू

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार और व्हाइटस्वान आर्ट, नई दिल्ली के सहयोग से 22 से 25 मार्च तक 'विश्व शांति एवं स्थिरता के लिए समर्पित कला, संगीत और व्यंजन उत्सव' का आयोजन किया जाएगा। यह चार दिवसीय कार्यक्रम लोगों को जोड़ने और मानवीय मूल्यों के संदेश को आसान और प्रभावी तरीके से सामने लाने का प्रयास है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन लखनऊ के शहीद स्मृति भवन, राज्य अभिलेखागार में 22 मार्च को किया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. जय कृष्ण अग्रवाल मौजूद रहेंगे, जो प्रख्यात कलाकार हैं और लखनऊ विश्वविद्यालय के आर्ट कॉलेज के पूर्व डीन रह चुके हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इतिहासकार और लेखक डॉ. रवि भट्ट और नवभारत टाइम्स के रेजिडेंट एडिटर प्रो. सुधीर मिश्रा भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में 23 मार्च को व्हाइटस्वान आर्ट की फाउंडर डॉ. अंजली निगम तानपुरे पर प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरूआत करेंगी। इसके बाद 'विश्व शान्ति एवं स्थिरता में समर्पित कला' विषय पर पैनल चर्चा होगी और लखनऊ के उभरते कलाकारों का संगीत कॉन्सर्ट भी आयोजित किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के विस्मृत व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां यूनेस्को से मिले गैस्ट्रोनॉमी दर्जे का जश्न मनाया जाएगा। 24 मार्च को पिसम (एक संस्था जो वंचित बच्चों की सहायता करती है) के सहयोग से विशेष जरूरतों वाले और वंचित बच्चों के लिए आर्ट कैंप आयोजित होगा, जिसमें कलाकार और आर्ट स्कूल भाग लेंगे। वहीं 25 मार्च को कार्यक्रम का समापन होगा। व्हाइटस्वान आर्ट का उद्देश्य कला, संगीत और भोजन के जरिए दुनिया में शांति और सामंजस्य लाना है। यह संस्था मानती है कि कला इंसानियत की पहचान है, इसलिए उभरते कलाकारों, आर्ट स्टूडेंट्स और वंचित प्रतिभाओं को आगे बढ़ाकर कला को शांति का माध्यम बनाया जा सकता है, जो राजनीतिक और धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर लोगों को जोड़ती है। इसी तरह संगीत को एक ऐसी ताकत माना गया है, जो बिना किसी सीमा के हर दिल तक पहुंचती है। 'रिस्पॉन्सिबल म्यूजिक' के जरिए उनका लक्ष्य युद्ध के शोर को कम कर शांति का संदेश फैलाना है। इस आयोजन पर अपने विचार रखते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, कला और संस्कृति केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और मानवीय मूल्यों को सशक्त करने का सशक्त साधन हैं। ऐसे आयोजन न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए विश्व शांति और सतत विकास की दिशा में प्रेरित करते हैं।

## लिटिल इंडिया शहर पर ईरान ने मारी मिसाइल, यहां रहते हैं भारतीय मूल के यहूदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने शनिवार शाम एक भयावह मोड़ ले लिया जब ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल दक्षिण इजराइल के शहर डिमोना पर दागी। यह शहर न केवल इजराइल के परमाणु रिएक्टर है, बल्कि अपनी विशाल भारतीय आबादी के कारण लिटिल इंडिया के नाम से भी मशहूर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मिसाइल एक कम्युनिटी बिल्डिंग पर गिरी, जिससे आसपास के पुराने मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। ज्यादातर लोग समय रहते शेल्टर में पहुंच गए थे, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिमोना की करीब 30 फीसदी आबादी भारतीय मूल के यहूदियों की है, जिनमें से ज्यादातर महाराष्ट्र के हैं। यहां क्रिकेट भी काफी लोकप्रिय है और भारतीय मिठाइयां व स्नैक्स स्थानीय बाजारों में आसानी से मिल जाते हैं। यहां की गलियों में मराठी और भारतीय स्वाद रचे-बसे हैं। हमले के बाद पूरे समुदाय में डर का माहौल है। इजराइली रक्षा बल ने स्वीकार किया है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को इंटरसेप्ट करने में नाकाम रहा। ईरान ने इस हमले को अपने नतांज परमाणु केंद्र पर हुए हमले का बदला बताया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने साफ किया है कि डिमोना स्थित परमाणु अनुसंधान केंद्र सुरक्षित है और वहां किसी नुकसान के संकेत नहीं मिले हैं।

## महावीर जयंती पर गांधीनगर आएंगे पीएम मोदी, जैन संग्रहालय का कर सकते हैं उद्घाटन

अहमदाबाद (एजेंसी)। महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गांधीनगर दौरे की संभावना जताई जा रही है। बताया जाता है कि पीएम मोदी 31 मार्च को जैन समुदाय को समर्पित एक विशेष संग्रहालय का उद्घाटन कर सकते हैं। यह संग्रहालय जैन आचार्य पद्म सागर सूरीश्वर महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक प्रवास और धार्मिक योगदान को समर्पित होगा। इसमें उनके पदविहार (आध्यात्मिक यात्राओं) से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, संस्मरण और दुर्लभ सामग्री प्रदर्शित की जाएगी, जो उनके उपदेशों और जीवन दर्शन की गहरी झलक प्रदान करेगी। बताया जाता है कि आचार्य पद्म सागर सूरीश्वर महाराज ने अपने जीवनकाल में लगभग 2.5 लाख किलोमीटर की पदयात्रा की थी, जो जैन परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। संग्रहालय में हस्तलिखित पांडुलिपियां, शिलालेख, मूर्तियां, पीतल की कलाकृतियां और धार्मिक विषयों पर आधारित चित्रों का समृद्ध संग्रह होगा। यह प्रदर्शनी जैन परंपराओं, तपस्या की विधियों और समुदाय की आध्यात्मिक विरासत को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को ध्यान में रखते हुए गांधीनगर में तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

## लखनऊ के निशातगंज में बुजुर्ग महिला की हत्या, घर के अंदर मिला शव

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के पॉश इलाके निशातगंज में शनिवार शाम एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया। सचिवालय से रिटायर्ड 65 वर्षीय निर्मला देवी का शव उनके ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना डायल 112 के जरिए महानगर पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि मृतका के दोनों हाथ बंधे हुए थे और गले पर गला घोंटने के गहरे निशान मौजूद थे। कमरे में किसी जबरन लूटपाट के स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। विक्रांत वीर के अनुसार शुरुआती जांच में मामला रंजिश या किसी करीबी की साजिश की ओर इशारा करता है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। निर्मला देवी अपने बेटे-बहू के साथ रहती थीं, जबकि घर की दूसरी मंजिल पर किराएदार रहते हैं। पुलिस ने शक के आधार पर एक किराएदार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

## गुरुग्राम में प्रेम विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में चार महीने पहले प्रेम विवाह करने वाली काजल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। साढ़राणा गांव की निवासी काजल के भाई गुरदीप ने आरोपित पति अरुण शर्मा के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया। पुलिस की जांच में पता चला कि काजल को एनेस्थीसिया का इंजेक्शन दिया गया था, जिससे उसकी मौत हुई। पुलिस ने आरोपित अरुण शर्मा जो गाजियाबाद के बहटा हाजीपुर गांव के निवासी हैं, को सेक्टर 89 से गिरफ्तार किया। सेक्टर 93 चौकी पुलिस ने उन्हें तीन दिन के गहन रिमांड पर लिया है, ताकि मामले की पूरी तह तक जांच की जा सके। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों एक ही नर्सिंग होम में काम करते थे। काजल नर्स और अरुण कर्मचारी थे। नवंबर 2025 में उनके बीच प्रेम संबंधों के बाद घरवालों की मर्जी से विवाह हुआ था। शादी के बाद अरुण ने नौकरी छोड़ दी और पैसों की मांग करने लगा। होली के बाद काजल अपने मायके साढ़राणा में रह रही थी। 18 मार्च की सुबह दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ। आरोपित ने पुलिस को बताया कि झगड़े के बाद उसने काजल को इंजेक्शन दिया। पुलिस ने घटनास्थल से दो वायल बरामद किए, एक डाइक्लोफेनेक और एक एनेस्थीसिया। अभियुक्त बार-बार अपने बयान बदल रहा है। पुलिस ने कहा कि तीन दिन के रिमांड में आरोपी से घटना के बारे में सटीक जानकारी ली जाएगी। मामला दहेज हत्या और घरेलू विवाद से जुड़ा है।

## प्रतापगढ़ में मधुमक्खियों के हमले में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। फतनपुर नईकोट गांव में शनिवार को एक दर्दनाक घटना हुई। 50 वर्षीय मोहम्मद असलम पुत्र इकबाल मलिक शहद निकालने के लिए अपने घर के पास लगे पेड़ पर चढ़े। शहद निकालने की कोशिश के दौरान मधुमक्खियों का झुंड उन पर टूट पड़ा। असलम ने जान बचाने के लिए पेड़ से उतरकर मदद मांगी। स्थानीय लोग घायल अवस्था में उन्हें सुवंसा बाजार के निजी क्लीनिक ले गए, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार और इंजेक्शन दिया गया। गंभीर हालत देख उन्हें मुंगरा बादशाहपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार ने शव लेकर घर लौटकर अंतिम संस्कार किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है और मामले की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। जिले में मधुमक्खियों के हमले पहले भी हो चुके हैं। सात महीने पहले कुंडा में घर के पास पानी भरते समय मधुमक्खियों ने वृद्ध महिला पर हमला किया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी और उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हुई थी।

# यूडीएफ ने सांप्रदायिक ताकतों के साथ गठजोड़ किया जनता उन्हें स्वीकार्य नहीं करेगी

### केरल सीएम विजयन ने चुनाव से पहले अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल गिनाए

**तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।** केरल में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सीएम पिनाराई विजयन ने अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल का बचाव करते हुए बुनियादी ढांचे के विस्तार, सामाजिक क्षेत्र के पुनर्जीवन और दीर्घकालिक योजना को वामपंथी मोर्चे की लगातार तीसरी जीत की आधारशिला बताया। 2016 से अपनी सरकार के सफर पर विचार करते हुए विजयन ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने ऐसे समय में सत्ता संभाली थी जब 'सामान्य असंतोष' का माहौल था, लेकिन सरकार ने तेजी से बुनियादी ढांचे को विकास का इंजन बनाते हुए प्राथमिकता दी। उन्होंने कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूडीएफ पर सांप्रदायिक ताकतों के साथ गठजोड़ का आरोप लगाया और वामपंथ छोड़ने वालों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को जनता स्वीकार्य नहीं करेगी।

सीएम विजयन ने कहा कि कई मामलों में यूडीएफ सांप्रदायिक ताकतों के साथ खड़ा है। उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों में कुछ स्थानों पर बीजेपी के साथ हाथ मिलाया। स्थानीय निकाय प्रमुखों के चयन में भी उनका समझौता था। यूडीएफ कुछ वोट और सीटों के लिए सांप्रदायिक समूहों के साथ जुड़ रहे हैं। हम, एलडीएफ, ऐसे कदमों के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी माकपा छोड़कर गए, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। वे हमारे और जनता के लिए गद्दार हैं। उन्हें जनता की स्वीकार्यता नहीं मिलेगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबरीमाला मुद्दे पर सीएम ने कहा कि सबरीमाला मुद्दे का स्थानीय निकाय चुनावों पर ज्यादा प्रभाव नहीं दिखा, यहां तक कि पांडलम में भी नहीं। पांडलम में परिणाम सकारात्मक रहे और लोगों की कुछ अपेक्षाएं थीं, जिन्हें सरकार ने पूरा करने की कोशिश की। हर स्थानीय निकाय की अपनी शासन संबंधी चुनौतियां होती हैं और अलग-अलग क्षेत्रों में मतदान को प्रभावित करने वाले मुद्दे भी अलग होते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों में हुए बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि हाल ही में पीएम मोदी द्वारा उद्घाटन किए गए कुछ हिस्से राज्य के विकास की दिशा को स्पष्ट रूप से दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों, जो पहले अव्यवस्थित थे, उनमें अब व्यवस्थित रूप से सुधार हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में भी उन्होंने बड़े बदलाव का दावा किया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल, जो कभी बंद होने की कगार पर थे और जहां करीब पांच लाख छात्र पढ़ाई छोड़ चुके थे, उन्हें 5,000 करोड़ रुपए के निवेश 50,000 स्मार्ट क्लासरूम, उन्नत प्रयोगशालाओं और बेहतर शिक्षक प्रशिक्षण के जरिए पुनर्जीवित किया गया। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों को नीति आयोग से मिली मान्यता इसका प्रमाण है।

बुनियादी ढांचा वित्तपोषण पर विजयन ने केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड के पुनरुद्धार को अहम बताया। 2016 में 50,000 करोड़ रुपए की शुरुआती योजना से निवेश 2021 तक बढ़कर 62,000 करोड़ हो गया और अब यह 1.10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादाहो चुका है। प्रमुख परियोजनाओं में हिल हाईवे और कोस्टल हाईवे शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 10,000 करोड़ है। इसके अलावा पुल निर्माण कार्यक्रम भी 200 से अधिक संरचनाओं तक पहुंच चुका है। सीएम विजयन ने ÷विजन 2031÷ का जिक्र किया, जिसे विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार किया गया है और इसमें अगले पांच सालों के लिए क्षेत्रवार विकास लक्ष्य तय किए गए हैं। सीएम ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान केरल के प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर सराहना मिली और राज्य ने प्रभावी तरीके से महामारी को नियंत्रित किया। उन्होंने यह भी कहा कि केरल में शिशु मृत्यु दर वैश्विक मानकों की तुलना में काफी कम है।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान को भी उन्होंने प्राथमिकता बताया। देश के शीर्ष 100 कॉलेजों में से 18 केरल में होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अब 13 उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और कौशल विकास कार्यक्रमों के विस्तार पर काम कर रही है, ताकि युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सके और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित किया जा सके। राजनीतिक तौर पर सीएम विजयन ने बीजेपी की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि राज्य उसके लिए 'दरवाजा नहीं खोलेगा' और उन्होंने भविष्यवाणी की कि उसे एक भी सीट नहीं मिलेगी।

## ममता, बंगाल की मां-बहन और बेटी, उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता : शत्रुघ्न सिन्हा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि राज्य में उनके कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। सिन्हा ने दावा किया कि बंगाल की जनता ममता बनर्जी को अपनी मां, बहन और बेटी मानती है और इस चुनाव में भी टीएमसी का दबदबा कायम रहेगा। राज्य में चुनावी शंखनाद हो चुका है और इस बार मतदान दो चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए 29 चुनाव को वोट डाले जाएंगे। मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण की अधिसूचना 30 मार्च को जारी होगी। इस चुनावी गहमागहमी के बीच जमीनी स्तर पर तनाव भी दिखने लगा है। उत्तर 24 परगना के बारानगर में भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच हिंसक झड़प की खबरें आई हैं। स्थिति को संभालने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। भाजपा उम्मीदवार साजल घोष ने सत्ताधारी दल पर हिंसा का आरोप लगाया है, हालांकि पुलिस प्रशासन का कहना है कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। इस चुनाव का सबसे दिलचस्प मुकाबला भवानीपुर सीट पर होने की उम्मीद है, जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मैदान में उतर सकती हैं। संभावना जताई जा रही है कि उनके सामने भाजपा के दिग्गज नेता सुवेंदु अधिकारी चुनौती पेश करेंगे। ज्ञात हो कि 2021 के चुनाव में नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को एक कड़े मुकाबले में पराजित किया था, जिसके बाद ममता बनर्जी ने भवानीपुर उपचुनाव जीतकर विधानसभा में अपनी जगह बनाई थी। 2021 के चुनावी नतीजों की बात करें तो टीएमसी ने 215 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया था, जबकि भाजपा 77 सीटों पर सिमट गई थी। कांग्रेस और वाम दलों का खाता भी नहीं खुल सका था। इस बार भी मुख्य मुकाबला इन्हीं दो धुर विरोधियों के बीच माना जा रहा है। जहां टीएमसी अपने जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के दम पर सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में है, वहीं भाजपा सत्ता परिवर्तन के लिए पूरा जोर लगा रही है।

## मथुरा हादसे के बाद अफवाह फैलाने और पथराव के मामले में 13 गिरफ्तार, बाहरी तत्वों पर कार्रवाई

**मथुरा (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसीकलां थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए एक सड़क हादसे के बाद फैले तनाव और हंगामे के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि इस पूरी घटना में माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले और अफवाह फैलाने वाले तीन बाहरी मुख्य आरोपियों समेत कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह एक दुर्घटना थी, जिसे साजिश का रंग देने का प्रयास किया गया।

घटनाक्रम के अनुसार, कोसीकलां क्षेत्र में चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा ने नागालैंड नंबर के एक कैंटर को गोवंश की आशंका में रोका था। जब वह वाहन की जांच करने के लिए पीछे मुड़े, तभी घने कोहरे के कारण पीछे से आ रहे एक अन्य ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में फरसा वाले बाबा गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। राजस्थान के अलवर निवासी ट्रक चालक भी इस घटना में घायल हुआ था, जिसकी इलाज के दौरान आगरा में मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रक में तार लदे थे और कैंटर में किराने का सामान भरा था। बाबा के सहयोगी की शिकायत पर पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया था।

हादसे के बाद कुछ अराजक तत्वों ने यह अफवाह फैला दी कि बाबा की हत्या की गई है। इस भ्रामक जानकारी के चलते छाता थाना क्षेत्र में भीड़ जमा हो गई और नेशनल हाईवे को जाम कर दिया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव भी किया। एसएसपी ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने बाहरी लोगों को समझाने की कोशिश की थी कि मामला महज एक दुर्घटना है, लेकिन आरोपियों ने जानबूझकर सरकारी कार्य में बाधा डाली और माहौल बिगाड़ा। पुलिस ने अब तक इस हिंसा और जाम के मामले में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर 13 लोगों को जेल भेज दिया है।

# मार्च में मानसून जैसा मिजाजः दिल्ली-यूपी सहित 12 राज्यों में बारिश और तूफान का अलर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मार्च के महीने में जहां आमतौर पर भीषण गर्मी की शुरुआत हो जाती है, इस बार मौसम का बिल्कुल उलट रूप देखने को मिल रहा है। उत्तर और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में अचानक बढ़ी ठंड ने लोगों को हैरान कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के 12 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पूर्वी भारत में तो हवाओं की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

राजधानी दिल्ली में रविवार को भी हल्की बारिश और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। शनिवार को दिल्ली ने पिछले छह वर्षों में मार्च का सबसे ठंडा दिन देखा, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि अधिकतम तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन ठंडी हवाओं के कारण कनकनी बनी रही। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मध्यम बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है। हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले पांच दिनों से हो रहे हिमपात ने तापमान में भारी गिरावट ला दी है।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज और गोरखपुर समेत कई जिलों में रविवार को भी बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना है। शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 8 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर और गया सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। राजस्थान में भी पश्चिमी विक्षोभ के असर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में धूल भरी आंधी और छिटपुट वर्षा के आसार बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बेमौसम बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी की मुख्य वजह सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है। इसके चलते तापमान सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे बना हुआ है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओड़िशा जैसे राज्यों में भी तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग का मानना है कि सोमवार तक गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का यह सिलसिला जारी रह सकता है, जिससे मार्च के अंत तक मौसम सुहावना बना रहेगा।

# पश्चिम बंगाल चुनावः सुरक्षा के कड़े इंतजाम, वेबकास्टिंग बाधित होने पर होगा पुनर्मतदान

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और चुनाव आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। पूरे राज्य में केंद्रीय बलों की व्यापक तैनाती की जा रही है और चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों के साथ तालमेल मजबूत करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी बलों की तैनाती को लेकर एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर यदि वेबकास्टिंग 30 मिनट से अधिक समय तक बाधित रहती है तो वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। इस सख्त निर्देश का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखना और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकना है। चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां राज्य में पहुंच चुकी हैं और फिलहाल गश्ती अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से करीब 2,000 और कंपनियां राज्य में तैनात की जाएंगी, जिससे कुल केंद्रीय बलों की संख्या लगभग ढाई लाख तक पहुंच सकती है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही आयोग ने राज्य पुलिस और प्रशासनिक ढांचे में बड़े स्तर पर फेरबदल भी शुरू कर दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राज्य पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर एकीकृत कमान और नियंत्रण प्रणाली बनाने पर जोर दिया है। यह प्रणाली मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य एजेंसियों से सीधे जोड़ेगी और चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करेगी।

इस बार चुनाव में तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है। राज्य के सभी 80,719 मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था होगी और लगभग दो लाख सीसीटीवी कैमरों व वेबकैम के जरिए निगरानी की जाएगी। जरूरत पड़ने पर ड्रोन भी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वाड और क्विक रिस्पॉन्स टीमों के वाहनों में 360 डिग्री कैमरों से लाइव स्ट्रीमिंग होगी, जबकि केंद्रीय बलों के जवानों को बॉडी-वॉर्न कैमरे दिए जाएंगे। आयोग ने जिला चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि मतदाताओं को डराने-धमकाने या मतदान से रोकने की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें पद से हटाना या निलंबन भी शामिल है। इन सभी कदमों से साफ है कि इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

# वजन बढ़ा तो नहीं उड़ा पाएंगे विमान, सख्त नियम लागू करने जा रहा एयर इंडिया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एयर इंडिया अपने पायलटों और केबिन क्रू के लिए एक सख्त फिटनेस नीति लागू करने जा रही है। 1 मई से प्रभावी होने वाले इस नए नियम के तहत सभी स्थायी और अनुबंध पर कार्यरत चालक दल के सदस्यों का उड़ान से पहले और बाद में फिटनेस टेस्ट किया जाएगा। इस नीति का मुख्य आधार बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को बनाया गया है। यदि किसी सदस्य का वजन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है, तो उसे विमान उड़ाने या केबिन सेवा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एयरलाइन का स्पष्ट कहना है कि विमानन सेवाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए क्रू मेंबर्स का शारीरिक रूप से फिट होना सुरक्षा और परिचालन की दृष्टि से अनिवार्य है।

नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, बीएमआई की आदर्श सीमा 18 से 24.9 के बीच रखी गई है। यदि किसी सदस्य का बीएमआई 24.9 से अधिक पाया जाता है, तो उसे ओवरवेट की श्रेणी में रखा जाएगा और तत्काल प्रभाव से रोस्टर से हटा दिया जाएगा। ऐसे सदस्यों के वेतन में भी कटौती की जाएगी और वे वजन नियंत्रित करने के बाद ही ड्यूटी पर लौट सकेंगे। वहीं, 18 से कम बीएमआई वाले अंडरवेट सदस्यों को सात दिनों के मेडिकल इवैलुएशन के लिए भेजा जाएगा, जिसका खर्च उन्हें स्वयं वहन करना होगा। यदि वे फंक्शनल असेसमेंट क्लियर नहीं कर पाते हैं, तो उनके भुगतान में तब तक कटौती जारी रहेगी जब तक वे फिटनेस मानक हासिल नहीं कर लेते। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, यह नीति न केवल सुरक्षा मानकों को बढ़ाएगी बल्कि कर्मचारियों को लंबे समय तक स्वस्थ रहकर कार्य करने में भी मदद करेगी।

फिटनेस नियमों के साथ-साथ एयर इंडिया पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अपनी उड़ानों के परिचालन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। ईरान संकट और क्षेत्रीय अस्थिरता के बावजूद, एयर इंडिया समूह ने रविवार को पश्चिम एशिया के लिए कुल 50 उड़ानों के परिचालन की योजना बनाई है। इसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ मिलकर सऊदी अरब के जेद्दा और ओमान की राजधानी मस्कट के लिए 20 नियमित उड़ानें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, संयुक्त अरब अमीरात, रियाद, दम्मम और मस्कट से दिल्ली, मुंबई, कोच्चि और बेंगलुरु जैसे प्रमुख भारतीय शहरों के लिए 30 विशेष उड़ानें संचालित की जा रही हैं। एयरलाइन का उद्देश्य तनावपूर्ण स्थितियों के बीच भी यात्रियों को सुरक्षित और सुचारू हवाई सेवा उपलब्ध कराना है।

# दुनिया जंग में उलझी... इधर भारत समंदर में खलबली मचाने को तैयार

### 3 अप्रैल को नौसेना में शामिल होगा देशी सुपरमैन 'तारागिरी'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान जंग के बीच भारत की समुद्री ताकत और बढ़ने वाली है। अब दुश्मन को भारत का देशी दम दिखाई देगा। दरअसल समंदर में खलबली मचाने को भारत का देशी सुपरमैन यानी शक्ति मान तैयार है। जी हां, स्वदेशी गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तारागिरी' समंदर में अपनी ताकत दिखाने आ रहा है। इसके नौसेना में शामिल होने की तारीख तय हो गई है। खुद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तारागिरी को नौसेना में शामिल करने वाले है। खास बात है कि 'तारागिरी' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है।

जी हां, प्रोजेक्ट 17ए के तहत नीलगिरी क्लास का एडवांस गाइडेड स्टेल्थ फ्रिगेट तारागिरी नौसेना में शामिल होने को तैयार है। नौसेना द्वारा जारी बयान के अनुसार, अगले महीने यानी 3 अप्रैल को विशाखापत्तनम में तारागिरी को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। इस मौके पर रक्षामंत्री सिंह स्वयं इस गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट को नौसेना को समर्पित करने वाले है। वर्ष 2026 की शुरुआत में एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'अंजदीप' को भी नौसेना में शामिल किया गया था।

बात दें कि प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे सात नीलगिरी क्लास के युद्धपोतों में से पहला एडवांस स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरी को जनवरी 2025 में नौसेना में शामिल किया था। इसके बाद इसी वर्ष हिमगिरी और उदयगिरी को भी शामिल किया। अब तारागिरी की बारी है। गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है, जो एंटी-सर्फेस और एंटी-शिप युद्ध में अत्यंत सक्षम है। एंटी-एयर वॉरफेयर के लिए इसमें लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल 'बराक-8', एयर डिफेंस गन और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर के लिए स्वदेशी टॉरपीडो 'वरुणास्त्र' और रॉकेट लांचर लगाए गए हैं।

तारागिरी लंबी दूरी से आने वाले हमलों का पता लगाने, ट्रैक करने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए आधुनिक सोनार, कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम और मल्टी-फंक्शन डिजिटल रडार से लैस है। इस फ्रिगेट में हेलिकॉप्टर हैंगर भी है, जिसमें दो हेलिकॉप्टर आसानी से लैंड कर सकते हैं। प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे सभी सात फ्रिगेट में करीब 75 प्रतिशत उपकरण स्वदेशी कंपनियों से लिए गए हैं। इसका डिजाइन और स्टील भी स्वदेशी है। इसका डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। 6700 टन वजनी यह फ्रिगेट 30 नॉटिकल मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता है।

प्रोजेक्ट 17ए के तहत सात नीलगिरी क्लास गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे हैं। इसमें चार फ्रिगेट मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और तीन गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा बनाए गए हैं। साल 2019 से 2022 के बीच इन सभी को लांच किया जा चुका है। तारागिरी नीलगिरी क्लास का चौथा फ्रिगेट है, जो अब नौसेना में शामिल होने जा रहा है, जबकि बाकी तीन के समुद्री परीक्षण जारी हैं। इन सभी स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट के शामिल होने के बाद समुद्र में भारत की ताकत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

# तमिलनाडु में टमाटरों की कीमतों में भारी गिरावट, किसानों ने तुड़ाई की बंद

## थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति के चलते कीमतों में आई तेज गिरावट

**चेन्नई ।**

तमिलनाडु के कई जिलों में टमाटर उत्पादक गंभीर संकट में हैं क्योंकि बाजार की कीमतों में भारी गिरावट आई है। इसके चलते वे अपनी लागत तक वसूल नहीं कर पा रहे हैं। कई इलाकों में किसानों ने कटाई बंद कर दी है और कम दाम मिलने के कारण पूरी तरह तैयार फसल को खेतों में ही छोड़ दिया है। कीमतों में इस अचानक गिरावट का कारण कई उत्पादन क्षेत्रों से भारी मात्रा में आपूर्ति होना बताया जा रहा है, जिससे थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति हो गई है। इसके चलते कम समय में ही कीमतों में तेज गिरावट आई, जिससे किसान हैरान रह गए और फसल के चरम सीजन में उनकी अपेक्षित आय प्रभावित हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्यापारियों द्वारा पिछले हफ्तों की तुलना में काफी कम दाम दिए जा रहे हैं, जिन किसानों ने खेती में भारी निवेश किया था, वे अब संचालन लागत संभालने में संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि बाजार अतिरिक्त आपूर्ति को समाहित नहीं कर पा रहा है। बढ़ती मजदूरी लागत ने इस संकट को और बढ़ा दिया है। किसानों का कहना है कि कटाई और परिवहन की लागत ज्यादा होने से मौजूदा कीमतें खर्च को भी पूरा नहीं कर पा रही हैं। इसी वजह से नुकसान कम करने के लिए कटाई रोकने का चलन बढ़ रहा है। डिंडीगुल के किसानों ने बताया कि 14 किलोग्राम के एक टमाटर बॉक्स की कीमत घटकर 100 से 150 रुपए रह गई है, जबकि कुछ हफ्ते पहले यह 400 से 600 रुपए थी। वहीं, मजदूरी लागत करीब 400 रुपये प्रतिदिन है।रिपोर्ट के मुताबिक गिरती कीमतों और बढ़ती लागत के संयुक्त प्रभाव से कई किसानों ने नुकसान से बचने के लिए तोड़ाई बंद कर दी है। कई किसानों ने स्थिर बाजार की उम्मीद में खेती का विस्तार किया था लेकिन अब वे बढ़ते आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। कटाई की लागत लगभग 80 रुपए प्रति बॉक्स आंकी जा रही है लेकिन मौजूदा बाजार मूल्य बुनियादी खर्च भी नहीं निकाल पा रहा, जिससे किसानों का नुकसान और बढ़ रहा है।धर्मपुरी जिले में कीमतों में हल्की सुधार के संकेत मिले हैं, जहां हाल की बारिश के बाद आपूर्ति कम होने से कीमतें 13 से 15 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंची हैं। हालांकि, किसानों का कहना है कि बाजार अभी भी अस्थिर और अनिश्चित बना हुआ है। तिरुचिरापल्ली जिले के मरुंगापुरी क्षेत्र में भी स्थिति ऐसी ही है, जहां

किसानों ने कटाई रोक दी है। तोड़ाई और परिवहन की लागत करीब 3,000 रुपये प्रति एकड़ होने के कारण मौजूदा कीमतों पर काम जारी रखना संभव नहीं है।विशेषज्ञों ने दीर्घकालिक समाधान की जरुरत पर जोर देते हुए बेहतर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं और न्यूनतम समर्थन तंत्र जैसे उपायों की जरूरत बताई है, ताकि किसानों को बार-बार होने वाली कीमत गिरावट से बचाया जा सके और उन्हें स्थिर आय तय हो सके।

# जैकब एंड कंपनी ने पेश की हीरों से जड़ी 30 करोड़ की मास्टरपीस घड़ी

### एंजेल कट हीरों और डबल फ्लाइंग टूरबिलन तकनीक से दमकती है यह दुर्लभ घड़ी

**नई दिल्ली ।**

लग्जरी वॉच मेकर जैकब एंड कंपनी ने अपनी नई मास्टरपीस घड़ी पेश की है, जो कीमत और चमक दोनों में ही अपने आप में एक रिकॉर्ड स्थापित करती है। लगभग 30 करोड़ रुपये की इस घड़ी की सबसे बड़ी खासियत है इसमें इस्तेमाल किए गए एंजेल कट हीरे, जो इसे बेहद विशिष्ट और भव्य बनाते हैं। सामान्य हीरों की तुलना में इसमें 37 फेसेट्स (पहलु) दिए गए हैं, जिससे यह हर एंगल से रोशनी को रिफ्लेक्ट करती है और साधारण हीरों के मुकाबले कई गुना अधिक चमकदार दिखाई देती है। इस घड़ी के निर्माण में दुनिया की सबसे महंगी सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है। घड़ी में कुल 298 सफेद हीरे जड़े गए हैं, जिनमें से 50 कैरेट के 98 एंजेल कट हीरे केवल बेजल में ही लगे हैं। इसका केस 18 कैरेट वाइट गोल्ड का बना है और इसका आकार 54 गु` णित 41 मिमी है, जो इसे देखने में और पहनने में बेहद प्रीमियम अनुभव देता है। घड़ी की मशीनरी भी उतनी ही खास है जितना कि इसका बाहरी हिस्सा। इसमें डबल फ्लाइंग टूरबिलन मैकेनिज्म का इस्तेमाल किया गया है, जो गुरुत्वाकर्षण के असर को कम कर समय को अत्यंत सटीक रूप से बताने में मदद करता है। जैकब एंड कंपनी ने इस घड़ी को बेहद दुर्लभ रखा है। दुनिया भर में इसके केवल 18 पीस ही बनाए गए हैं। इसका मतलब है कि केवल दुनिया के सबसे अमीर 18 लोग ही इस नायाब घड़ी को पहन पाएंगे। यह घड़ी न केवल लक्ज़री का प्रतीक है, बल्कि तकनीकी परिष्कार और बेहतरीन डिज़ाइन का भी शानदार उदाहरण है।

# इनोविजन का शेयर 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध

### बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया

**नई दिल्ली ।**

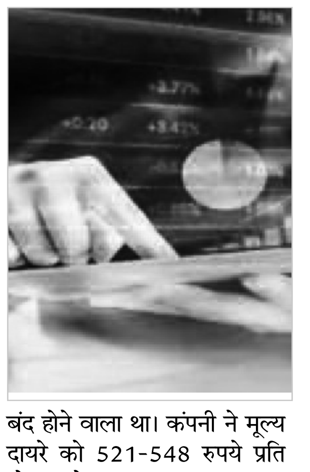

मानव संसाधन एवं टोल प्लाजा प्रबंधन सेवाएं देने वाली कंपनी इनोविजन लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 519 रुपये के मुकाबले 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 10.21 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

दूसरी ओर, एनएसई पर यह 9.88 प्रतिशत टूटकर 467.70 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 914.67 करोड़ रुपये रहा। इनोविजन लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को` पिछले मंगलवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 3.32 गुना अभिदान मिला था। इनोविजन ने निवेशकों से मिली ठंडी प्रतिक्रिया के बाद अपने आईपीओ की अंतिम तिथि बढ़ाकर 17 मार्च कर दी थी और साथ ही मूल्य दायरा भी घटा दिया था। आईपीओ पहले 12 मार्च को बंद होने वाला था। कंपनी ने मूल्य दायरे को 521-548 रुपये प्रति शेयर से घटाकर 494-519 रुपये प्रति शेयर कर दिया था। हरियाणा स्थित इस कंपनी के आईपीओ में 255 करोड़ रुपये के नए शेयर और 12.38 लाख शेयर का बिक्री पेशकश (ओएफएस) का प्रस्ताव शामिल था।कंपनी की योजना नए निर्गम हासिल धनराशि का उपयोग ऋण के भुगतान, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने की है।

# भू-राजनीतिक तनाव के बीच क्रूड की कीमतें 10 फीसदी बढ़ने का अनुमान

### ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक तेल बाजार में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने 2026 के लिए कच्चे तेल की कीमतों का अनुमान काफी बढ़ा दिया है। बैंक ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति में भारी बाधा वैश्विक क्रूड बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा सप्लाई शॉक बन सकती है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत अब 85 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पहले के 77 डॉलर के अनुमान से 10.38 फीसदी अधिक है। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड का अनुमान भी बढ़ाकर 79 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है। यह जानकारी बैंक के विश्लेषक ने अपनी रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के अनुसार यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति छह हफ्तों तक केवल 5 फीसदी क्षमता पर बनी रहती है, तो पश्चिम एशिया में उत्पादन नुकसान 1.1 करोड़ बैरल/दिन से बढ़कर 1.7 करोड़ बैरल/दिन तक पहुंच सकता है। आपूर्ति बहाल होने में चार हफ्ते लगने पर कुल नुकसान 800 मिलियन बैरल से अधिक हो सकता है। बैंक ने चेतावनी दी है कि यह अभूतपूर्व संकट नीति

निर्माताओं और निवेशकों को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की संरचनात्मक कमजोरियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। तेल बाजार पर अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर साफ दिखा। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.32 फीसदी चढ़कर 101.50 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। हालांकि एशिया में आपूर्ति सख्त हो रही है, लेकिन अमेरिका और यूरोप में भंडार बढ़ने से संकेत मिलता है कि संघर्ष से पहले वैश्विक आपूर्ति मांग से अधिक थी।

# अदाणी ग्रीन एनर्जी ने गुजरात में 510 मेगावाट की नई परियोजनाएं शुरू कीं

**नई दिल्ली ।**

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के खावड़ा में 510 मेगावाट की नई बिजली परियोजनाओं को चालू कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को यह सूचना दी। इन परियोजनाओं के साथ कंपनी की कुल संचालित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता अब 17,982.3 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह 510.1 मेगावाट की परियोजनाएं कंपनी की अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से संचालित की गई हैं। कंपनी ने बताया कि आवश्यक सरकारी मंजूरियों के बाद इन संयंत्रों को 22 मार्च से चालू किया गया। अदाणी ग्रीन एनर्जी भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है और यह नई परियोजनाएं कंपनी की स्वच्छ और सतत ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा हैं।

# 1 अप्रैल से कई बड़े लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे

**नई दिल्ली ।**

1 अप्रैल से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स कानून में पैन कार्ड की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। सरकार का दावा है कि नए नियम नौकरीपेशा, व्यवसायी और मध्यम वर्ग के लिए सुविधा बढ़ाएंगे, लेकिन कई तरह के लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे। नई वित्तीय वर्ष से पैन कार्ड के बिना कई बड़े लेनदेन पूरे नहीं होंगे। इनमें शामिल हैं- 10 लाख रुपये से अधिक लेनदेन, 5 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के वाहन की खरीद, महंगे होटल बुकिंग, 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य वाली संपत्ति की खरीद या बिक्री। इसके अलावा एलटीसी और होम लोन पर टैक्स छूट पाने के लिए भी पैन जरूरी होगा। रकार ने बच्चों की ट्यूशन फीस पर मिलने वाली टैक्स छूट को बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह कर दिया है। हॉस्टल खर्च की छूट भी बढ़कर 9,000 रुपये प्रति माह हो गई है। यह छूट केवल दो बच्चों तक ही लागू होगी। लेकिन इन छूटों का लाभ पाने के लिए पैन कार्ड अनिवार्य है। 1 अप्रैल के बाद एचआरए के तहत टैक्स छूट लेने के लिए मकान मालिक का नाम, पता और पैन कार्ड देना होगा। पुराने टैक्स रिजीम के तहत जमा किए जाने वाले दस्तावेज अब और सख्त होंगे। नए नियमों के अनुसार, पैन बनवाने के लिए अब आधार के साथ जन्म प्रमाण पत्र देना जरूरी होगा। नया पैन कार्ड नाम के बिना जारी किया जाएगा और केवल संख्या और जरूरी जानकारी शामिल होगी। यह कदम धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड रोकने के लिए उठाया गया है।

# भारतीय प रिवारों के घरों में रखा सोना अब देश की जीडीपी से भी बड़ा

### जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 445 लाख करोड़ के पार

**नई दिल्ली ।**

भारतीयों का सोने के साथ रिश्ता केवल निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, सांस्कृतिक महत्व और सुरक्षा की भावना से भी जुड़ा हुआ है। लेकिन हालिया आंकड़े यह दिखाते हैं कि यह संबंध अब देश की पूरी अर्थव्यवस्था (जीडीपी) को भी पीछे छोड़ चुका है। जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 445 लाख करोड़ रुपये) को पार कर चुकी है। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार 2025-26 में भारत की कुल जीडीपी 4.125 ट्रिलियन डॉलर रहने की उम्मीद है। यानी भारतीय घरों में रखा सोना देश की सालाना कमाई से लगभग 125 फीसदी अधिक मूल्यवान है। सीधे शब्दों में कहें, अगर भारत के सभी घरों का सोना एक साथ रखा जाए, तो यह पूरी देश की अर्थव्यवस्था से अधिक मूल्यवान साबित होगा। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की ताजा रिपोर्ट इस आंकड़े को और दिलचस्प बनाती है। जनवरी 2026 तक घरों में रखा सोना बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों की कुल मार्केट कैप (460 लाख करोड़ रुपये) के लगभग बराबर पहुंच चुका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीयों का भरोसा बैंक डिपॉजिट या शेयर बाजार से कहीं अधिक सोने पर

है। आज घरों में जमा सोने की कीमत बैंकों और शेयर बाजार में निवेश के कुल योग का 1.75 गुना है। पिछले कुछ सालों में सोने के प्रति दीवानगी तेजी से बढ़ी है; मार्च 2019 में घरों में रखे सोने की वैल्यू 109 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब चार गुना बढ़ चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब पैसा सोने में बंधा रहता है तो यह डेड एसेट बन जाता है और बाजार में घूमकर विकास में योगदान नहीं करता। इसके अलावा, भारत अपनी सोने की जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए यह घरेलू पूंजी का बाहर जाना भी माना जाता है। वर्तमान में भारतीयों की गैर-रियल एस्टेट संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा केवल सोने में बंद है, जो निवेश और परंपरा का अनोखा मिश्रण दर्शाता है।

# महाराष्ट्र में 20 प्रतिशत बढ़ाई गई रेस्तरां व भोजनालयों को पीएनजी की आपूर्ति- मंत्री

**मुंबई ।**

महाराष्ट्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने यह जानकारी दी और कहा कि इससे रेस्तरां एवं भोजनालयों को राहत मिलेगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने कारोबारियों के लिए पीएनजी वितरण में ढील देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा` कि 23 मार्च से अगले आदेश तक व्यावसायिक पीएनजी आपूर्ति में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही व्यावसायिक क्षेत्र के लिए आपूर्ति बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगी।पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद व्यावसायिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई जिससे रेस्तरां और भोजनालयों पर असर पड़ा। गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण कई खानपान केंद्रों को अपना संचालन अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। भुजबल ने कहा कि संकट शुरू होने के बाद व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी आपूर्ति पहले 20 प्रतिशत तक बढ़ाई गई थीं इसके बाद इसमें 10 प्रतिशत की और वृद्धि की गई। अब आपूर्ति में अतिरिक्त 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। होटल उद्योग की ओर से रेस्तरां और भोजनालयों को गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की जा रही थी। भुजबल ने पहले कहा था कि घरेलू उपयोग को प्राथमिकता देने संबंधी केंद्र सरकार की सलाह के बाद होटल मालिकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर राज्य सरकार विचार करेगी।

# भारत की स्टार्टअप डीपग्रिड सेमी करेगी एआई चिप्स में निवेश, जुटाएगी 25 करोड़

### वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजल इन्वेस्टर के साथ चल रही बातचीत

**मुंबई ।**

तेलंगाना के टी-हब द्वारा समर्थित सेमीकंडक्टर स्टार्टअप डीपग्रिड सेमी अपने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) संचालित` सिस्टम आन ` चिप (एसओसी) समाधानों के लिए 25 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। ये एसओसी समाधान एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) के लिए विकसित किए जा रहे हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार तकनीकी जानकारी हासिल कर ली गई है और इसे फिलहाल एफपीजीए (फील्ड-प्रोग्रामेबल गेट एरे) पर लागू किया जा रहा है। जहां एक चिपसेट की कीमत लगभग 35,000 रुपये है। अगर हम इसकी कीमत 3,000 रुपये तक लाना चाहते हैं तब हमें टेप-आउट की जरूरत है जिसकी लागत लगभग 30 लाख डॉलर आएगी। तेलंगाना सरकार के टी-हब द्वारा समर्थित इस स्टार्टअप का लक्ष्य अगले 10 महीनों में इन एसओसी चिपसेट का टेप-आउट पूरा करना है।

यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजल इन्वेस्टर के साथ उनकी बातचीत कैसी रहती है। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए डीपग्रिड सेमी एफपीजीए के कई यूज केस पर जोर दे रही है ताकि उत्पाद बाजार में इसे दिखाया जा सके। एफपीजीए असल में एक सेमीकंडक्टर इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) है जो उपयोगकर्ताओं को मैन्युफैक्चरिंग के बाद लॉजिक ब्लॉकों और इंटरकनेक्ट्स को कॉन्फिगर और इसकी दोबारा प्रोग्रामिंग करने की सुविधा देता है। ये आईसी फील्ड ट्रायल के आधार पर जल्दी अपडेट हो सकते हैं। अधिकारी ने कहा` कि हमने ह्यूमनॉयड्स, ऑटोनॉमस मोबाइल रोबोट्स (एएमआर) और सी पोर्ट्स के लिए ऑटोमेटेड गाइडेड व्हीकल्स (एजीवी) पर कुछ फील्ड ट्रायल किए हैं। हमारे लिए यूज केस पर ध्यान केंद्रित करना बेहतर है क्योंकि हम पैसे जुटा रहे हैं।

जब हम पैसा जुटा लेंगे तब भी हम केवल अपने यूज केस को बढ़ाना चाहेंगे। कंपनी कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक एवं निजी वाहन निर्माताओं से भी बातचीत कर रही है जो भारत में अपनी गाड़ियां बनाते हैं, ताकि एडीएएस चिप के फील्ड ट्रायल किए जा सकें।

# सर्वोच्च न्यायालय ने रेरा और उपभोक्ता कानून के दोहरे इस्तेमाल पर लगाई रोक

### एक ही विवाद में दोनों का क्रमिक या समानांतर इस्तेमाल नहीं हो सकता

**नई दिल्ली ।**

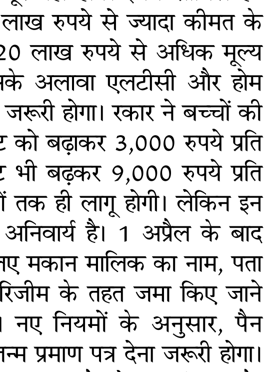

सर्वोच्च न्यायालय ने मैसर्स काबरा ऐंड एसोसिएट्स बनाम रेखा राजकुमार हेमदेव एवं अन्य मामले में कहा है कि यदि कोई पक्ष रियल एस्टेट (नियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 (रेरा) के तहत राहत मांग रहा है, तो वह बाद में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उसी मामले के लिए उपभोक्ता अदालत का रुख नहीं कर सकता। अदालत ने इस मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का पिछला फैसला खारिज कर दिया। किंग स्टब्स ऐंड कासिवा के पार्टनर अमृता वर्षिणी श्रीधर ने बताया कि अदालत ने जोर देकर कहा कि दोनों कानून मकान खरीदारों को समाधान देते हैं, लेकिन एक ही विवाद में दोनों का क्रमिक या समानांतर इस्तेमाल नहीं हो सकता। इसका उद्देश्य फोरम के अनावश्यक इस्तेमाल और मामलों की अधिकता को रोकना है। बीएमआर लीगल के पार्टनर शांकी अग्रवाल ने कहा कि अदालत ने समाधान चुनने के सिद्धांत पर दृढ़ता से जोर दिया है। इससे मकान खरीदारों के लिए विकल्प समाप्त नहीं होते, बल्कि फोरम चयन प्रारंभिक और बाध्यकारी बन जाता है। रेरा मुख्य रूप से मकान कब्जा देने में देरी, रिफंड के दावे, परियोजना खुलासे और बिल्डर के दायित्व जैसे मामलों से निपटता है। इसके क्षेत्रीय केंद्रों और विशेष प्रक्रिया के कारण यह रियल एस्टेट विवादों का तेज़ और व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है। रेरा अधिकारी बिल्डरों को परियोजना समय-सारणी का पालन करने, ब्याज सहित रकम वापस करने और वैधानिक उल्लंघन सुधारने के निर्देश दे सकते हैं। एक्विलॉ की पार्टनर आस्था शर्मा ने बताया कि रेरा स्वीकृत योजनाओं को लागू कर सकता है, पांच साल के भीतर ढांचागत खामियों को ठीक करवाने और डिफॉल्ट करने वाले डेवलपर्स के लिए तीन साल तक की जेल जैसी कार्रवाई कर सकता है। यहां तक कि गैर-पंजीकृत परियोजनाओं में भी शिकायतों की जांच संभव है।

# रुपया 41 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 93.94 डॉलर पर

### - रुपया शुक्रवार को 64 पैसे टूटकर 93.53 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था

**मुंबई ।**

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 41 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और सुबह के सत्र में घरेलू शेयर बाजारों में आई भारी गिरावट ने स्थानीय मुद्रा को और कमजोर कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.84 पर खुला। हालांकि बाद में यह लुढ़कता हुआ 93.94 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 41 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

# अब 14.2 किलो के रसोई गैस सिलेंडर में मिलेगी सिर्फ 10 किलो गैस?

**नई दिल्ली ।**

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब भारत की रसोई तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। खाड़ी देशों से एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद तेल विपणन कंपनियां घरेलू सिलेंडरों में गैस की मात्रा कम करने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पारंपरिक 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर में केवल 10 किलोग्राम गैस भरकर वितरण करने की योजना पर चर्चा हो रही है, ताकि सीमित स्टॉक को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जा सके। इस संकट की बड़ी वजह स्ट्रेट आफ होर्मुज में पैदा हुई बाधाएं हैं, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल-गैस मार्गों में से एक है। मौजूदा हालात में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे भारत आने वाली गैस सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि कई एलपीजी टैंकर इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं, जिससे आने वाले दिनों में किल्लत की आशंका और गहरा सकती है।

तय करनी होंगी। अधिकारियों का मानना है कि 10 किलो गैस एक औसत परिवार के लिए लगभग एक महीने तक पर्याप्त हो सकती है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

संक्षिप्त

### न्यूज़ीलैंड शुरू करेगा फ्रैंचाइज़ी आधारित एनजेड 20 लीग

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने घरेलू और विश्व क्रिकेट के टी-20 प्रारूप में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए फ्रैंचाइजी आधारित एनजेड 20 लीग शुरू करने की घोषणा की है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) की हुई बैठक में विचार विमर्श के बाद घरेलू टी-20 प्रारूप के भविष्य के लिए सुपर स्मैश की जगह एनजेड 20 को अपना पसंदीदा विकल्प चुना है। बोर्ड ने अपनी नई फ्रैंचाइजी आधारित टी20 लीग 'एनजेड20' शुरू करने का फैसला किया। बोर्ड का मानना है कि इससे घरेलू और युवा क्रिकेटरों को लाभ होगा। बोर्ड की चेयरपर्सन डायना पुकेटापु-लिंडन ने कहा, " प्रस्तावों की खूबियों पर विस्तार से चर्चा हुई, और बोर्ड इस नतीजे पर पहुंचा कि अब हमारे 21 साल पुराने सुपर स्मैश टूर्नामेंट को फिर से जिंदा करने का सही समय है। शुरुआती एनजेड 20 प्रस्ताव में कई बदलावों की जरूरत होगी, खासकर नए टूर्नामेंट में महिलाओं के खेल की स्थिति के संबंध में।"

### एशियाई टीम स्क्वाश चैम्पियनशिप स्थगित

कराची, एजेंसी। इस्लामाबाद में अगले महीने होने वाली एशियाई टीम स्क्वाश चैम्पियनशिप खाड़ी में जारी संघर्ष के कारण स्थगित कर दी गई है। यह चैम्पियनशिप 14 से 18 अप्रैल के बीच होनी थी। एक अधिकारी ने बताया ,'' एशियाई स्क्वाश महासंघ ने हमें बताया कि संघर्ष के कारण क्षेत्र के मौजूदा हालात को देखते हुए इस समय यह टूर्नामेंट करा पाना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि हालात सुधरने पर पाकिस्तानी स्क्वाश महासंघ सितंबर में इसे करा सकता है ।

यह पूछने पर कि क्या भारतीय स्क्वाश महासंघ ने टीम भेजने पर मंजूरी दी थी, अधिकारी ने कहा कि टीमों की भागीदारी की पुष्टि एशियाई महासंघ देख रहा है ।

### क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने टेस्ट पिच पर अधिक नियंत्रण की बात को खारिज किया

मेलबर्न, एजेंसी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने टेस्ट पिच की तैयारी पर अधिक नियंत्रण रखने की बात को खारिज करते हुए कहा कि साल की शुरूआत में एशेज श्रृंखला के दौरान आलोचना के बावजूद स्थानीय क्यूरेटर ही अच्छी और अनूठी पिचें तैयार करने के लिये सबसे सही लोग हैं । पर्थ और एमसीजी टेस्ट दो दिन के भीतर खत्म होने के कारण क्रिकेट आस्ट्रेलिया को 15 मिलियन डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा था जिससे वहां की पिचों को लेकर भी काफी आलोचना हुई।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीन ने स्वीकार किया कि टेस्ट मैचों का जल्दी खत्म होना व्यवसायिक दृष्टि से बुरा है।

सीए के संचालन प्रमुख पीटर रोच ने आस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस से कहा ,'' यह अकल्पनीय है कि हम अभी जितना नियंत्रित करते हैं, उससे अधिक कर पायेंगे। उन्होंने कहा ,'' इंग्लैंड में आप एक केंद्रीय क्यूरेटर को रख सकते हैं या न्यूजीलैंड या दक्षिण अफ्रीका में क्योंकि विकेट , मिट्टी और मौसम एक जैसे हैं।

### कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में हम्पी की जगह यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक

नयी दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को साइप्रस में होने वाले आगामी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में कोनेरू हम्पी की जगह शामिल किया गया है चूंकि भारतीय ग्रैंडमास्टर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सुरक्षा कारणों से नाम वापिस ले लिया था। शनिवार से पाफोस में शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट से विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का निर्धारण होगा । इस समय ओपन वर्ग में डी गुकेश और महिला वर्ग में जू वेंजुन विश्व चैम्पियन हैं। दो बार महिला विश्व रैपिड चैम्पियन हम्पी ने आयोजकों से आश्वासन मिलने के बावजूद निजी सुरक्षा को लेकर चिंता का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया।

# तय समय पर होगा आईपीएल 2026

## फ्रेंचाइजी करेंगी विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी पर फैसला

- **सिर्फ चोटिल खिलाड़ी ही अभी तक टीम से नहीं जुड़े हैं**
- **कुछ अन्य खिलाड़ी वर्कलोड से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए ऐसा कर रहे हैं।**

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का सीजन तय योजना के अनुसार ही आगे बढ़ेगा, जिसमें कुछ विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता और भागीदारी का फैसला फ्रैंचाइजी करेंगी। आईपीएल के एक अधिकारी ने यह जानकारी सोमवार को दी है। यह बयान टूर्नामेंट से पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच आया है।

जहां कुछ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चोटों के कारण अभी तक अपनी-अपनी टीमों से नहीं जुड़ पाए हैं, वहीं कुछ अन्य खिलाड़ी वर्कलोड (काम के बोझ को नियंत्रित करने) की योजनाओं के तहत टूर्नामेंट से बाहर रह सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने भी बताया कि वे मिचेल स्टार्क की भागीदारी पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिला है, जबकि वे उनके वर्कलोड पर नजर रख हुए हैं। हालांकि, भागीदारी को अंतिम रूप देने की जिम्मेदारी पूरी तरह से फ्रेंचाइजी की ही है।

आईपीएल के एक अधिकारी ने बताया, "कुछ विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी पर फैसला करना फ्रेंचाइजी के ऊपर है, जो टूर्नामेंट में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। सिर्फ चोटिल खिलाड़ी ही अभी तक टीम से नहीं जुड़े हैं, जबकि कुछ अन्य खिलाड़ी वर्कलोड से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए ऐसा कर रहे हैं। यह फैसला फ्रेंचाइजी ही करेंगी। आईपीएल अपने तय कार्यक्रम के अनुसार ही और पूरे जोश के साथ शुरू होगा।"

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना आईपीएल 2026 के शुरुआती चरण में नहीं खेलेंगे, जिसकी पुष्टि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हेड कोच अभिषेक नायर ने पुष्टि की है। पथिराना अप्रैल के मध्य से ही उपलब्ध हो पाएंगे। इसी तरह, पैट कमिंस भी अपनी टीम से देर से जुड़ेंगे, जिसके चलते भारत के विश्व कप विजेता खिलाड़ी ईशान किशन को अंतरिम कप्तान बनाया गया है। श्रीलंका के दासुन शनाका भी राजस्थान रॉयल्स में सैम करन की जगह शामिल हो सकते हैं, जो चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

इन चिंताओं के बावजूद, लीग को टूर्नामेंट की सुचारू शुरुआत का पूरा भरोसा है। आईपीएल का 19वां संस्करण 28 मार्च से शुरू होगा। पहला मैच मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीजन 10 टीमों के बीच कुल 74 मुकाबले खेले जाने हैं।

## नामीबिया ने घरेलू लीग 2 ट्राई-सीरीज के लिए जेजे स्मिट को बनाया कप्तान

- **नामीबिया अभी लीग 2 की स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है**

विंडहोक, एजेंसी। नामीबिया ने अगले महीने यहां ओमान और स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाली आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 ट्राई-सीरीज के लिए ऑलराउंडर जेजे स्मिट को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है।

तीनों टीमें चल रही लीग 2 प्रतियोगिता के हिस्से के तौर पर दो अप्रैल से कुल छह मैच खेलेंगी। इस टूर्नामेंट के आखिर में शीर्ष चार टीमों को अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के मुख्य क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में जगह मिलेगी।

नामीबिया अभी लीग 2 की स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है और शीर्ष चार टीमों की दौड़ में बने रहने के लिए उसे घरेलू मैदान पर कुछ अच्छे नतीजों की जरूरत होगी।

स्मिट विंडहोक में होने वाली ट्राई-सीरीज में जेजे स्मिट कप्तान की भूमिका निभाएंगे। नामीबिया ने 15 सदस्यीय टीम में विलियम लॉटरिंग और जैचियो जानसेन वैन वुरेन जैसे नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। इस टीम में कई ऐसे स्टार खिलाड़ी भी हैं जिन्होंने हाल ही में हुए आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में हिस्सा लिया था।

इस सीरीज में नामीबिया का पहला मैच 4 अप्रैल को ओमान के खिलाफ होगा।

एड्रियन डिसूजा: भारतीय हॉकी का जुझारू गोलकीपर

## अजलान कप में देश को दिलाया स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। एड्रियन डिसूजा की गिनती भारतीय हॉकी के जुझारू गोलकीपर में की जाती है। एड्रियन ने भारतीय टीम के लिए अपना इंटरनेशनल डेब्यू साल 2004 में किया था। वह साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक और 2006 में खेले गए विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे।

एड्रियन डिसूजा ने भारत के लिए 100 से ज्यादा इंटरनेशनल मुकाबले खेले और अपनी शानदार गोलकीपिंग के दम पर भारत को कई मैचों में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। एड्रियन का जन्म 24 मार्च 1984 को मुंबई के मलाड में हुआ। एड्रियन को शुरुआत से ही हॉकी के खेल में खास रुचि थी और उम्र बढ़ने के साथ-साथ इस खेल से उनका लगाव भी बढ़ता चला गया। हालांकि, एड्रियन के लिए राह आसान नहीं थी। इसका कारण था कि उस समय इस खेल में सुविधाएं काफी कम थीं। क्रिकेट के मुकाबले हॉकी को कम महत्व मिलता था, जिससे आगे बढ़ना आसान नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने मेहनत जारी रखी और स्थानीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करके अपनी जगह बनाते चले गए।

एड्रियन साल 2004 में खेले गए एथेंस ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा रहे। साल 2004 में एड्रियन को प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से भी नवाजा गया। इसके बाद साल 2006 में हुए विश्व कप में भी एड्रियन डिसूजा ने अपने खेल से काफी प्रभावित किया। एशिया कप 2007 में एड्रियन ने भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम किरदार निभाया। उन्होंने टूर्नामेंट में कई गोल का बचाव किया।

वहीं, 2009 में सुल्तान अजलान शाह कप में भी एड्रियन गोल पोस्ट के सामने चट्टान की तरह खड़े रहे और उन्होंने देश को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वह इसी टूर्नामेंट में साल 2007 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे। 2006 में एड्रियन डिसूजा को राज्य सरकार ने छत्रपति शिवाजी अवॉर्ड से सम्मानित किया।

हॉकी के खेल में एड्रियन डिसूजा को 'रशिंग तकनीक' को लोकप्रिय बनाने के लिए भी जाना जाता है। रशिंग तकनीक एक आक्रामक तकनीक है, जिसमें खिलाड़ी तेजी से रक्षात्मक क्षेत्र से निकलकर विरोधी के गोल क्षेत्र पर हमला करते हैं। हालांकि, साल 2012 में एड्रियन डोपिंग विवाद में भी फंसने के बाद एड्रियन डिसूजा की भारतीय टीम में दोबारा वापसी नहीं हो सकी। डोपिंग विवाद के चलते उन पर एक साल का बैन लगा दिया गया था। हालांकि, एड्रियन की अपील के बाद इस बैन को बाद में घटाकर तीन महीने का कर दिया गया था।

## भारतीय इंडोर एथलेटिक्स के नये युग की शुरूआत

भुवनेश्वर, एजेंसी। भारत संकरे ट्रैक और एक समान हालात वाले इंडोर एथलेटिक्स में अपने सफर की औपचारिक शुरुआत मंगलवार से यहां शुरू हो रही पहली राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के जरिये करेगा जबकि दो साल बाद इसी स्थान पर उसे विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी करनी है।

पिछले सप्ताह भारत को विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी मिली है जो इसी स्थान पर तीन से पांच मार्च, 2028 में होगी। भारत में पहली बार ट्रैक और फील्ड की विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन होगा। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप दो दिन तक चलेगी। भारत में शीर्ष स्तर की इंडोर सुविधाओं के अभाव में इंडोर एथलेटिक्स उतना लोकप्रिय नहीं रहा है। कुछ भारतीय हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी करते आये हैं। इंडोर स्पर्धाओं में खिलाड़ी संकरे ट्रैक पर उतरते हैं। आउटडोर 400 मीटर ट्रैक चौड़े और सपाट टर्न वाले होते हैं।

## कोर्डा ने अल्काराज को मियामी ओपन से बाहर किया

- **कोर्डा चौथे राउंड में 14वीं सीड वाले कैरेन खाचानोव या क्वालिफ़ायर मार्टिन लैंडालूस का सामना करेंगे**

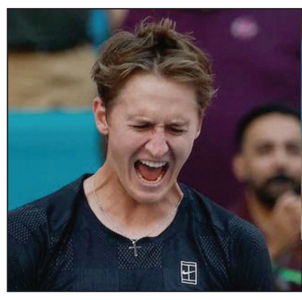

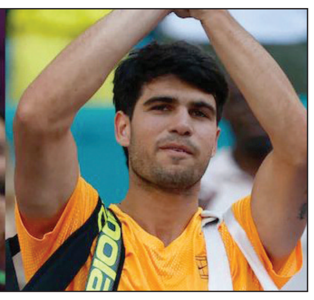

फ्लोरिडा (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने तीसरे दौर के मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को मियामी ओपन से बाहर कर दिया।

दो घंटे 19 मिनट तक चले मुकाबले में स्पेन के दिग्गज अल्काराज को दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी कोर्डा से 6-3, 5-7, 6-4 से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ कोर्डा टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बना ली है।

शीर्ष वरीयता प्राप्त अल्काराज ने पहले सेट में ढीला खेल दिखाया, जिससे अमेरिकी खिलाड़ी को शुरुआती बढ़त मिल गई, लेकिन दूसरे सेट में ऐसा लगा कि कोर्डा ने अपना मौका गंवा दिया है। कोर्डा ने 5-4 के स्कोर पर मैच के लिए सर्व किया, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने उनकी सर्विस तोड़ दी और अगले दो गेम जीतकर मैच को तीसरे सेट तक खींच लिया। अल्काराज ने अपना खेल तेज किया, लेकिन कोर्डा ने अपना संयम बनाए रखा और तीसरे सेट में 4-3 से बढ़त बना ली, जब उनके विरोधी ने फोरहैंड शॉट बाहर मार दिया। कोर्डा ने आत्मविश्वास के साथ अपनी अगली दो सर्विस गेम जीतीं और मैच अपने नाम कर लिया – अल्काराज के रिटर्न शॉट के बाहर जाने पर उन्होंने अपने दूसरे मैच पॉइंट पर जीत पक्की कर ली।

मैच के बाद अल्काराज ने कहा, "मुझे लगता है कि यह प्रक्रिया अच्छी रही है। आज की हार को छोड़कर, मुझे लगता है कि मैं अभी भी सही रास्ते पर हूं। पिछले कुछ टूर्नामेंट में कुछ ऐसी चीजें थीं जिनके साथ मैं सहज महसूस नहीं कर रहा था, लेकिन मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में, मैं धीरे-धीरे बेहतर महसूस करने लगा हूं।"

कोर्डा चौथे राउंड में 14वीं सीड वाले कैरेन खाचानोव या क्वालिफ़ायर मार्टिन लैंडालूस का सामना करेंगे।

मैच जीतने के बाद कोर्डा ने कहा, "बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने थोड़ा लंबा रास्ता चुना, यह तो पक्का है – जितना मैं चाहता था, उससे थोड़ा ज़्यादा तनाव हुआ, लेकिन मैं अपने खेल से खुश हूं। मैंने अपना विश्वास बनाए रखा। मैं कुछ मुश्किल हालात में फँस गया था, लेकिन मैंने हार नहीं मानी और आखिर में बहुत अच्छा खेला।"

## कोहली ने आईपीएल के 18 साल के सफर को किया याद

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लंबे इंतजार के बाद मिले पहले खिताब की जीत के उस भावुक पल को बयां करते हुए कहा कि आखिरी गेंदों का इंतजार उस रात का सबसे मुश्किल हिस्सा था।

कोहली ने उन पलों का याद करते हुए कहा, "पिछले 18 सालों का पूरा सफर मेरी आंखों के सामने घूम रहा है। उन्होंने कहा कुल मिलाकर, यह हम सभी के लिए एक शानदार रात थी। सच कहूं तो, यह मेरे लिए काफी अवास्तविक था, जब आखिर में सब कुछ हो रहा था तो यह अविश्वसनीय लग रहा था। आंखों के सामने बहुत सी चीजें घूम गईं। पिछले 18 सालों का पूरा सफर। सारे उतार-चढ़ाव, सारे अच्छे पल, बुरे पल। उन्होंने कहा कि आखिरी कुछ गेंदों का इंतजार करना शायद उस रात का सबसे मुश्किल हिस्सा था।"

इस अनुभवी बल्लेबाज ने इस बात पर बल दिया कि यह जीत उन लोगों के लिए खास मायने रखती थी जो आरसीबी टीम का हिस्सा शुरू से ही रहे हैं। उन्होंने रमेश माने जैसे सपोर्ट स्टाफ सदस्यों के साथ फ्रैंचाइजी के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद किया।

उन्होंने कहा, "आरसीबी में हम सभी के लिए यह एक बहुत ही खास रात थी। मैं पहले दिन से ही यहां हूं और रमेश माने भी। हम शायद आरसीबी ग्रुप के सबसे पुराने सदस्य हैं। जब हम फाइनल में पहुंचे, तो मुझे एक शांत आत्मविश्वास महसूस हुआ। लेकिन आप यह भी समझते हैं कि यह कोई आसान काम नहीं होने वाला है। यह एक फ़ाइनल है और दूसरी टीम भी है जिसने वहाँ तक पहुंचने के लिए सच में बहुत अच्छा खेला है।"

कोहली ने कहा कि लीग में पहले मिली हारों के ज़ख्मों ने टीम की सोच को गढ़ने में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें दबाव में भी अपना ध्यान केंद्रित रखने में मदद मिली।

उन्होंने कहा, "अतीत में जो मौके हमारे हाथ से लगभग निकल गए थे। जब हम फ़ाइनल तक पहुंचे, लेकिन जीत नहीं पाए उसे देखते हुए, मुझे लगता है कि उस इतिहास ने हमें अपना संयम बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा दी। खासकर वह आखिरी ओवर, जब आपको पता होता है कि जीत पक्की हो चुकी है। बस यही उम्मीद थी कि जोश कोई 'नो बॉल' न फेंक दे जो यह आमतौर पर कभी नहीं करता। आत्मविश्वास तो बहुत था, लेकिन फिर भी आप एक बेहतरीन नतीजे की ही उम्मीद करते हैं। आखिरी कुछ गेंदों का इंतजार करना शायद उस रात का सबसे मुश्किल हिस्सा था।

## अपनी योजना पर टिके रहते हुए गलतियां करना स्वीकार्यः रिकी पोंटिंग

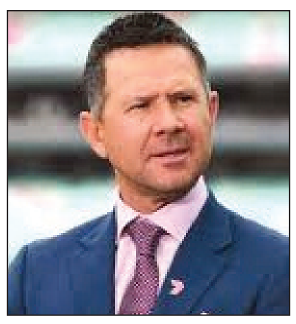

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने आईपीएल 2026 के लिए अपने खिलाड़ियों को एक स्पष्ट संदेश दिया है। पोंटिंग ने कहा है कि गलतियां स्वीकार करें, लेकिन अपनी प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्ध रहें।

अभ्यास सत्र से पहले पोंटिंग ने कहा, "मेरी तरफ से यह बात छोटी और सीधी होगी। यहां वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है। फिर से इतने सारे जाने-पहचाने चेहरे देखकर बहुत खुशी हो रही है। हमने कुछ बदलाव किए हैं। नए खिलाड़ियों का भी स्वागत करते हैं।" पोंटिंग ने कहा, अभ्यास सत्र 31 तारीख को होने वाले पहले मैच के लिए खुद को शारीरिक, तकनीकी और मानसिक रूप से तैयार करने के बारे में है।

पिछले सीजन के बारे में पोंटिंग ने कहा, "मैं चाहता हूं कि आप पीछे मुड़कर सोचें और याद करें कि पिछले साल आपने इस टीम में ऐसा क्या योगदान दिया था, जिसने हमें एक अच्छी टीम बनाया था। पिछले साल मैंने हर दिन जिस एक बात पर जोर दिया था, वह यह थी कि हम शुरू से अंत तक एक अच्छी टीम थे, और हम जिस एक चीज का पीछा कर रहे थे, वह थी एक महान टीम बनना। पोंटिंग ने आईपीएल 2026 के लिए खिलाड़ियों में हौसला भरते हुए कहा, "गलतियां होती हैं। हम सभी गलतियां करते हैं। यह ठीक है। इस सफर में मुझसे भी गलतियां होंगी, आप सभी से भी गलतियां होंगी, आप कैच छोड़ेंगे, आप खराब शॉट खेलेंगे, आप खराब ओवर डालेंगे, लेकिन जब तक आप अपनी जानकारी और अपनी गेम प्लान पर टिके रहते हैं, और ऐसा करते हुए अगर आपसे कोई गलती हो जाती है, तो मेरी नजर में वह गलती नहीं है। वह तो बस खेल का हिस्सा है, खेल में ऐसा होता ही है।"

पोंटिंग ने प्रक्रिया का आनंद लेते हुए खिलाड़ियों से आगामी सीजन के लिए तैयार रहने की अपील की।

नॉमिनेशन | सलीमा-हार्दिक प्लेयर ऑफ द ईयर की रेस में शामिल

# हॉकी इंडिया ने सलाना अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेशन किए जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने सोमवार को सालाना अवॉर्ड्स 2025 के प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। यह इवेंट 27 मार्च को होगा। खिलाड़ियों को ये अवॉर्ड्स 2025 सीजन के दौरान भारतीय हॉकी में शानदार प्रदर्शन और योगदान के लिए दिए जाएंगे।

इन खास सम्मानों में से एक हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर है, जो पूरे साल दमदार खेल दिखाने वाले सबसे अच्छे पुरुष और महिला खिलाड़ियों को दिया जाता है। इस समारोह में हॉकी इंडिया जुगराज सिंह अवॉर्ड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (पुरुष – अंडर-21) और हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा अवॉर्ड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला – अंडर-21) के साथ उभरते हुए टैलेंट को भी सम्मानित किया जाएगा।

अलग-अलग पोजीशन पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को खास अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह अवॉर्ड हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर, हॉकी इंडिया परगट सिंह अवॉर्ड फॉर डिफेंडर ऑफ द ईयर, हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह अवॉर्ड फॉर मिडफील्डर ऑफ द ईयर, और हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै अवॉर्ड फॉर फॉरवर्ड ऑफ द ईयर होंगे। इन आठ कैटेगरी से कुल 32 प्रत्याशियों को फाइनल शॉर्टलिस्ट के लिए चुना गया है। इस सेरेमनी में और भी अवॉर्ड दिए जाएंगे, जिसमें हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट अवॉर्ड फॉर आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट और हॉकी इंडिया जमन लाल शर्मा अवॉर्ड फॉर इनवैल्यूएबल कंट्रीब्यूशन शामिल हैं। अधिकारियों को हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट अवॉर्ड फॉर अंपायर/अंपायर मैनेजर ऑफ द ईयर, हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट अवॉर्ड फॉर टेक्निकल ऑफिशियल ऑफ द ईयर, और बेस्ट मेंबर यूनिट अवॉर्ड जैसे अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। एक सेरेमनी में भारतीय मेन्स हॉकी टीम को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने बिहार के राजगीर राजगीर में एशिया कप में गोल्ड मेडल जीता था। इसके साथ ही भारतीय जूनियर मेन्स हॉकी टीम को भी सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने तमिलनाडु में 2025 में एफआईएच हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके अलावा, मेंबर यूनिट्स को 15वीं हॉकी इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में उनकी उपलब्धियों के लिए भी सम्मानित किया जाएगा।

हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट दिलीप टिर्की ने कहा, "जैसे ही हम भारतीय हॉकी के लिए एक अहम साल में कदम रख रहे हैं, यह जरूरी है कि हम पिछले साल के शानदार प्रदर्शन करने वालों और उनके योगदान को पहचानें। हॉकी इंडिया सालाना अवॉर्ड्स उन खिलाड़ियों और अधिकारियों के समर्पण और उपलब्धियों को पहचानते हैं, जो भारतीय हॉकी के स्तर को लगातार ऊपर उठा रहे हैं। हम उनकी कोशिशों और भारतीय हॉकी की तरक्की का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं। हॉकी इंडिया के सेक्रेटरी जनरल भोला नाथ सिंह ने कहा, "ये अवॉर्ड्स खेल से जुड़े सभी लोगों की मिली-जुली कोशिशों को पहचान देते हैं, जिसमें खिलाड़ी, कोच, अधिकारी और मेंबर यूनिट शामिल हैं। उनके प्रतिबद्धता ने भारत में हॉकी इकोसिस्टम को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। हम एक साथ आकर अपनी हॉकी टीम की कामयाबियों का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं।"

हॉकी इंडिया आठवें सालाना अवॉर्ड्स 2025 के लिए प्रत्याशी।

हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर 2025: प्रिंस दीप सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक, बिचू देवी खारीबाम, सूरज करकेरा

## वरिष्ठ खेल पत्रकार एस त्यागराजन का निधन

चेन्नई, एजेंसी। हॉकी की बेहतरीन कवरेज के लिये मशहूर वरिष्ठ खेल पत्रकार एस त्यागराजन का सोमवार को यहां बढती उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे।

छह ओलंपिक और नौ एशियाई खेल कवर कर चुके त्यागराजन 1962 से 2013 तक 'द हिंदू' समाचार पत्र के लिये काम करते रहे। उन्होंने अपने कैरियर की शुरूआत 1961 में 'द इंडियन एक्सप्रेस' से की थी।

'द हिंदू' के खेल संपादक केसी विजय कुमार ने एक्स पर लिखा,'' द हिंदू के लिये कई दशक तक काम करने वाले हॉकी पत्रकारिता के दिग्गज वरिष्ठ खेल संवाददाता एस त्यागराजन का निधन।''

त्यागराजन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) की मीडिया और संचार से जुड़ी कई समितियों में भी रहे।

# स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

**हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।**

## पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

## व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

## इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

## तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

## पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

# आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

## ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

## मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार होते है। इन्हें खाने से नर्व्स को मजबूती मिलती है।

## एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

## ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

## फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने का काम करते है।

# लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

**किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।**

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

## इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

## लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है।

लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

## अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

## अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

# क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

## यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

## दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

## पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फलेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

## लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

**चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?**

# जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहटी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

# पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

**लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।**

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

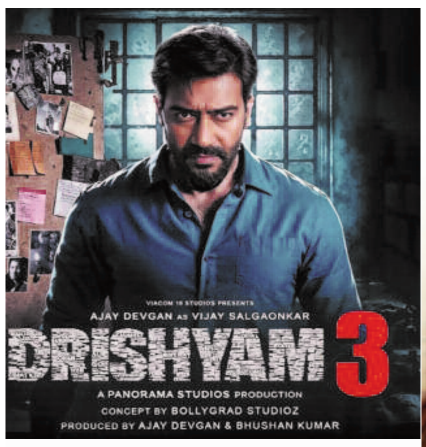


# रीमेक की बेड़ियों से आजाद होगी दृश्यम 3

इंडियन सिनेमा में सस्पेंस और थ्रिलर की परिभाषा बदलने वाली फ्रेंचाइज 'दृश्यम' अपने तीसरे और सबसे घातक चैप्टर की ओर बढ़ चुकी है। विजय सलगांवकर की शातिर चालाकी और कानून के फौलादी शिकंजे के बीच अब एक ऐसी बिसात बिछने वाली है, जहां से किसी एक का बचना नामुमकिन है। मेकर्स ने इस शेड्यूल के लिए बेहद गोपनीय और पुख्ता रणनीति तैयार की है। निर्देशक अभिषेक पाठक ने इस बार साहस दिखाते हुए फिल्म को रीमेक की बेड़ियों से आजाद कर दिया है। 'दृश्यम 3' अब मोहनलाल के मलयालम वर्जन को फॉलो नहीं करेगी। इसे पूरी तरह नॉर्थ इंडियन कल्चर और अपनी मौलिक स्क्रिप्ट के आधार पर ढाला गया है। मेकर्स का मानना है कि 'दृश्यम' अब एक ग्लोबल बांड है और सलगांवकर का अंत अब उसकी अपनी शर्तों पर होगा।

## पुलिस की वर्दी में नहीं दिखेगा जयदीप अहलावत का किरदार

इस बार सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक कास्टिंग में दिखता है। अक्षय खन्ना के बाहर होने के बाद' पाताल लोक' फेम जयदीप क्राइम एसपी की भूमिका में नजर आएंगे। वह वर्दी या पारंपरिक पुलिसिया रौब में नहीं, बल्कि सिविल ड्रेस में सलगांवकर के घर पहुंचेंगे। जयदीप और अजय के बीच संवादों का तीखा दंगल दिखेगा। जयदीप उन दफन राजों का जिक्र करेंगे, जिन्हें विजय सलगांवकर ने छिपाया था।

# आदित्य धर के साथ काम करना चाहती हैं भूमि पेडनेकर

**धुरंधर को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और सिर्फ फैंस ही नहीं, कई सेलेब्स ने भी इस स्पाई-एक्शन थ्रिलर की तारीफ की। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का नाम भी जुड़ गया है।**

हाल ही में द राइट एंगल विद सोनल कालरा के एपिसोड में भूमि ने माना कि 'धुरंधर' देखने के बाद वह आदित्य धर और रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। इंटरव्यू के दौरान सोनल कालरा ने उनसे पूछा, 'भूमि, आपने कई शानदार लोगों के साथ काम किया है, लेकिन ऐसा कौन-सा एक डायरेक्टर और एक एक्टर है जो अभी भी आपकी बकेट लिस्ट में है?' इस पर भूमि पेडनेकर ने जवाब दिया, 'एक डायरेक्टर चुनना मेरे लिए मुश्किल है, क्योंकि कई लोग हैं जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं जरूर संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हूं। किसी भी तरह से उनके साथ काम करना मेरा सपना है। मुझे उम्मीद है कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा, क्योंकि वह एक जीनियस हैं। इसके अलावा राजकुमार हिरानी के साथ भी काम करना चाहती हूं। और अब मैं आदित्य धर के साथ भी काम करना चाहती हूं, क्योंकि मुझे 'धुरंधर' का पहला पार्ट बहुत पसंद आया।'

भूमि ने आगे कहा, 'मैं आमतौर पर बहुत ज्यादा मस्कुलिन फिल्मों की ऑडियंस नहीं हूं। ऐसी फिल्मों में मुझे नींद आने लगती है और मैं उनसे कनेक्ट नहीं कर पाती। लेकिन 'धुरंधर' मुझे बहुत पसंद आई। अगर एक्टर्स की बात करूं तो मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं। उनके साथ काम करने का मौका जरूर चाहूंगी। मुझे नहीं लगता कि उनकी कोई भी परफॉर्मेंस ऐसा रहा हो जिससे मैं, एक फैन के तौर पर, निराश हुई हूं। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में तो मैं उन्हें देखकर पूरी तरह ऑब्सेस्ड हो गई थी।' वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर जल्द ही इमरान खान की कमबैक फिल्म में उनके साथ नजर आने वाली हैं।

# एक्शन फिल्म 'किंग' के बाद बड़े बजट के क्लासिक ड्रामा फिल्म करना चाहते हैं शाहरुख

शाहरुख खान इन दिनों अपनी एक्शन फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि 'किंग' में जबरदस्त एक्शन के बाद शाहरुख किस तरह की फिल्म करना चाहता हैं। शाहरुख इन दिनों सिद्धार्थ आनंद के साथ अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी करने वाले हैं। पिंकविला की एक खबर के अनुसार, कई एक्शन फिल्मों के बाद, शाहरुख रोमांस की ओर लौटना चाहते हैं। शाहरुख खान अब अपनी अगली फिल्मों की प्लानिंग कर रहे हैं। उनकी फिल्म 'किंग' दिसंबर 2026 में रिलीज होगी। 'किंग' की शूटिंग जल्द खत्म होने वाली है।

### कैसी होगी शाहरुख की अगली फिल्म

शाहरुख खान रोमांस वाली फिल्मों के लिए बहुत मशहूर हैं। उन्हें एक बड़े बजट की, पुराने स्टाइल की, मैच्योर रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ऑफर मिला है। वह इस स्क्रिप्ट पर गंभीरता से सोच रहे हैं। यह फिल्म उनकी पुरानी रोमांटिक भूमिकाओं की कॉपी नहीं होगी, बल्कि अलग कहानी होगी। इसमें बहुत सारी भावनाएं और ड्रामा होगा। इससे वह फिर से 'रोमांस के बादशाह' की तरह नजर आएंगे।

### फराह के साथ काम कर सकते हैं शाहरुख

कथित तौर पर इस फिल्म के अलावा शाहरुख निर्देशक फराह खान के साथ फिर से काम कर सकते हैं। यह फिल्म 'मैं हूं ना 2' हो सकती है। इसमें शाहरुख डबल रोल में नजर आ सकते हैं। अभी इसकी स्क्रिप्ट तैयार हो रही है। शाहरुख दोनों प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह जून 2026 तक अपनी अगली फिल्म का फैसला ले लेंगे। इसके लिए वह इंडस्ट्री के कई लोगों से मिल भी रहे हैं।

### कब रिलीज होगी 'किंग'?

'किंग' 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के समय रिलीज हो सकती है। उसके बाद जनवरी या फरवरी 2027 में शाहरुख अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस नई फिल्म के लिए एक बड़े नाम के डायरेक्टर से भी बात चल रही है।

# सरकार 4 मेरे सारे पाप धो देगी

**पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' के तीन पार्ट आ चुके हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार नजर आ चुके हैं। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है।**

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' की अगली फिल्म 'सरकार 4' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं। इसकी शूटिंग मैं अगले महीने से शुरू करने वाला हूं।' उन्होंने अपने एक और प्रोजेक्ट 'द सिंडिकेट' के बारे में भी बात की। इस पर मजाक करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी। राम गोपाल वर्मा ने यह जानकारी रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान दी। 'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

# 'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन ने आज आगामी फिल्म 'मेस' की जानकारी देते हुए एक खास तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इस तस्वीर में उनके साथ उनके चचेरे भाई ईशान रोशन भी नजर आ रहे हैं। जानिए किस पर आधारित है फिल्म 'मेस'।

फिल्म की कहानी कुछ चोरों की है, जो एक ऐसे व्यक्ति के घर में चोरी करने जाते हैं, जो ओसीडी से ग्रसित होता है। जैसे-जैसे रात बीतती है, चोरों को पता चलता है कि घर की हालत वैसी नहीं है जैसी उन्होंने सोची थी। अब शायद उन्हें ही मुश्किल में पड़ना पड़ेगा और रात भर जीवित बचना होगा। यह एक मजेदार और हल्की-फुल्की कॉमेडी होगी। ऋतिक रोशन 'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म में ऋतिक के अलावा और कौन-कौन से कलाकार होंगे इसकी जानकारी जल्द आएंगी। इसके अलावा इसकी रिलीज डेट की तारीख भी जल्द ही सामने आएगी।

# भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते

**अभिनेता और स्टैंड अप कॉमेडियन वीर दास अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में ऑस्कर में अवॉर्ड फंक्शन के दौरान होस्ट कॉनन ओ ब्रायन द्वारा कई स्टार्स को रोस्ट करने किया गया। इसे देखने के बाद वीर दास का कहना है कि भारत में ऐसा नहीं किया जा सकता है। भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते।**

### इसलिए कॉमेडियन को चुना जाता है होस्ट

वीर दास भारत में कुछ अवॉर्ड समारोहों को होस्ट कर चुके हैं। इसके अलावा वह 52वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स को भी होस्ट कर चुके हैं। लेकिन वीर दास का मानना है कि भारत में रोस्टिंग स्टाइल में होस्टिंग नहीं की जा सकती। अपने एक्स अकाउंट पर इस बारे में लिखते हुए वीर दास ने कहा, 'भारत में गेर्विस या कॉनन की तरह किसी बड़े फिल्म पुरस्कार समारोह की मेजबानी क्यों नहीं की जाती? दरअसल, मैंने पांच साल तक कई भारतीय पुरस्कारों के लिए स्क्रिप्ट लिखी है। इसका कारण यह है: ऑस्कर या फिल्म अवॉर्ड्स की किसी कॉमेडियन द्वारा मेजबानी किए जाने का मकसद यह है कि एक रात के लिए, एक मसखरा दुनिया के सबसे खूबसूरत चुने हुए लोगों को मानवीय रूप दे सके। क्योंकि उन्हें पहले से ही सम्मानित किया जा रहा होता है। ऐसे में कोई भी मजाक जोरदार हो जाता है।'

### बुरा मान जाते हैं भारतीय सितारे

हालांकि, वीर दास ने आगे बताया कि भारत में ऐसा क्यों नहीं हो सकता? उन्होंने आगे कहा, 'यहां, सितारों का अहंकार अपने स्तर से नीचे के किसी भी व्यक्ति के मजाक को बर्दाश्त नहीं करता। विडंबना यह है कि जितना बड़ा स्टार होस्ट करता है, मामला उतना ही पेचीदा हो जाता है। क्योंकि उस स्तर पर तो सिर्फ तीन ही लोग होते हैं। इसलिए एक बड़े स्टार का होस्ट करना वहां मौजूद लोगों के लिए तो ठीक रहता है, लेकिन देखने वालों के लिए हमेशा मजेदार नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि सत्ता का संतुलन बिगड़ जाता है।'

### 98वें ऑस्कर में कॉनन ओ ब्रायन ने किया रोस्ट

कॉनन ओ'ब्रायन ने लगातार दूसरे साल ऑस्कर की मेजबानी की। शो के दौरान उन्होंने पिछले कुछ महीनों से सामाजिक-सांस्कृतिक चर्चाओं में छाए कई मुद्दों पर बात की। इनमें ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष से लेकर एआई एआई के बढ़ते खतरे तक शामिल हैं। उन्होंने टिमोथी चालमेट की ओपेरा और बैले पर की गई टिप्पणियों पर भी तंज कसा, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

## 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे वीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो वीर दास को आखिरी बार 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में देखा गया था। इससे उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म में मोना सिंह भी हैं, साथ ही आमिर खान और इमरान खान की विशेष भूमिकाएं भी हैं। आमिर खान प्रोडक्शन हाउस द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009